RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net ■ वर्ष 33 ■ अंक 273 ■ मुंबई, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 ■ संरक्षक : आरएन सिंह

पहलगाम हमला : राजनीति करने का अवसर नहीं पेज-4

प्रदेश में बनेगा पहला इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, मिली मंजूरी पेज-6

हद से ज्यादा लहसुन खाएंगे तो पड़ जाएंगे लेने के देने पेज-8

राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 54 सदस्यीय संभावित टीम की घोषणा पेज-9

मोदी का ऐलान...बदला लेगा हिंदुस्तान

▸▸आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आया

▸▸अब और नहीं...कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी

महानगर नेटवर्क

मधुबनी

पहलगाम अटैक के बाद गुरुवार को बिहार के मधुबनी पहुंचे PM मोदी ने कहा- 'पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी।'

'आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई, किसी ने जीवन साथी खोया। इनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़, कोई गुजराती था, कोई बिहार का लाल था। आज सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक हमारा आक्रोश एक जैसा है।'

आतंकियों को अंतिम छोर तक खदेड़ेंगे

पहलगाम आतंकी हमले पर PM मोदी ने दुनिया को मैसेज देने के लिए मंच से अंग्रेजी में कहा, 'हम उन्हें धरती के अंतिम छोर तक खदेड़ेंगे। आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी। आतंकवाद को सजा मिलेगी।' आतंकियों और साजिशकर्ताओं को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। सजा मिलकर रहेगी। आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छा शक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़ कर रहेगी। 'न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। पूरा देश इस संकल्प में एक है। मानवता में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति हमारे साथ है। मैं विभिन्न देशों के लोगों और उनके नेताओं को धन्यवाद देता हूं जो हमारे साथ खड़े हैं।'

PM मोदी ने कहा- '22 अप्रैल को जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में मासूम लोगों को जिस तरह से मारा है। उससे पूरा देश व्यथित है। उनके दुख में पूरा देश साथ खड़ा है। जिनका अभी इलाज चल रहा है, वे जल्द स्वस्थ हों इसके लिए भी सरकार प्रयास कर रही है।

राष्ट्रपति से मिले अमित शाह और जयशंकर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। सर्वदलीय बैठक से पहले अमित शाह और विदेश मंत्री जयशंकर की इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनको पहलगाम आतंकी हमले की जानकारी दी है।

आज श्रीनगर जाएंगे सेना प्रमुख

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार एक्शन मोड में है। भारत-पाक बॉर्डर भी अलर्ट मोड पर है। इसी बीच भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए आज (25 अप्रैल) श्रीनगर का दौरा करेंगे। स्थानीय सैन्य संरचनाओं के शीर्ष कमांडर उन्हें घाटी और एलओसी पर बल द्वारा उठाए गए आतंकवाद विरोधी उपायों के बारे में जानकारी देंगे। 15 कोर कमांडर और राष्ट्रीय राइफल्स के अन्य गठन कमांडर इस दौरे के दौरान मौजूद रहेंगे।

वायुसेना ने शुरू किया युद्धाभ्यास

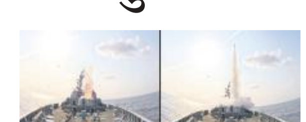

वायुसेना ने युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। इसे आक्रमण नाम दिया गया है। इसमें अंबाला (हरियाणा) और हाशीमारा (पश्चिम बंगाल) की दो राफेल स्क्वॉड्रन हिस्सा लेंगी। भारत ने गुरुवार दोपहर INS सूरत युद्धपोत से मिसाइल की टेस्टिंग की। टेस्टिंग सफल रही। सतह से समुद्र पर हमला करने का सफल परीक्षण किया गया। इससे पहले भारत की जवाबी कार्रवाई के डर से पाकिस्तान ने 24-25 अप्रैल को कराची तट से दूर अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) के भीतर सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण करने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। पाकिस्तानी एयरफोर्स ने गुरुवार रात दहशत में काटी। कराची एयरबेस से 18 फाइटर जेट भारत से लगी सीमा की तरफ के पाक एयरफोर्स स्टेशनों पर भेजे गए।

पाकिस्तान पर डिप्लोमैटिक स्ट्राइक

भारत ने पहलगाम हमले के बारे में जानकारी देने के लिए गुरुवार को अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, इटली, कतर, जापान, चीन, रूस, जर्मनी, फ्रांस आदि के शीर्ष राजदूतों को साउथ ब्लॉक स्थित विदेश मंत्रालय के कार्यालय में बुलाया। सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने जी-20 देशों के राजदूतों को पहलगाम हमले के बारे में बताया है। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की राजदूतों को ब्रीफ करने की यह बैठक तकरीबन आधे घंटे तक चली।

भारत के एक्शन से बिलबिलाया पाकिस्तान

▸ शिमला समझौता करेगा सस्पेंड!

▸ एयरस्पेस को बंद करने का ऐलान

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की मौत के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को रोकने और पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को घटाने समेत कई कड़े फैसले लिए हैं। इससे पाकिस्तान बिलबिला गया है। इसी क्रम में पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने एक अहम सुरक्षा बैठक बुलाई थी।

पाकिस्तान की एनएससी की मीटिंग में क्या-क्या हुआ?

- ▸▸ सिंधु जल संधि को रोकने के भारत के फैसले को पाकिस्तान ने खारिज किया। NSC ने कहा कि यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसे एकतरफा सस्पेंड नहीं किया जा सकता।
- ▸▸ पाकिस्तान ने कहा कि अगर भारत ने पानी रोकने या दिशा मोड़ने की कोशिश की तो इसे युद्ध की कार्यवाही माना जाएगा और पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा।
- ▸▸ पाकिस्तान ने कहा कि हम भारत के साथ सभी द्विपक्षीय समझौतों को निलंबित कर सकते हैं, जिसमें शिमला समझौता भी शामिल है।
- ▸▸ पाकिस्तान ने भी वाघा बॉर्डर को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है, केवल वैध अनुमति लेकर आए लोग 30अप्रैल तक वापस लौट सकते हैं।
- ▸▸ SAARC वीज़ा योजना के तहत सभी भारतीय नागरिकों के वीज़ा रद्द कर दिए गए हैं। केवल सिख तीर्थयात्रियों को छूट रहेगी। बाकी भारतीयों को 48 घंटे में पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया गया है।
- ▸▸ इस्लामाबाद में भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को 'अवांछनीय व्यक्ति' घोषित कर पाकिस्तान छोड़ने का आदेश दिय गया है। साथ ही पाकिस्तान में स्थित हाई कमीशन का स्टाफ घटाकर 30 किया गया है।
- ▸▸ भारतीय एयरलाइनों के लिए पाकिस्तान का एयरस्पेस तत्काल प्रभाव से बंद।
- ▸▸ भारत के साथ सभी तरह का व्यापार, चाहे किसी तीसरे देश के रास्ते हो, तत्काल निलंबित।

Short News एक नजर

यूपी बोर्ड 10वीं-12वीं का रिजल्ट आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UPMSP) आज यानी 25 अप्रैल को 10वीं और 12वीं परीक्षा का रिजल्ट जारी करेगा। छात्र बोर्ड की वेबसाइट upmsp.edu.in पर रिजल्ट देख सकेंगे। अपनी मार्कशीट भी डाउनलोड कर सकते हैं। बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा 24 फरवरी से 12 मार्च तक हुई थी। प्रयागराज समेत पूरे प्रदेश में 8,140 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 54.38 लाख छात्र-छात्राएं रजिस्टर्ड थे, लेकिन इसमें से 3.02 लाख परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी थी।

मिसाइल और ड्रोन अटैक से 8 की मौत, 70 से ज्यादा घायल

कीव। रूस ने बुधवार रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में कम से कम 8 लोग मारे गए, जबकि 70 से ज्यादा घायल हो गए। यह इस साल यूक्रेन की राजधानी पर सबसे बड़ा हमला था। अधिकारियों ने बताया कि हमले की वजह से कई बिल्डिंगों ने आग लग गई और 6 बच्चे घायल हो गए, अभी भी कुछ लोग मलबे में फंसे हुए हैं।

चंडीगढ़, देहरादून समेत कई जगहों पर कश्मीरी स्टूडेंट्स पर हमले

नई दिल्ली। पहलगाम में सैलानियों पर हमले के बाद देश के कई हिस्सों से कश्मीरी स्टूडेंट्स के खिलाफ नारेबाजी और मारपीट की खबरें आ रही हैं। चंडीगढ़, देहरादून और नोएडा में पढ़ रहे कश्मीरी स्टूडेंट्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए हैं। उन्होंने अपनी चोट दिखाते हुए बताया कि कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद उन्हें बदसलूकी का सामना करना पड़ रहा है।

अदालत ने राणा की परिवार से बात करने की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने तहव्वुर राणा की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी, जिसमें उसने अपने परिवार से फोन पर बात करने की अनुमति मांगी थी। राणा के वकील पीयूष सचदेवा ने तर्क दिया था कि एक विदेशी नागरिक के तौर पर उसे अपने परिवार से बात करने का मौलिक अधिकार है। उसका परिवार उसके इलाज को लेकर चिंता में हैं। हालांकि, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने जांच का हवाला देते हुए इसका विरोध किया और कहा कि राणा संवेदनशील जानकारी का खुलासा कर सकता है। इसके बाद स्पेशल NIA जस्टिस चंदर जीत सिंह ने तहव्वुर राणा की याचिका खारिज करने का फैसला किया।

पाकिस्तान की हिरासत में भारतीय जवान

गलती से पार कर गया था बॉर्डर | रिहाई के लिए बातचीत जारी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की वजह से भारत और पाकिस्तान में तनाव बढ़ गया है। इस बीच, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान को गलती से पंजाब की सीमा पार कर जाने के बाद पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि जवान की रिहाई के लिए दोनों देशों के बलों के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि 182वीं बटालियन के कांस्टेबल पीके सिंह को बुधवार को फिरोजपुर सीमा पार से पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। अधिकारी ने बताया कि जवान वर्दी में था और उसके पास सर्विस राइफल भी थी। उन्होंने बताया कि बीएसफ जवान किसानों के साथ था और वह छाया में आराम करने के लिए आगे बढ़ा, जिसके बाद उसे पाकिस्तानी रेंजर्स ने पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ जवान की रिहाई के लिए दोनों देशों के बलों के बीच 'फ्लैग मीटिंग' जारी है। उन्होंने बताया कि ऐसी घटनाएं असामान्य नहीं हैं और दोनों पक्षों के बीच पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। अधिकारी ने बताया कि यह घटना पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हुई है, जिसके बाद भारत ने आतंकवाद को प्रायोजित करने को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं।

27 अप्रैल तक भारत छोड़ दें पाकिस्तानी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा लिए गए निर्णयों के क्रम में, भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल प्रभाव से वीजा सेवाएं निलंबित करने का निर्णय लिया है। भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल 2025 से रद्द कर दिए जाएंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल 2025 तक वैध होंगे। वर्तमान में भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को संशोधित वीज़ा की अवधि समाप्त होने से पहले भारत छोड़ देना चाहिए। भारतीय नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा करने से बचने की सख्त सलाह दी जाती है।

राहुल गांधी बोले-सरकार के हर एक्शन का समर्थन

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने कहा है कि वह आतंक के खिलाफ सरकार के हर कदम के साथ है। सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए सभी कदम और सभी तरह के ऐक्शन का समर्थन करती है। राहुल गांधी ने कहा, 'सर्वदलीय बैठक में सभी ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। विपक्ष ने सरकार को कोई भी कार्रवाई करने के लिए पूरा समर्थन दिया है।'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बैठक की अध्यक्षता की, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बैठक में मौजूद थे। सभी दलों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की।

सरकार ने माना सुरक्षा चूक!

तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि इस बैठक में सुरक्षा चूक पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद से निपटने में सभी दल सरकार के साथ हैं। केंद्रीय मंत्री किरेण रिजिजू ने कहा कि सरकार ने सभी दलों के नेताओं को आतंकवाद के खिलाफ उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने माना कि सुरक्षा में चूक हुई। सरकार की ओर से सभी राजनीतिक दलों को पहलगाम हमले के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

गोधरा कांड पर 'सुप्रीम' सुनवाई की तारीख तय

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में 6 और 7 मई को 2002 के गोधरा कांड मामले में गुजरात सरकार और दोषियों की याचिकाओं पर सुनवाई होगी। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। बेंच ने बताया कि वह 6 और 7 मई को अंतिम सुनवाई शुरू करेगा। पूरी सुनवाई में कम से कम दो हफ्ते का समय लगेगा। 6 और 7 मई को पूरे दिन सुनवाई होगी। बेंच ने दोषियों में से एक की ओर से पेश वकील संजय हेगड़े से 3 मई तक अपनी दलीलों को कोर्ट में जमा करने का निर्देश दिया है। 27 फरवरी 2002 में गुजरात के गोधरा स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 डिब्बे में आग लगा दी गई थी। ट्रेन में अयोध्या से लौट रहे 59 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी।

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- तलाक-ए-अहसन पर रोक नहीं

केवल तीन तलाक गैर-कानूनी; महिला की याचिका खारिज की

महानगर संवाददाता

मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि केवल तत्काल तीन तलाक पर रोक है, तलाक-ए-अहसन पर नहीं। हाईकोर्ट की औरंगाबाद बेंच के जस्टिस विभा कंकनवाड़ी और जस्टिस संजय देशमुख ने कहा कि मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम के तहत तलाक की परिभाषा में तलाक के वे रूप शामिल हैं, जिनका प्रभाव तत्काल होता है, या जिन्हें बदला नहीं जा सकता है। इस कमेंट के साथ ही कोर्ट ने जलगांव के एक शख्स और उसके माता-पिता के खिलाफ दर्ज शिकायत पर मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम की धारा 4 के तहत 2024 में दर्ज मामले को खारिज कर दिया। इस धारा के तहत कोई भी मुस्लिम व्यक्ति जो अपनी पत्नी को तीन तलाक देता है, जिसे तलाक-ए-बिद्दत कहा जाता है, उसे तीन साल तक की जेल की सजा दी जाएगी।

औरंगाबाद बेंच के तीन कमेंट...

- इस मामले में व्यक्ति ने अपनी पत्नी को तलाक-ए-अहसन दिया था जो सिर्फ तलाक की घोषणा होती है। तलाकनामा घोषणा के तीन महीने बाद दिया गया था।
- तलाक-ए-अहसन का कानूनी प्रभाव केवल 90 दिनों के बाद ही लागू हुआ। इस दौरान दंपति ने दोबारा साथ रहना शुरू नहीं किया था। यानी मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत तलाक लागू हो गया।
- अधिनियम के तहत तीन तलाक अपराध है, जबकि तलाक-ए-अहसन अपराध नहीं है, ऐसे में अगर व्यक्ति और उसके माता-पिता के खिलाफ केस किया जाता है तो कानून का दुरुपयोग है।

दिल्ली में आज MCD चुनाव

मेयर-डिप्टी मेयर पद पर भाजपा की जीत लगभग पक्की

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम (MCD) चुनाव होने वाले हैं। मेयर और डिप्टी मेयर पद पर भाजपा की जीत लगभग तय मानी जा रही है। क्योंकि आम आदमी पार्टी पहले ही चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा कर चुकी है। भाजपा ने मेयर पद के लिए सरदार राजा इकबाल सिंह और डिप्टी मेयर पद के लिए जय भगवान यादव को उम्मीदवार बनाया है। MCD की कुल 250 सीटें हैं। इनमें अभी 238 पार्षद हैं। 12 सीटें कुछ पार्षदों के दिल्ली विधानसभा और लोकसभा के लिए चुने जाने के कारण खाली हैं। भाजपा के पास अब 117 पार्षद हैं।

पहलगाम के मृतकों को नम आंखों से आखिरी विदाई

पुणे में बेटी ने पिता को मुखाग्नि दी; बेटा बोला- मुसलमानों को छोड़ा, हिंदुओं को गोली मारी

महानगर नेटवर्क

पुणे/बेंगलुरु/भावनगर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले मृतकों की गुरुवार को आखिरी विदाई हुई। गुजरात के भावनगर में मृतक पिता यतीशभाई सुधीरभाई परमार और बेटे स्मित यतीशभाई परमार का अंतिम संस्कार किया गया।

सूरत में मृतक शैलेशभाई कलथिया को बेटे ने मुखाग्नि दी। बेटे ने हमले वाले दिन के बारे में बताया कि हम घुड़सवारी कर रहे थे, तभी आतंकवादी आ गए। हिंदू और मुसलमान को अलग होने को कहा। फिर कलमा पढ़ने को बोलने लगे। इसके बाद मुसलमानों को छोड़ दिया और हिंदुओं को गोली मारी दी। इधर पुणे में मृतक संतोष जगदाले का बेटी असावरी ने अंतिम संस्कार किया। इनके अलावा, बेंगलुरु के मंजूनाथ और भारत भूषण, पुणे के कौस्तुभ गणबोटे, ओडिशा के प्रशांत सतपथी और आंध्र प्रदेश के मधुसूदन राव की अंतिम यात्रा में भारी भीड़ जुटी।

वहीं, जयपुर में CA नीरज उधवानी के पार्थिव शव के पास पत्नी आयुषी रोती रहीं। रायपुर में बेटे शौर्य ने मृतक पिता दिनेश मिरानिया के अंतिम संस्कार की रस्में निभाई। इंदौर के सुशील नथानियल को ईसाई रीति-रिवाज से अंतिम विदाई दी गई। कानपुर के शुभम द्विवेदी के घर CM योगी पहुंचे। बिहार के IB ऑफिसर मनीष रंजन का शाम बंगाल के झालदा अंतिम संस्कार किया गया।

खुशखबरी! ट्रंप से ट्रेड डील साइन करेगा भारत!

महानगर नेटवर्क

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगाए रेसिप्रोकल टैरिफ से आए वैश्विक संकट के बीच भारत के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। भारत जल्द ही अमेरिका के साथ बिलेटरल ट्रेड डील पर दस्तखत करने वाला पहला देश बन सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इस संकेत के साथ कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता अंतिम चरण में है। अगर यह डील तय हो जाती है, तो भारत ट्रंप की 'रेसिप्रोकल टैरिफ' नीति से बचने वाला पहला देश बन जाएगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर थे। अमेरिका फिलहाल भारत के निर्यात पर 10% टैरिफ लगा रहा है, लेकिन 26% तक का भारी शुल्क लगाने की चेतावनी दे चुका है, जिसे 90 दिनों के लिए स्थगित किया गया है और यह 8 जुलाई को खत्म हो रहा है।

अमेरिका ने क्या कहा

बेसेंट ने वॉशिंगटन में एक राउंडटेबल बातचीत में कहा, "भारत के पास ऊंचे टैरिफ नहीं हैं, गैर-टैरिफ अड़चनें भी कम हैं। न कोई करंसी मैनिपुलेशन है और न ही भारी सब्सिडी-ऐसे में भारत से डील करना अपेक्षाकृत आसान है।"

गर्मी में बिजली कटौती की मार

बिजली विभाग ने कहा ट्रांसफार्मर पर लोड ज्यादा होने से कटौती

महानगर संवाददाता
वसई

वसई - विरार की जनता शहर में बुनियादी सुविधाओं के लिए तरह-तरह की परेशानियां झेल रही है। पानी और खराब सड़कों से परेशान जनता को अब बिजली कटौती रुलाने लगी है। भीषण गर्मी और उमस के बीच बार-बार बिजली फेल हो रही है। बिजली विभाग के पास इसका कोई हल नही है। विभाग का कहना है कि गर्मियों में बिजली फेल होने की समस्या होती है। इधर, लोगों का कहना है कि बिना सूचित किए विभाग बिजली कटौती कर देता है, जिससे लोगों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ती है। बता दें कि हर साल गर्मी शुरू होते ही वसई-विरार में बिजली कटौती की समस्या पैदा हो जाती है। 3 से 4 घंटे बिजली न होने से लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो जाता है। खासकर स्लम इलाकों में पतरे की छत वाले घरों में रहने वालों का बहुत बुरा हाल है। सबसे ज्यादा बिजली कटौती नालासोपारा में हो रही हैं, स्थानीय ने कहा कि बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। स्थानीय जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे हैं।

रोजाना 3 से 4 घंटे तक होती है बिजली की कटौती

बिजली कटौती से पतरे के घरों में रहने वालों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। बिजली विभाग ने कहा, पुराने कंडेंसर को बदलने का काम जारी है। इसका कहना है कि ट्रांसफार्मर काफी पुराने हो चुके हैं। बढ़ती आबादी के साथ उन ट्रांसफॉर्मरों में क्षमता से अधिक लोड होने की वजह से बिजली फेल हो जाती है। गर्मियों में कंडेंसर गर्म होकर फेल हो जाता है, जिसकी वजह से बिजली आपूर्ति बंद हो जाती है। पुराने कंडेंसर बदले जा रहे हैं, आगे इस तरह की दिक्कत नहीं आएगी।

बगैर अनुमति के मुख्यालय छोड़ने पर अधिकारी होंगे निलंबित

महानगर संवाददाता
मुंबई

महाराष्ट्र राजस्व विभाग ने एक परिपत्र जारी करके चेतावनी दी है कि बिना पूर्व अनुमति के बार-बार मुख्यालय छोड़ने वाले अधिकारियों को निलंबन और अन्य अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। विभाग ने सार्वजनिक सेवा में अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की है। यह निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग के समन्वय में जारी किया गया है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के कार्यालय से गुरुवार को जारी एक आधिकारिक मीडिया बयान के अनुसार, यह देखा गया कि तहसीलदारों से लेकर नव पदोन्नत अतिरिक्त कलेक्टरों, महानिरीक्षक पंजीकरण और मुद्रांक नियंत्रक के अधीन अधिकारियों और भूमि अभिलेख निदेशक के अधीन अधिकारियों तक कई अधीनस्थ अधिकारी उचित प्राधिकरण के बिना अक्सर मुख्यालय से अनुपस्थित रहते हैं। बावनकुले द्वारा इन शिकायतों की पुष्टि करने पर निष्कर्षों की पुष्टि हुई, जिसके बाद तत्काल परिपत्र जारी किया गया। परिपत्र में निर्देश दिया गया है कि यदि कोई अधीनस्थ अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय छोड़ता पाया जाता है, तो उसे पहले सख्त चेतावनी दी जानी चाहिए। यदि व्यवहार जारी रहता है, तो तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए, जिसमें यदि आवश्यक हो तो निलंबन भी शामिल है। विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि महत्वपूर्ण बैठकों या आपात स्थितियों में, इस तरह की अनुपस्थिति प्रशासनिक बाधाओं का कारण बनती है। अक्सर, जनता सेवाओं के लिए इंतजार करती रहती है,लेकिन अधिकारी गायब रहते हैं। केवल सरकारी छुट्टियों या आधिकारिक दौरों के मामलों में ही अनुपस्थिति को वैध माना जा सकता है। अन्य सभी समयों में, मुख्यालय में उपस्थिति अनिवार्य है। परिपत्र में यह स्पष्ट किया गया है कि कोई भी अधिकारी वरिष्ठ अधिकारी की पूर्व स्वीकृति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेगा, और विसंगतियों के मामले में पर्यवेक्षण अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। अनुशासन, दक्षता और नागरिक-केंद्रित प्रशासन को बनाए रखने के लिए यह कार्रवाई आवश्यक मानी जाती है। बावनकुले ने कहा, सार्वजनिक सेवा में लापरवाही किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजस्व विभाग जनता की सेवा के लिए है, उन्हें इंतजार करवाने के लिए नहीं। बिना अनुमति के बार-बार अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों को एक मौका दिया जाएगा, जिसके बाद सीधे अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मां की गोद से छूटकर 21 वीं मंजिल से गिरा बच्चा

मौत से सदमे में है परिवार

महानगर संवाददाता
विरार

विरार में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है। सात महीने के एक बच्चे की 21वीं मंजिल से गिरकर दुखद मौत हो गई है, यह घटना बुधवार, 23 अप्रैल को दोपहर करीब 3.30 बजे विरार पश्चिम के जॉय विला कॉम्प्लेक्स स्थित पिनेकल सोसाइटी में घटी। विक्की सेडानी और पूजा सेडानी नाम के दम्पति पिनेकल सोसाइटी की 21 वीं मंजिल पर रहते हैं। उनका सात महीने का बेटा वृषांक उर्फ वेद सो नहीं पा रहा था, इसलिए पूजा सेडानी उसे गोद में उठाकर मास्टर बेडरूम में घूमाने लगी, उन्होंने बेडरूम में हवा आने के लिए बालकनी की स्लाइडिंग खिड़की खुली छोड़ दी थी, क्योंकि फर्श गीला था, उसका पैर फिसल गया और वह सीधे बालकनी की ओर गिर गई। इसी दौरान उनकी बाहों में जकड़ा वृषांक बालकनी से नीचे गिर गया।

सेडानी परिवार को सात साल बाद बच्चा हुआ था

मासूम को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेडानी परिवार को सात साल बाद बच्चा हुआ था, इसलिए, इस दुर्घटना ने उनके जीवन पर एक काला निशान छोड़ दिया है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से पूरी सोसायटी सदमे में है। स्थानीय पुलिस जांच कर रही है और प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि यह घटना एक दुर्घटना थी। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि माता-पिता को छोटे बच्चों की देखभाल करते समय अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है।

कांग्रेस नगरसेविका का आरोप

ब्लैक लिस्टेड ठेकेदार से मनपा करा रही सीमेंट कंक्रीट का काम

महानगर संवाददाता
मुंबई

कांदिवली स्थित जनकल्याण नगर में चल रहे सड़क निर्माण कार्य ने एक बार फिर मनपा की लापरवाही और मिलीभगत की पोल खोल कर रख दिया है। कांग्रेस की पूर्व नगरसेविका शीतल म्हात्रे ने आरोप लगाया की मनपा ने जिस ठेकेदार को पहले ब्लैक लिस्ट किया था उसी ठेकदार को दोबारा सड़क निर्माण करने का काम दिया। म्हात्रे ने कहा कि इस तरह के ठेकेदार कैसे अच्छे काम करे इस तरह का सवाल खड़ा किया। शीतल म्हात्रे ने आरोप लगाया की कांदिवली में सीमेंट कंक्रीट के चल रहे काम इतने निकृष्ट दर्जे के हैं कि सड़कों की दरारें केवल घटिया निर्माण की नहीं बल्कि बेतहाशा भ्रष्टाचार की गवाही दे रही हैं। उन्होंने एक गंभीर सवाल उठाते हुए कहा की एक ऐसा ठेकेदार जिसे 2017 में सड़क घोटाले के चलते ब्लैकलिस्ट किया गया था वह अब सार्वजनिक करदाताओं के पैसों से संचालित काम में शामिल हुआ है। यह सीधे-सीधे प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठाता है। ठेकेदार को दोबारा काम किस के दबाव में दिया गया। म्हात्रे ने कहा कुछ दिन पहले ही एक नवनिर्मित सड़क को फिर से खोदा गया। हाल ही में बनी सड़कों पर किसी भी प्रकार की खुदाई नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा बिना किसी पूर्व योजना या आवश्यकता के चार डक्ट लाइनें डाली जा रही हैं। इनका गहराई कम होना और स्थान चयन का उचित न होना यह दर्शाता है कि जानबूझकर कार्यादेश की राशि बढ़ाने की कोशिश की जा रही है।

हमले के विरोध में बंद रहा डोंबिवली

महानगर संवाददाता
डोंबिवली

जम्मू कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी हमले के विरोध में गुरुवार को सुबह से ही आम नागरिकों ने स्वतः स्फूर्त डोंबिवली बंद रखा है। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए तीन लोगों के शवों का अंतिम संस्कार बुधवार को देर रात शोकाकुल माहौल में किया गया। इससे पूरा डोंबिवली शोक संतप्त है और लोग इस मामले का तीव्र विरोध कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में डोंबिवली के संजय लेले, हेमंत जोशी और अतुल मोने की मौत हो गई थी। इन तीनों के शव बुधवार को कश्मीर से डोंबिबली लाये गए। इसके बाद बुधवार को ही देर रात इन तीनों शवों का अंतिम संस्कार डोंबिवली के शिव मंदिर श्मशान घाट में किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, सांसद श्रीकांत शिंदे, भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधायक रवींद्र चव्हाण, विधायक राजेश मोरे और हजारों डोंबिवली निवासी उपस्थित थे। तीनों की मौत की खबर सुनते ही डोंबिवली के लोगों में गुस्से की लहर दौड़ गई।

कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में आम लोगों ने डोंबिवली बंद का आह्वान किया। सुबह से सभी दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखी और कंपनी कारखाने भी बंद रखे गए। आतंकी हमले में मारे गए हेमंत जोशी, संजय लेले और अतुल मोने को श्रद्धांजलि देने के लिए डोंबिवली शहर में विभिन्न स्थानों पर होर्डिंग्स लगाए गए हैं। इस बंद को सभी राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है, इसलिए कहीं कोई अप्रिय घटना नहीं घटी है।

मनपा ने काटे बकायादारों के नल कनेक्शन

महानगर संवाददाता
वसई

जलकर का भुगतान न करने के कारण कर की राशि बकाया होने लगी है। नगर पालिका ने जलकर बकाया रखने वाले जल कनेक्शन धारकों के जल कनेक्शन काटने पर ध्यान केंद्रित किया है। अब तक 471 जल कनेक्शन काटे जा चुके हैं। वसई-विरार में मनपा जल आपूर्ति विभाग शहर के नागरिकों को पानी की आपूर्ति करता है। वर्तमान में मनपा को प्रतिदिन कुल 400 मिलियन लीटर पानी मिलता है,जिसमें पेल्हार से 20 मिलियन लीटर,उसगांव से 10 मिलियन लीटर, सूर्या फेज-1 और फेज-3 योजनाओं से 200 मिलियन लीटर और एमएमआरडीए की सूर्या योजना से 185 में से 170 मिलियन लीटर पानी मिलता है। मनपा ने शहर

में 67,956 घरेलू, व्यावसायिक और औद्योगिक जल कनेक्शन दिए हैं। इनके माध्यम से मनपा को जल पट्टी कर प्राप्त होता है। हालाँकि, चूँकि कुछ जल पट्टी कनेक्शन धारक कर का भुगतान नहीं कर रहे हैं, इसलिए जल पट्टी कर बकाया होना शुरू हो गया है। नगर पालिका ने वर्ष 2024-25 में 88 करोड़ रुपए जलकर वसूलने का लक्ष्य रखा था। हालांकि मार्च के अंत तक मात्र 75 प्रतिशत कर ही वसूला जा सका है और बड़ी मात्रा में कर बकाया है। इसके लिए नगर पालिका ने अब इन बकायादारों को निशाने पर लिया है और नल कनेक्शन काटने की कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर पालिका के जलदाय विभाग ने बताया है कि अब तक शहर के नौ वार्डों में 471 नल कनेक्शन धारकों के कनेक्शन काटे जा चुके हैं। बकायादारों का जलकर वसूल होने के बाद नल कनेक्शन शुल्क जमा करने पर उनके कनेक्शन पुनः चालू कर दिए जाएंगे।नगर पालिका को वर्ष 2024-25 में जल नल कर के रूप में 88 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया गया था। इसके अनुसार जल नल कर वसूलने का काम शुरू किया गया था। इसमें से केवल 65.93 करोड़ रुपए यानी 75.47 प्रतिशत ही वसूला जा सका है। शेष 24 प्रतिशत कर राशि बकाया है।

पिता के रक्त से सना था हाथ...

हर्षल लेले ने पहलगाम हमले का सुनाया दर्दनाक मंजर

ठाणे। पहलगाम में आतंकी हमला हुआ और इस हमले में महाराष्ट्र समेत देशभर के 26 पर्यटकों की मौत हो गई। पहलगाम में मारे गए पर्यटकों में छह महाराष्ट्र के पर्यटक थे। इन छह में से तीन डोंबिवली के थे। हमले में तीन चचेरे भाई अतुल मोने, संजय लेले और हेमंत जोशी की मौत हो गई। गुरुवार के दिन संजय लेले के बेटे हर्षल ने इस हमले का दर्दनाक मंजर बताया। जोशी, लेले और मोने परिवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने बताया कि उन्हें क्या-क्या सहना पड़ा।

हर्षल लेले ने क्या कहा?

"जब आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, तो मेरा हाथ मेरे पिता (संजय लेले) के सिर पर था। बाबा उन्हें गोली चलाने से मना कर रहे थे। उन्होंने अपना हाथ उठाया हुआ था। उस समय मुझे अपने हाथ में कुछ महसूस हुआ। पहले मुझे लगा कि मेरे हाथ में गोली लगी है। मैं जल्दी से नीचे झुका और उठकर देखा तो पिता का सिर खून से लथपथ था। जब मैंने यह सब देखा,तो स्थानीय लोगों ने हमसे कहा कि पहले तुम्हें अपनी जान बचानी चाहिए। जिस जगह पर गोलीबारी हुई थी वहां जाने के लिए घोड़े से जाने में तीन घंटे लगते हैं। घोड़े के अलावा अन्य कोई साधन वहां नहीं जाता। मैं और मेरे भाई ने मां को उठाकर लाया। फिर घोड़े से बेस पर ले गए। उसके बाद हमें अस्पताल ले जाया गया।

सुबह करीब 7.30 बजे मुझे पता चला कि तीनों की मौत हो गई

दोपहर 2:00 बजे से 2:30 बजे के बीच आतंकियों ने फायरिंग की। हम लगभग शाम 6 बजे पहुँचे। अगले कुछ घंटों तक हमें कोई जानकारी नहीं मिली। फिर सुबह करीब 7.30 बजे मुझे पता चला कि तीनों की मौत हो गई हैं। मेरे चाचा ने एक आईपीएस अधिकारी से बात की और मुझे उनके घर पर रहने दिया। सुबह करीब 7 बजे मुझे शवों की पहचान करने बुलाया गया। मैंने शवों की पहचान की और सबको बताया।

युवती के निजी वीडियो गर्लफ्रेंड से शेयर करने पर एफआईआर

महानगर संवाददाता
मुंबई

बांद्रा में एक चौंकाने वाला मानहानि का मामला सामने आया है,जहां एक युवती को उसके पूर्व प्रेमी द्वारा बदनाम किए जाने का आरोप लगा है। आरोपी युवक शिवा राजेन्द्र बडोला (29) के खिलाफ बांद्रा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी उत्तर प्रदेश का निवासी है और उसकी गिरफ्तारी के लिए एक विशेष पुलिस टीम जल्द ही यूपी भेजी जाएगी।

पीड़िता,एक 27 वर्ष की महिला है और फिलहाल मीडिया कंसल्टिंग क्षेत्र में कार्यरत है,वह खार में रहती है। उसने पुलिस को दिए गए बयान में कहा कि जनवरी 2024 में गोवा की यात्रा के दौरान उसकी मुलाकात शिवा से हुई थी। दोनों की दोस्ती हुई और फिर उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया।

गोवा में हुई थी दोनों की पहचान

30 दिसंबर 2024 को शिवा मुंबई आया और पीड़िता के बांद्रा स्थित फ्लैट में ठहरा। इस दौरान दोनों के बीच सहमति से शारीरिक संबंध बने। हालांकि, आरोप है कि शिवा ने उनकी निजी पलों की तस्वीरें और वीडियो आपसी सहमति से अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिए। कुछ दिनों बाद दोनों के बीच छोटे-मोटे विवाद होने लगे। इसी दौरान युवती को पता चला कि शिवा किसी और लड़की के साथ भी प्रेम संबंध में है। जब उसने शिवा से इस बारे में पूछा, तो दोनों में झगड़ा हुआ और शिवा ने कथित रूप से उसकी पिटाई भी की। इसके बाद पीड़िता ने उससे रिश्ता तोड़ दिया और उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। नौ अप्रैल को पीड़िता की एक दोस्त ने उसे बताया कि शिवा एक डेटिंग ऐप पर उससे बातचीत कर रहा है और उसने उसे पीड़िता की आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो भेजे हैं। यह सुनकर पीड़िता को गहरा मानसिक आघात पहुंचा। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित बीएनएस और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है और उसकी तलाश कर रही है।

शेयर बाजार में अच्छा मुनाफा देने के नाम पर धोखाधड़ी

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुंबई के एक व्यवसायी महिला और उनके दोस्तों के साथ 98 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने प्रज्वल प्रमित शाह नामक शख्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाया है। आरोप है कि ग्रांट रोड स्थित "वर्ल्ड ऑफ गेम्स" में 2018 में उनकी पहचान प्रज्वल प्रमित शहा से हुई थी,जिसके बाद दोनों के बीच गहरी मित्रता हो गई। प्रज्वल शहा ने शिकायतकर्ता नॉटरिगा का विश्वास जीतने के लिए पहले 10,000 और फिर 25,000 रुपये उधार लिए और समय पर लौटाए। इसके बाद 1 लाख रुपए निवेश की जानकारी देकर, पैसे ज्यादा मुनाफा का लालच देकर 8 दिनों में 1.10 लाख रुपए लौटाए। इस भरोसे के बाद प्रज्वल ने अपने पिता के

महिला ने अपने दोस्तों का भी पैसे करवाया इन्वेस्ट

नाम से शेयर मार्केट में अधिक मुनाफा देने वाली स्कीम का प्रस्ताव दिया। नॉटरीगा ने अपने चार मित्रों कैवान पंथकी, विरल पटेल, निशान चैरासिया और केतन परमार को भी इस योजना में शामिल कर पैसे दिलवाए।

भिवंडी में बढ़ता खतरा

भिवंडी। नाबालिग बच्चों के अपहरण के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे यह शहर अपराधियों के लिए एक सुरक्षित अड्डा बनता जा रहा है। ताज़ा मामला शांतिनगर पुलिस स्टेशन की हद में सामने आया, जहां एक 14 वर्षीय नाबालिग को बहला-फुसलाकर अगवा करने की चौंकाने वाली घटना ने लोगों को दहला दिया। शिकायतकर्ता अब्दुल्ला मुजम्मिल हक अंसारी द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, उनका बेटा 22 अप्रैल को सुबह करीब 7:15 बजे अपने घर से बाहर निकला और वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद परिजनों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि अज्ञात आरोपी ने नाबालिग को बहलाकर फँसाया और अगवा कर लिया।

अडाणी इलेक्ट्रिसिटी ने बिजली का समझदारी से इस्तेमाल करने की सलाह दी

महानगर संवाददाता
मुंबई

अडाणी इलेक्ट्रिसिटी का ग्राहकों से आग्रह है कि वे झुलसाने वाली गर्मियों के दौरान बिजली की खपत का ध्यान रखकर ठंडक पाएं। ठंडक देने वाले उपकरणों के ज्यादा इस्तेमाल से बिजली के बिल बढ़ सकते हैं,क्योंकि ग्राहक ज्यादा टैरिफ वाले स्लैब्स में पहुंच जाएंगे। तेज गर्मी के दौरान बिजली की खपत बढ़ जाती है और इसका बिजली के बिलों पर बड़ा असर होता है। हम सभी उपभोक्ताओं को सलाह देते हैं कि वे न्यायसंगत तरीके से

बिजली का इस्तेमाल करें और खर्च को नियंत्रण में रखने के लिये ऊर्जा बचाने वाली आदतें अपनाएं। छोटे, लेकिन लगातार किये जाने वाले बदलाव लंबी अवधि में बड़ी बचत करवा सकते हैं और यह अधिक संवहनीय जीवनशैली में सहयोग भी देंगे।

दिन के सबसे गर्म समय में पर्दे चढ़ाकर रखें

अपने एसी को सामान्य तापमान (लगभग 24C) पर रखें और ठंडक के लिये सीलिंग फैंस का इस्तेमाल करें। किसी जगह में लोगों की तादाद के आधार पर इस्तेमाल को सही रखने के लिये ऊर्जा बचाने वाले मॉडल्स या प्रोग्रामेबल थर्मोस्टेट्स लें। प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ाएं: सुबह और शाम के वक्त अपने फायदे के लिये कूलर का इस्तेमाल करें और खिड़कियां खुली रखें, क्योंकि उनसे क्रॉस-वेंटिलेशन होगा। सीधी धूप को आने से रोकने लिए दिन के सबसे गर्म वक्त में पर्दे चढ़ाकर रखें।

भिवंडी में भरोसे का खून

शादी का झांसा देकर दो युवतियों की अस्मिता लूटी

भिवंडी। शहर में महिलाओं की अस्मिता को रौंदने वाली दो शर्मनाक घटनाओं ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में दो युवतियों को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के मामले सामने आए है। पुलिस ने दोनों मामलों में गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पहली घटना में 19 वर्षीय मुंबई निवासी युवती ने शिकायत दर्ज कराई है कि आरोपी शर्शी मारू ने उसे शादी का झांसा देकर मानकोली स्थित एक होटल में उसकी अस्मिता लूटी। युवती का आरोप है कि आरोपी पहले से शादीशुदा था,बावजूद इसके उसने झूठ बोलकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से इनकार कर दिया। नारपोली पुलिस ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत मामला दर्ज किया है। जांच का जिम्मा पुलिस उपनिरीक्षक महेश कुमार महादावाड को सौंपा गया है। दूसरी घटना भिवंडी के ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी है,जहां की 19 वर्षीय युवती को रायगढ़ निवासी महेश गणेश शेलार ने शादी का लालच देकर अपने जाल में फंसाया।

पश्चिम रेलवे दो जोड़ी ट्रेनों में अतिरिक्त जनरल सेकेंड क्लास कोच जोड़ेगी

महानगर संवाददाता
मुंबई

पश्चिम रेलवे ने सभी वर्गों के यात्रियों की यात्रा आवश्यकताओं को सुविधाजनक बनाने के लिए हमेशा ही तत्परता से कदम उठाए हैं। यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों में दो जनरल सेकेंड क्लास कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उधना से चलने वाली दो स्पेशल ट्रेनों में दो जनरल सेकेंड क्लास कोच जोड़े

जाएंगे, जो विशेष रूप से गर्मी की छुट्टियों के दौरान अपने गृहनगर जाने वालों के लिए बहुत बड़ी सौगात होगी। अतिरिक्त कोच प्रत्येक फेरे में लगभग 200 अतिरिक्त यात्रियों को ले जा सकेंगे। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है।

1.ट्रेन संख्या 09031/09032 उधना-जयनगर (साप्ताहिक) स्पेशल ट्रेन में दो अतिरिक्त जनरल सेकेंड क्लास कोच उधना से 27 अप्रैल से तथा जयनगर से 28 अप्रैल, से जोड़े जाएंगे।

2.ट्रेन संख्या 09027/09028 उधना-दानापुर (साप्ताहिक) स्पेशल ट्रेन में दो अतिरिक्त जनरल सेकेंड क्लास कोच उधना से 1 मई से तथा दानापुर से 2 मई से जोड़े जाएंगे। ट्रेनों के समय और ठहराव संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

ओएलएक्स पर फर्नीचर बिक्री के बहाने ऑनलाइन ठगी

मुंबई। बांद्रा इलाके स्थित भाभा अस्पताल की एक महिला डॉक्टर के साथ ओएलएक्स पर फर्नीचर बिक्री के बहाने ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। डॉक्टर सपना गौतम वाघमारे जो भाभा हॉस्पिटल में एनेस्थेसिस्ट के तौर पर कार्यरत हैं,उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके साथ फर्नीचर खरीदने के नाम पर ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई है। डॉ.वाघमारे पिछले 25 वर्षों से अपने परिवार समेत बांद्रा पश्चिम रहती हैं। उन्होंने हाल ही में ओएलएक्स पर अपने पुराने फर्नीचर की बिक्री के लिए एक ऐड डाला था। जिसके बाद 21 अप्रैल की सुबह 11 बजे के आसपास उन्हें 9027616468 नंबर से एक कॉल आया। फोन करने वाले ने अपना नाम संजय कुमार बताया और कहा कि वह पुणे के विमाननगर स्थित स्टार फर्नीचर से बोल रहा है। उसने खुद को संभावित खरीदार बताते हुए, पहले 5 रुपए की टेस्ट पेमेंट की, जिससे डॉ. वाघमारे को विश्वास हुआ।

इसके बाद उस व्यक्ति ने एक क्यूआर कोड भेजा,जिसे स्कैन कर 7999 नंबर डालने के लोय बोला, ठिक उसी तरह डॉ. वाघमारे ने किया और उनके एसबीआई अकाउंट से 7,999 रुपए कट गए। उसने फिर तकनीकी समस्या का हवाला देकर दूसरा क्यूआर कोड भेजा, जिसे स्कैन करने पर आईसीआईसीआई बैंक अकाउंट से 16,495 रुपए कट गए।

भावनगर-हैदराबाद स्पेशल ट्रेन का धरणगांव और अमलनेर स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव

नंदुरबार स्टेशन पर इस ट्रेन के आगमन और प्रस्थान के समय में परिवर्तन

मुंबई। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 07061/07062 हैदराबाद-भावनगर स्पेशल ट्रेन को 2 मई से हैदराबाद से तथा 4 मई से भावनगर से शुरू होने वाली यात्रा से धरणगांव और अमलनेर स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। तदनुसार, नंदुरबार स्टेशन पर इस ट्रेन के आगमन और प्रस्थान के समय में भी परिवर्तन किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण इस प्रकार है। ट्रेन संख्या 07061 हैदराबाद-

भावनगर स्पेशल का धरणगांव स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 13:40/13:42 बजे होगा। इसी तरह, ट्रेन संख्या 07062 भावनगर-हैदराबाद स्पेशल का धरणगांव स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 23:25/23:27 बजे होगा। ट्रेन संख्या 07061 हैदराबाद-भावनगर स्पेशल का अमलनेर स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 14:01/14:03 बजे होगा। इसी तरह, ट्रेन सं. 07062 भावनगर-हैदराबाद स्पेशल का अमलनेर स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 22:55/22:57 बजे होगा। ट्रेन संख्या 07061 हैदराबाद-भावनगर स्पेशल का नंदुरबार स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 15:30/15:40 बजे होगा। इसी तरह, ट्रेन संख्या 07062 भावनगर-हैदराबाद स्पेशल का नंदुरबार स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 21:10/21:15 बजे होगा। ट्रेनों के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

निजी प्ले स्कूल और नर्सरी के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

पोर्टल पर सात दिनों में करना होगा पंजीकरण

स्कूल शिक्षा व खेल विभाग का परिपत्र जारी

महानगर संवाददाता
मुंबई

महाराष्ट्र में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को फाउंडेशन स्टेज (प्ले स्कूल-नर्सरी) की शिक्षा देने वाले प्री-प्राइमरी स्कूलों को रजिस्ट्रेशन करना होगा। गुरुवार को स्कूल शिक्षा व खेल विभाग ने इस संबंध में परिपत्र जारी किया है। आगामी सात दिनों के भीतर प्री-प्राइमरी संस्थाओं को सरकार के प्री स्कूल रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर पंजीयन करना अनिवार्य है।

परिपत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार शिक्षा के 5+3+3+4 फार्मूले के अनुसार पहले पांच साल अर्थात प्री-प्राइमरी स्कूल (आयु 3 से 6 वर्ष) और कक्षा पहली से कक्षा दूसरी (आयु 6 से 8 वर्ष) शामिल हैं। इस पांच वर्षीय चरण को फांउडेशन स्टेज नाम दिया गया है। केंद्र सरकार ने नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क-फाउंडेशन स्टेज तैयार किया है। इसी आधार पर स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क-फाउंडेशन स्टेज राज्य ने तैयार किया है। राज्य के पाठ्यक्रम ड्राफ्ट में 3 से 8 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को सीखने और विकास के लिए अनुकूल वातावरण में निःशुल्क, सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण वातावरण में बाल्यावस्था की प्रारंभिक शिक्षा का उद्देश्य रखा गया है। वर्तमान की स्थिति में आयु 3 से 6 आयु समूह के बच्चों को आंगनवाड़ी,किंटरगार्डन,बालवाडी, स्कूलों से जुड़ी पूर्व प्राथमिक कक्षा और निजी पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के माध्यम से शिक्षा दी जाती है। सरकारी और स्थानीय निकाय संस्थाओं की बालवाड़ी और आंगनवाड़ियों का रजिस्ट्रेशन व जानकारी महिला व बाल विकास विभाग के पास उपलब्ध है। हालांकि निजी प्री-प्राइमरी स्कूलों की जानकारी सरकार के पास उपलब्ध नहीं है। 3 से 6 आयु समूह के बच्चों को पूर्व प्राथमिक शिक्षा देने वाले सभी निजी केंद्रों की जानकारी एकत्र रूप में राज्य स्तर, जिला स्तर सहित अभिभावकों को उपलब्ध होनी चाहिए। इसके लिए 3 से 6 आयु समूह के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने वाले प्री स्कूल, नर्सरी, जूनियर केजी, सीनियर केजी, पूर्व प्राथमिक कक्षा जैसे किसी भी नाम से शुरू निजी केंद्रों के रजिस्ट्रेशन के लिए सरकार की तरफ से प्री स्कूल रजिस्ट्रेशन पोर्टल शुरू किया गया है। इसमें 3 से 6 वर्ष तक के विद्यार्थियों को पूर्व प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने वाले निजी केंद्रों की सामान्य जानकारी, प्रबंधन संबंधी जानकारी, विद्यार्थियों की संख्या, भौतिक सुविधाएं तथा कार्यरत शिक्षकों व गैर-शिक्षण कर्मचारियों की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करानी होगी। बच्चों को प्री-प्राइमरी शिक्षा प्रदान करने वाले निजी केंद्रों के लिए अगले सात दिनों के भीतर इस पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य होगा।

अंग दान प्रक्रिया को बनाया जाएगा सुगम

- स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने दी जानकारी
- नाशिक में नया क्षेत्रीय अंग प्रत्यारोपण समन्वय केंद्र

महानगर संवाददाता
मुंबई

सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा कि अंग प्रत्यारोपण के लिए आवश्यक अस्पताल पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाते हुए विभागीय प्राधिकरण समितियों की तरफ से जीवित अंग दान की अनुमति प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में नाशिक के साथ-साथ अमरावती, कोल्हापुर और सोलापुर में नए क्षेत्रीय अंग प्रत्यारोपण समन्वय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। गुरुवार को आरोग्य भवन में अंग प्रत्यारोपण पर एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उन्होंने अंग प्रत्यारोपण केंद्र के बारे में जानकारी दी। चूंकि अंगदान में जन जागरूकता, सम्मान और सामाजिक भागीदारी शामिल है,इसलिए पूरे

राज्य में जन जागरूकता अभियान चलाकर अंगदान के बारे में जनता के बीच सकारात्मक माहौल बनाने की योजना बनाई गई है। इस अनुसार 1 मई को महाराष्ट्र दिवस पर अंगदाताओं और उनके परिवारों को जिला स्तर पर पालकमंत्री और जिला कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, अंग प्रत्यारोपण करने वाले डॉक्टरों और समन्वयकों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। आबिटकर ने यह भी बताया कि चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 'फेलोशिप इन क्रिटिकल मेडिसिन' तत्काल शुरू किया जा रहा है।

आबिटकर ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मानव अंग पुनर्प्राप्ति केंद्र बनाए जाएंगे और वहां समन्वयक नियुक्त किए जाएंगे। बैठक में भाजपा विधायक देवयानी फरांदे, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के सचिव डॉ. निपुण विनायक, स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. नितिन अंबाडेकर, चिकित्सा शिक्षा की संयुक्त निदेशक डॉ. पल्लवी सापळे, मानव अंग प्रत्यारोपण चिकित्सा अधिकारी और कानून एवं न्याय विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जम्मू-कश्मीर से वापस लौटे 500 पर्यटक

मुंबई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पिछले दो दिनों में तकरीबन 500 पर्यटक वापस महाराष्ट्र लौट आए हैं। राज्य सरकार ने पर्यटकों को वापस लाने के लिए इंडिगो और एयर इंडिया के दो विमानों की व्यवस्था की। इन दो फ्लाइट से 184 टूरिस्ट मुंबई पहुंच गए हैं। अन्य 232 यात्रियों के लिए शुक्रवार को एक अन्य विमान की व्यवस्था राज्य सरकार ने की है। आतंकी घटना के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन को तत्काल कश्मीर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने गिरीश महाजन से स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि शुक्रवार को एक अन्य विमान की व्यवस्था करनी पड़ी तो कीजिए,इसका खर्च राज्य सरकार उठाएगी। महाजन ने सेना के अस्पताल में इलाज करा रहे महाराष्ट्र के पर्यटकों से मुलाकात की। उस वक्त मुख्यमंत्री फडणवीस ने वीडियो काल के जरिए पर्यटकों से बातचीत की और उनका इलाज कर रहे डाक्टरों का आभार जताया। कश्मीर से महाराष्ट्र के पर्यटकों को वापस लाने के लिए मंत्रालय, मुख्यमंत्री कार्यालय और महाराष्ट्र सदन कक्ष में त्रिस्तरीय मशीनरी को काम पर लगाया गया है। महाराष्ट्र के कोने-कोने से आने वाली सूचनाओं पर काम किया जा रहा है। कई पर्यटकों की जम्मू के कालिका धाम में रहने की व्यवस्था की गई है। वहां अमरावती के करीब 14 पर्यटक रूके हुए हैं। कई टूरिस्टों को दिल्ली रवाना किया गया है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन को सतर्कता और खुफिया विभाग से किया जाए अलग

खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरी झिरवाल ने दिया निर्देश

महानगर संवाददाता
मुंबई

खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरी झिरवाल ने मिलावटी खाद्य पदार्थों का पता लगाने के लिए खुफिया एवं सतर्कता विभाग को अलग करने का निर्देश दिया है , उन्होंने कहा कि इस विभाग के अलग होने पर मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करने में आसानी मिलेगी और विभाग मजबूत होगी। गुरुवार को मंत्रालय में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के विभिन्न मुद्दों पर बैठक आयोजित की गई। मंत्री झिरवाल इस अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त राजेश नार्वेकर,उप सचिव अनिल अहिरे,

संयुक्त आयुक्त (विधि) दा. रा गाहाणे,संयुक्त आयुक्त (खाद्य) उल्लास इंगवले,विशेष कार्यकारी अधिकारी मुकेश भोगे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। झिरवाल ने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थों का पता लगाकर एवं उनके विरुद्ध कार्यवाही कर आम नागरिकों के जीवन को स्वस्थ रखने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसलिए विभाग का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन को और अधिक मजबूत करने के लिए सतर्कता एवं खुफिया विभाग को अलग किया जाए तथा इसके लिए जनशक्ति की नियुक्ति की जाए। नरहरी झिरवाल ने कहा कि गुप्त सूचना एवं सतर्कता विभाग में पद के अनुसार कार्य का वितरण किया जाना चाहिए। अलग विभाग बनाने से काम में तेजी आएगी और शिकायतों पर बिना देरी के कार्रवाई करना आसान हो जाएगा। साथ ही एनालॉग चीज के संबंध में केंद्र सरकार की अधिसूचना के अनुसार कार्रवाई की जाए।

नवी मुंबई एयरपोर्ट से चलेगी वाटर टैक्सी

- हवाई अड्डे को सड़क, रेल, मेट्रो, वाटर ट्रांसपोर्ट से जोड़ने का निर्देश
- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की सिडको की समीक्षा बैठक

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे को मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी से जोड़ने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इस एयरपोर्ट से वॉटर टैक्सी की सुविधा उपलब्ध कराई जानी

चाहिए, ताकि ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराने वाला देश का पहला एयरपोर्ट बन सके। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण अनुकूल और समृद्ध शहरों का निर्माण करना आवश्यक है। बहु-मॉडल परिवहन प्रणाली के साथ-साथ रोजगार सृजन और सौर ऊर्जा के अधिक उपयोग पर जोर दिया जाना चाहिए। गुरुवार को सह्याद्री अतिथि गृह में सिडको की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री फडणवीस ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सामान्य विमान सेवा का निर्माण करने की सूचना देते हुए कहा कि विश्व भर के लोग विमान से मुंबई आएंगे।

सिडको के भविष्य में प्रस्तावित कार्य

- 270 एकड़ में एरोसिटी, जिसमें वाणिज्यिक परिसर, व्यापार केंद्र और शॉपिंग मॉल शामिल हैं।
- 155 हेक्टयर में खारघर में अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेट पार्क
- 389 हेक्टेयर पर एकीकृत लॉजिस्टिक पार्क
- 102 हेक्टेयर पर एजुसिटी और 105.5 हेक्टेयर पर मेडिसिटी

सिडको उपलब्ध कराए किफायती आवास

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो स्टेशन से हवाई अड्डे तक बहु–मॉडल परिवहन प्रणाली बनाई जानी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि नागरिकों को इस संबंध में कोई असुविधा न हो। सिडको के माध्यम से चल रहे कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। सिडको को नागरिकों को किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए पहल करनी चाहिए। सीएम ने यह भी निर्देश दिया कि खारघर वैली गोल्फ कोर्स का काम पूरा किया जाना चाहिए। बैठक में नगरीय विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल,सिडको के प्रबंध निदेशक विजय सिंघल,अतिरिक्त मुख्य सचिव (योजना) राजगोपाल देवड़ा,अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) ओपी गुप्ता, सिडको के संयुक्त प्रबंध निदेशक शांतनु गोयल और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य मराठी फिल्म पुरस्कार समारोह स्थगित

मुंबई। पहलगाम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना को देखते हुए शुक्रवार 25 अप्रैल को सरकार के सांस्कृतिक कार्य विभाग की तरफ से वर्ली के डोम, एनएससीआई में आयोजित गायन सम्राजी लता मंगेशकर पुरस्कार, स्वर्गीय राज कपूर और स्वर्गीय वी. शांताराम जीवन गौरव पुरस्कार और विशेष योगदान पुरस्कार समारोह 2024 को स्थगित कर दिया गया है। सरकार के सांस्कृतिक मामलों के विभाग ने बताया है कि इस पुरस्कार समारोह की नई तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी। पिछले दिनों सांस्कृतिक कार्य विभाग ने अभिनेता और निर्देशक महेश मांजरेकर को स्वर्गीय वी. शांताराम जीवन गौरव, मुक्ता बर्वे को स्वर्गीय वी. शांताराम विशेष योगदान पुरस्कार, अनुपम खेर को स्वर्गीय राज कपूर जीवन गौरव पुरस्कार और काजोल देवगन को स्वर्गीय राज कपूर विशेष योगदान पुरस्कार देने की घोषणा की थी।

अगले साल मई के आखिरी तक खुलेगा सायन ब्रिज

महानगर संवाददाता
मुंबई

सायन रेलवे स्टेशन पर बने 112 साल पुराने ब्रिटिश कालीन पुल को तोड़ने का काम शुरू हो चुका है। मनपा अतिरिक्त आयुक्त मुंबई में प्रभादेवी ब्रिज को तोड़े जाने से होने वाली ट्रैफिक समस्या को लेकर बैठक की थी। इस बैठक में रेलवे ट्रैफिक पुलिस आदि के अधियकारी शामिल हुए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि ब्रिज का निर्माण कर 31 मई 2026 तक वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा। बता दें कि मुंबई में कई फ्लाईओवर के निर्माण कार्य चल रहे हैं। जिनमें अंधेरी का गोखले पुल,मुंबई सेंट्रल का बेलासिस पुल, दादर का तिलक पुल, मस्जिद बंदर का कर्नाक पुल और विक्रोली पुल शामिल हैं। इन पुलों के निर्माण में तेजी लाने और ट्रैफिक जाम से बचने के लिए मनपा अतिरिक्त अभिजीत बांगर ने मनपा अधिकारियों,

ट्रैफिक पुलिस और रेलवे विभाग के बीच हाल ही में एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। अभिजीत बांगर ने इन तीन प्रमुख पुलों के कार्यो की समीक्षा की । सायन पुल के निर्माण के लिए पश्चिम दिशा में बसे बिजली के तारों को 27 अप्रैल तक स्थानांतरित किया जाएगा। मनपा द्वारा पेड़ों की शाखाएं काटने की अनुमति दी जाएगी। रेलवे विभाग द्वारा बन रहा पैदल पुल जून महीने में मनपा को सौंपा जाएगा,जिसके बाद शेष पुल का तोड़ने का कार्य किया जाएगा। अंडरपास के लिए रेलवे अगस्त 2025 तक जगह उपलब्ध कराएगी लेकिन मानसून के कारण काम 1 अक्टूबर 2025 से शुरू होगा। बेलासिस पुल का निर्माण कार्य अप्रैल 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है, लेकिन मंडप इसे समय से पहले 30 नवंबर 2025 तक पूरा कर ट्रैफिक के लिए खोलने की योजना बना रही है। मस्जिद बंदर के पास स्थित कर्नाक रेलवे पुल का काम अंतिम चरण में है।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

म्हाडा MHADA

(महाराष्ट्र गृह निर्माण एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)

टेली. नं. – 022-66405432, ई-मेल : eewest.msib@mhada.gov.in

संदर्भ क्र. ईई/पश्चिम/एमएसआईबी/ई-निविदा/36/2025-26

ई-निविदा सूचना क्र. 36

कार्यकारी अभियंता (पश्चिम) डिवीजन, मुंबई झोपडपट्टी सुधार मंडल, (म्हाडा की इकाई), कमरा नं. 537, 4थी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400 051 फोन नंबर (022) 66405432 द्वारा किसी भी सरकारी /अर्ध सरकारी संगठन अथवा ठेकेदार की संबंधित समुचित श्रेणी में पीडब्ल्यूडी/म्हाडा/सीपीडब्ल्यूडी/सिडको/एमईएस/एमजेपी/एमआईडीसी/भारतीय रेलवे/बीपीटी/एमसीजीएम के साथ पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के जरिये बी1 प्रपत्र (प्रतिशत दर) में 2 कार्यों के लिये खुली निविदा/नियमित ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं. विस्तृत निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध हैं और यहां से डाउनलोड किये जा सकते हैं. बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किये जा सकते हैं. निविदा अनुसूची निम्नानुसार है.

अ. क्र.	चरण विवरण	समयावधि की तिथि	अ. क्र.	चरण विवरण	समयावधि की तिथि
1	दस्तावेज बिक्री का प्रारंभ	25.04.2025 को सुबह 10.30 बजे	2	दस्तावेज बिक्री का समापन	02.05.2025 को दोप. 2.30 बजे
3	तकनीकी बोली का खुलना	05.05.2025 को दोप. 3.05 बजे से	4	मूल्य बोली का खुलना	06.05.2025 को सुबह 10.30 बजे से

सक्षम प्राधिकारी के पास बिना कोई कारण दर्शाये किसी भी अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है. शर्तयुक्त प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जायेगा.

टिप्पणी 1. कृपया वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना का अवलोकन करें.
टिप्पणी 2. कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि है तो उसे केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा.

Follow us:@mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/339

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (प),
एमएसआईबी बोर्ड, मुंबई

म्हाडा - गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

मनपा का दावा 30 प्रतिशत हुई नाला सफाई

महानगर संवाददाता
मुंबई

मानसून पूर्व की जाने वाली नाला सफाई का काम मनपा द्वारा जोर शोर से चल रहा है। मनपा प्रशासन ने दावा किया कि नालों की सफाई 30 प्रतिशत हो चुकी है और 31 मई तक नाला सफाई पूरा कर लिया जाएगा। मनपा आयुक्त भूषण गगराणी ने गुरुवार को चल रहे नाला सफाई के कामों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नाला सफाई के कामों पर इस बार एआई से नजर

मनपा आयुक्त गगरानी ने लिया जाएजा

रखी जा रही है। मनपा आयुक्त ने ठेकेदारों को निर्देश दिया कि नालों से निकाला गया कीचड़ सड़क पर से 48 घंटों में हटाएं और और जहां आवश्यक हो वहां 'कचरा बूम' का उपयोग किया जाना चाहिए। मनपा आयुक्त जी/दक्षिण वार्ड के रेसकोर्स नाले का दौरा कर नाले सफाई के काम की समीक्षा की। आयुक्त वर्ली रेसकोर्स नाला के बाद नेहरू विज्ञान केंद्र नाला और दादर धारावी नाला का दौरा किया। आयुक्त ने कहा मानसून का पानी की निकासी के लिए नालियों पर आधारित रहना पड़ता है। हर साल नाला सफाई की जाती है, जिसका मुख्य कारण नालों को साफ करना होता है, जिससे मानसून के दौरान पानी बहकर निकल जाए और लोगों को जल जमाव की समस्या से न जूझना पड़े। छोटे-बड़े नालों से कीचड़ निकालने के लिए 235 करोड़ रुपए का ठेका दिया गया है। आयुक्त ने कहा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कीचड़ निकालने का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि शेष डेढ़ माह में कीचड़ निकालने का कार्य तेजी से पूरा कर लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे की ओर से 02 जोड़ी विशेष गाड़ियों के फेरो का विस्तार

गाड़ी क्र.	आरंभिक स्टेशन तथा गंतव्य	संचालन की तिथियां	तक विस्तारित
09001	मुंबई सेंट्रल – खातीपुरा (त्रि-साप्ताहिक)	सोम, बुध तथा शनिवार	26.05.2025
09002	खातीपुरा – मुंबई सेंट्रल (त्रि-साप्ताहिक)	मंगल, गुरु तथा रविवार	27.05.2025
09003	मुंबई सेंट्रल – दिल्ली (द्वि-साप्ताहिक)	मंगलवार तथा शुक्रवार	27.06.2025
09004	दिल्ली – मुंबई सेंट्रल (द्वि-साप्ताहिक)	बुधवार और शनिवार	28.06.2025

ठहराव, संयोजन और समय-सारिणी के बारे में विस्तृत जानकारी के लिये यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें.

सभी पीआरएस काउंटर्स पर और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर गाड़ी सं. **09001** के विस्तारित फेरों के लिये बुकिंग जारी है और गाड़ी सं. **09003** के विस्तारित फेरों के लिए बुकिंग **26.04.2025** से शुरु होगी. **उपरोक्त गाड़ियों को विशेष किराए पर विशेष गाड़ियों के तौर पर संचालित किया जाएगा.**

पश्चिम रेल्वे
wr.indianrailways.gov.in
आम्हाला लाइक करा: facebook.com/WesternRly
आम्हाला फॉलो करा: X.com/WesternRly
आम्हाला फॉलो करा: Instagram/WesternRly

सभी आरक्षित टिकटों के लिए वैध पहचान पत्र साथ रखें.

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

मुख्य अभियंता (यांत्रिक एवं विद्युत) का विभाग
क्र. ईई.मेके./278/आरईएफ, दि. 24.04.2025

ई–निविदा सूचना

विभाग	मु. अभि. (यां. एवं वि.)
उप विभाग	उप मु. अभि. (यां. एवं वि.) शहर/कार्य. अभि. यांत्रिक (रेफ्रिजरेशन)
बोली नंबर	2025_एमसीजीएम_1173499_1
विषय	1. एच/ई वार्ड के बेसमेंट में एसी सिस्टम की एसआईटीसी का कार्य. ई.ई. मेके./रेफ्रि./टी-09, दिनांक 24.04.2025
बोली आरंभिक तिथि एवं समय	25.04.2025 को सुबह 11.00 बजे
बोली समाप्ति तिथि एवं समय	01.05.2025 को सायं. 16.00 बजे
वेबसाइट	http://portal.www.mcgm.gov.in
संपर्क अधिकारी का नाम	श्री ए.के. जांभोरे
मोबाइल नं.	9930128387
ईमेल	eemechref.me@mcgm.gov.in
पत्राचार हेतु पता	कार्यालय : मु. अभि. (यां. एवं वि.), 1ली मंजिल, वर्ली, मुंबई – 18

पीआरओ/223/विज्ञा./2025–26

हस्ता./–
ई.ई.मेके. (रेफ्रिजरेशन)

सप्ताह में एक दिन सूखा दिन के तौर पर मनाये

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

बांधकाम विभाग

ई-निविदा सुचना क्र. ०६ सन २०२५-२६

खालील काम करण्यासाठी सक्षम व अनुभवी ठेकेदारांकडून ई-निविदा मागविण्यांत येत आहे.

अ. क्र.	अंदाजित खर्च/निविदा फॉर्म फी/कामाचे स्वरुप	अंदाजपत्रकिय रक्कम	निविदा विक्री व स्विकारण्याची अंतिम दिनांक
१	प्रभाग क्र.१९ दर्गाह रोड खाक बावडी बाबू चुन्निवाला जवळ नवीन शौचालय बांधणे. (आमदार स्थानिक विकास कार्यक्रम सन २०२४-२५ या योजनेअंतर्गत)	९,९९,६७४/-	दिनांक:-२५/०४/२०२५ दिनांक :- ०९/०५/२०२५
२	प्रभाग क्र.०७ कारिवली रोड येथे सलीम हाजी बिल्डींग जवळील परिसरात पेव्हर ब्लॉक बसविणे. (आमदार स्थानिक विकास कार्यक्रम सन २०२४-२५ या योजनेअंतर्गत)	४,९९,९५७/-	
३	प्रभाग क्र.१९ भंडारी कंम्पाऊंड येथील शंकर टावरे ऑफिस समोर पेव्हर ब्लॉक बसविणे. (आमदार स्थानिक विकास कार्यक्रम सन २०२४-२५ या योजनेअंतर्गत)	४,९९,३८५/-	
४	प्रभाग क्र.२० मधील ७२ गाळा दया पार्क बिल्डींग समोर मुख्य रस्त्याजवळ गटार बनविणे. (आमदार स्थानिक विकास कार्यक्रम सन २०२४-२५ या योजनेअंतर्गत)	९,९९,९७९/-	
५	प्रभाग क्र. २० भंडारी कंम्पाऊंड येथील साई हनुमान मंदिर परिसर विकसित करणे. (आमदार स्थानिक विकास कार्यक्रम सन २०२४-२५ या योजनेअंतर्गत)	४,९९,३८५/-	
६	प्रभाग क्र.२० सुरेश भोईर यांच्या घराच्या बाजूला सामाजिक सभागृह बांधणे. (आमदार स्थानिक विकास कार्यक्रम सन २०२४-२५ या योजनेअंतर्गत)	९,९९,८९२/-	
७	प्रभाग समिती क्र.४ च्या कार्यक्षेत्रातील ईदगाह स्लॉटर येथे भटक्या कुत्र्यांसाठी अतिरिक्त (४८) पिंजऱ्याचे बांधकाम करणे.	३९,१२,२८७/-	

सदर निविदा बाबतची माहिती www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दि.२५/०४/२०२५ ते दि.०९/०५/२०२५ रोजी पर्यंत उपलब्ध आहेत. ऑनलाईन निविदा संकेतस्थाळावर दि.०९/०५/२०२५ रोजी दु. ३.०० वाजे पर्यंत स्विकारण्यात येतील.

XXX
शहर अभियंता
भिवंडी नि. शहर महानगरपालिका, भिवंडी.

धर्म की आड़ में आतंकवाद

जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 की एक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। छब्बीस लोगों को निर्ममता से गोली मार दी गई और सत्रह अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने पीड़ितों को मारने से पहले उनके नाम, धार्मिक पहचान और फिर कलमा पढ़ने को कहा। रिपोर्टों ने यह भी दावा किया गया है कि हमलावर घटनास्थल से भागते समय "बिस्मिल्लाह" का नारा लगा रहे थे। यह न तो लूटपाट का मामला था और न ही अंधाधुंध हिंसा-बल्कि एक लक्षित, विचारधारा-प्रेरित आतंकवादी कृत्य था, जिसमें क्रूरता को धार्मिक प्रतीकवाद के सहारे न्यायोचित ठहराने की कोशिश की गई। क्या ऐसे कृत्य इस्लामिक आतंकवाद का प्रतिनिधित्व करते हैं? यही वह असहज, लेकिन आवश्यक प्रश्न है जिसका हमें खुले मन और गहन सोच के साथ सामना करना चाहिए। पिछले एक दशक में, कश्मीर में कई आतंकवादी उभरे हैं। यह आतंकवादी न केवल धर्म विशेष से संबंधित थे बल्कि इन्हे क्षेत्र में स्थानीय स्वधर्मियों से सहायता भी मिली। आतंकियों में से अधिकांश का संबंध हिज्बुल मुजाहिदीन, जैश-ए-मोहम्मद (JeM), लश्कर-ए-तैयबा (LeT), और द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) जैसे संगठनों से रहा है। बुरहान वानी और रियाज नाइकू (हिज्बुल मुजाहिदीन), जाकिर मूसा (अंसार गजवात-उल-हिंद), तथा अब्बास शेख और बासित अहमद दार (TRF) जैसे चरमपंथियों ने स्थानीय युवाओं की भर्ती और उग्रवादी विचारधारा के प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह लक्षित हिंसा केवल कश्मीर तक सीमित नहीं रही है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों ने भी कुछ क्षेत्रों में तनावपूर्ण रूप ले लिया। कुछ रिपोर्टों में आरोप लगाए गए हैं कि इन प्रदर्शनों के दौरान कुछ हिंदू परिवारों को पहचान कर निशाना बनाया गया और उनकी निगरानी की गई। भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित मालवीय ने इस अशांति के दौरान हिंदू समुदाय के लोगों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया। कुछ मामलों में, हिंदू महिलाओं से कथित रूप से शारीरिक शोषण और बलात्कार की भी घटनाएँ सामने आयी है-साम्प्रदायिक तनाव के दौरान महिलाएं अक्सर विशेष रूप से असुरक्षित होती हैं। यह प्रवृत्ति राष्ट्रीय स्तर पर उभरते व्यापक रुझानों के अनुरूप है। 2023 में, राष्ट्रीय महिला आयोग ने धार्मिक आधार पर लक्षित लिंग हिंसा में 30% की वृद्धि की सूचना दी, जो यह संकेत देती है कि कट्टरपंथ का प्रभाव महिलाओं और लड़कियों पर असमान रूप से पड़ रहा है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2015 से 2023 के बीच भारत में 700 से अधिक सांप्रदायिक घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें केवल 2022 में ही 378 मामले सामने आए लेकिन ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं-ये टूटे हुए घरों, अनाथ हुए बच्चों और परस्पर अविश्वास से ग्रस्त समुदायों की हकीकत बयान करते हैं। हर ऐसी घटना हमारे धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की बुनियाद को झकझोर देती है, और इस ओर इशारा करती है कि सामाजिक समरसता की पुनर्बहाली अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है। धर्म के नाम पर नाबालिगों के शोषण और प्रलोभन के व्यवस्थित मामले इस संकट को और अधिक गंभीर बनाते हैं। फ़रवरी 2025 को राजस्थान के ब्यावर कस्बे में सामने आया एक मामला इस चिंता को और गहरा करता है, जिसमें कथित रूप से पांच हिंदू नाबालिग लड़कियों को मुस्लिम युवकों द्वारा यौन शोषण और ब्लैकमेल का शिकार बनाया गया। रिपोट्र्स के अनुसार, आरोप है कि पीड़िताओं को रमजान के दौरान रोज़ा रकने , बुरका पहनने और धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया। यह घटना इस बात की चिंता बढ़ाती है कि किस प्रकार से कमजोर और संवेदनशील वर्गों को लक्षित कर उन्हें कट्टरपंथी सोच के तहत प्रभावित करने और नियंत्रित करने की कोशिश की जाती है। यह न सिर्फ कानूनी, बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी एक गंभीर चेतावनी है। भारत में लगभग 38,0000 मदरसे संचालित होते हैं, साथ ही अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया, और दारुल उलूम देवबंद जैसे इस्लामी शैक्षणिक संस्थान भी हैं जिनमें कुल मिलाकर 20 लाख से अधिक छात्र शिक्षा प्राप्त करते हैं। इनमें से अधिकांश संस्थान धार्मिक शिक्षा के साथ साथ आधुनिक शिक्षा में योगदान दे रहे हैं हालांकि, कुछ मामलों में कुछ संस्थानों की गतिविधियाँ सुरक्षा एजेंसियों की जांच के दायरे में आई हैं, विशेषकर तब जब उन पर यह आरोप लगे कि वे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उग्रवादी विचारधाराओं के संपर्क में हैं। ऐतिहासिक रूप से, कुछ मदरसों के नाम कोयंबटूर (1998), अहमदाबाद (2008), और पटना (2013) में हुए बम विस्फोटों की जांच के संदर्भ में भी सामने आए हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि कैसे धार्मिक शिक्षा से वैचारिक कट्टरता बढ़ती है। ऐसे परिणाम न केवल शिक्षा जगत के लिए, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक एकता के लिए भी गंभीर हो सकते हैं। 2021 के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 14.2% है, लेकिन विचाराधीन कैदियों में उनकी भागीदारी 19.5% और दोषी ठहराए गए कैदियों में 17.4% दर्ज की गई। वहीं, 30% से अधिक नजरबंद व्यक्ति मुस्लिम समुदाय से थे। 2023 में प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जहाँ एक ओर 79% भारतीयों ने धार्मिक सहिष्णुता को एक महत्वपूर्ण मूल्य माना, वहीं 60% लोगों ने देश में बढ़ते धार्मिक तनावों को स्वीकार किया। धार्मिक अतिवाद के विरुद्ध एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया न केवल तत्काल होनी चाहिए, बल्कि बहुआयामी भी। धार्मिक जबरदस्ती, धार्मिक हिंसा और घृणा अपराधों से जुड़े मामलों में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने हेतु फास्ट-ट्रैक अदालतों की स्थापना अनिवार्य है। कानून प्रवर्तन तंत्र को पक्षपात और तुष्टिकरण से मुक्त होकर कार्य करना चाहिए, ताकि दोषियों को उनकी धार्मिक पहचान या राजनीतिक संबद्धता से इतर केवल उनके कृत्य के आधार पर उत्तरदायी ठहराया जा सके। साथ ही, धार्मिक शिक्षा प्रणालियों—चाहे वे औपचारिक हों या अनौपचारिक—को भी पुनर्संयोजित करने की आवश्यकता है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

आतंकी हों कहीं के, सुनो नमो श्रीमान
सेना से कह दीजिए,ठोंके पाकिस्तान
ठोंके पाकिस्तान,कहो ऊपर से ओके
सही समय है यही ,आज ले लो पीओके
कह सुरेश पख़्तून,तालिबानी हैं सनकी
मदद बलूचों की कर, भस्म करो आतंकी

पहलगाम हमला : राजनीति करने का अवसर नहीं

> पहलगाम हमले को राजनीतिक चश्मे से देखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक है, खासकर तब जब भारत में हर घटना को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच वोट बैंक की राजनीति से जोड़ा जाता है। कुछ नेताओं ने इस हमले को धार्मिक आधार पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की, जबकि अन्य ने सरकार की सुरक्षा नीतियों पर सवाल उठाए। हालांकि, इस दृष्टिकोण से केवल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ हो सकता है, लेकिन यह दीर्घकालिक रणनीतिक अवसरों को नजरअंदाज करता है।

पहलगाम की बैसरन घाटी, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से जाना जाता है, एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यहाँ पर हमले की टाइमिंग कई मायनों में महत्वपूर्ण थी। सबसे पहले, यह हमला तब हुआ जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर थे। दूसरा, यह अमरनाथ यात्रा के शुरू होने से ठीक पहले हुआ, जो कश्मीर में पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख समय होता है। तीसरा, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के हालिया बयान जिसमें उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की 'जुगुलर वेन' (जीवन रेखा) बताया था, ने इस हमले को एक सुनियोजित भू-राजनीतिक कदम के रूप में देखने का आधार दिया। इस हमले का तरीका भी चिंताजनक था। आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया, उनकी धार्मिक पहचान पूछी, और हिंदू नामों वाले लोगों पर गोलियां चलाईं। यह रणनीति न केवल सांप्रदायिक तनाव को भड़काने की कोशिश थी, बल्कि कश्मीर के पर्यटन उद्योग को नुकसान पहुंचाने और भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी था। यह हमला 2000 के छत्तीसिंहपुरा नरसंहार और 2023 में हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले की याद दिलाता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय आतंकी गठजोड़ की आशंका बढ़ी है। पहलगाम हमले को राजनीतिक चश्मे से देखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक है, खासकर तब जब भारत में हर घटना को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच वोट बैंक की राजनीति से जोड़ा जाता है। कुछ नेताओं ने इस हमले को धार्मिक आधार पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की, जबकि अन्य ने सरकार की सुरक्षा नीतियों पर सवाल उठाए। हालांकि, इस दृष्टिकोण से केवल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ हो सकता है, लेकिन यह दीर्घकालिक रणनीतिक अवसरों को नजरअंदाज करता है। यह हमला भारत के लिए एक रणनीतिक अवसर है सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने का पहलगाम हमले ने भारत की सुरक्षा व्यवस्था में खामियों को उजागर किया। खुफिया जानकारी की कमी, पर्यटक स्थलों पर अपर्याप्त सुरक्षा, और आतंकियों की घुसपैठ की आसानी ने सवाल उठाए। यह भारत के लिए अपनी खुफिया एजेंसियों, जैसे रॉ और आईबी, को और सशक्त करने का अवसर है। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और अन्य आतंकवाद-रोधी इकाइयों को पर्यटक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी रूप से तैनात करने की रणनीति पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा, ड्रोन और सैटेलाइट निगरानी जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जा सकता है। इस हमले की निंदा अमेरिका, ब्रिटेन, और यहां तक कि तालिबान ने भी की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को आतंकवाद के खिलाफ पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। यह भारत के लिए एक अवसर है कि वह वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को आतंकवाद के प्रायोजक के रूप में और अधिक उजागर करे। संयुक्त राष्ट्र और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) जैसे मंचों पर भारत अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज कर सकता है। साथ ही, हमास और लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों के बीच संभावित गठजोड़ की जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाया जा सकता है। भारत ने हमले के तुरंत बाद कड़े कदम उठाए। कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) की बैठक में 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को रद्द करने और अटारी सीमा पोस्ट को बंद करने जैसे फैसले लिए गए। यह भारत की 'पानी की चोट' रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और कृषि पर दबाव डालना है। इसके अलावा, भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं रोक दीं, जो एक सांकेतिक कदम है। यह रणनीति पाकिस्तान को आर्थिक और कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पहलगाम हमला कश्मीर में हाल के वर्षों में स्थापित शांति और पर्यटन की प्रगति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास था। यह भारत के लिए एक अवसर है कि वह कश्मीर में विकास परियोजनाओं, जैसे रेलवे और सड़क नेटवर्क, को और तेज करे। साथ ही, स्थानीय युवाओं को रोजगार और शिक्षा के अवसर प्रदान करके आतंकवाद के प्रति उनकी उदासीनता को और बढ़ाया जा सकता है। कश्मीरियों के बीच भारत के प्रति विश्वास को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति की बात दोहराई। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की मौजूदगी में हुई उच्च-स्तरीय बैठकों में थल, जल, और वायु सेना के विकल्पों पर चर्चा हुई। यह भारत के लिए सर्जिकल स्ट्राइक या अन्य लक्षित कार्रवाइयों के माध्यम से आतंकी ठिकानों को नष्ट करने का अवसर है। साथ ही, सीमा पर घुसपैठ को रोकने के लिए और सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। रणनीतिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए भारत को कई चुनौतियों का सामना करना होगा। पहला, आंतरिक राजनीतिक मतभेद इस प्रक्रिया को जटिल बना सकते हैं। विपक्षी दलों द्वारा हमले को सरकार की विफलता के रूप में चित्रित करना रणनीतिक एकजुटता को कमजोर कर सकता है। दूसरा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से निरंतर समर्थन प्राप्त करना कठिन हो सकता है, खासकर तब जब पाकिस्तान अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज करेगा। तीसरा, कश्मीर में स्थानीय आबादी के बीच विश्वास बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इस तरह के हमले सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकते हैं। पहलगाम आतंकी हमला एक दुखद घटना थी, लेकिन इसे केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से देखना भारत के दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। यह हमला भारत के लिए अपनी सुरक्षा, कूटनीति, और सैन्य रणनीति को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए भारत को आर्थिक, कूटनीतिक, और सैन्य दबाव बढ़ाना होगा। साथ ही, कश्मीर में शांति और विकास को प्राथमिकता देकर आतंकवाद के मूल कारणों को संबोधित करना होगा। यह समय है कि भारत इस त्रासदी को एक रणनीतिक अवसर में बदल दे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और कश्मीर में स्थायी शांति स्थापित हो सके।

– संदीप सृजन

पंचायती राज : सशक्तिकरण पर सवाल

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि अगर देश के गांवों को खतरा पैदा हुआ तो भारत को खतरा पैदा हो जाएगा। बापू ने आत्मनिर्भर और सशक्त गांवों का सपना देखा था। गांधीजी के सपने को पूरा करने के लिए 1992 में संविधान में 73 वां संशोधन कर पंचायती राज कानून पेश किया गया। इस कानून की मदद से स्थानीय निकायों को ज्यादा से ज्यादा शक्तियां देने के साथ ही उनको आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की शक्ति और जिम्मेदारियां दी गईं। इस व्यवस्था में एक तिहाई पदों पर महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था भी की गई जिससे कि महिला सशक्तिकरण हो सके। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंचायती राज व्यवस्था को अपनाया गया था। जिससे नागरिकों में राजनैतिक जागरूकता बढ़े और और वे विकेंद्रीकृत शासन व्यवस्था में सहभागी बन सकें लेकिन आज भी कई मायनों में पंचायती राज में महिलाओं के परिजन ही "मुखोटे" के रूप में सत्ता संभाल रहे हैं ओर साल दर साल उनका सशक्तिकरण दूर की कौड़ी है। भारत में प्राचीन काल से ही पंचायती राज व्यवस्था आस्तित्व में रही हैं लेकिन आधुनिक भारत में पहली बार तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने राजस्थान के नागौर जिले के बगदरी गाँव में 2 अक्टूबर 1959 को पंचायती राज व्यवस्था लागू की थी। इसके बाद में देश की पंचायत को और अधिक अधिकार तथा पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए वर्ष 24 अप्रैल 1993 को 73 वाँ संशोधन अधिनियम लागू हुआ। इसके बाद में 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत साल 2010 से हुई थी। पहला राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस जिसे पंचायती राज दिवस भी कहा जाता है, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा 2010 में मनाया गया था। इसीलिए पंचायती राज का वार्षिक उत्सव 24 अप्रैल को ही उस दिन की याद में मनाया जाता है, जिस दिन 1992 में 73वां संविधान संशोधन पारित किया गया था। इस प्रकार पंचायती राज को सशक्त करने की संकल्पना को अमली जामा पहनाने तथा जमीनी स्तर पर लोकतंत्र का निर्माण करने के लिए 73 वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से पंचायती राज संस्था को

संवैधानिक रूप दिया गया तथा देश में ग्रामीण विकास का कार्य सौंपा गया। चूंकि सिर्फ केंद्र या राज्य सरकार ही पूरे देश को चलाने में सक्षम नहीं हो सकती है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर भी प्रशासन की व्यवस्था की आवश्यकता की गई है। इसी व्यवस्था को पंचायती राज का नाम दिया गया है। पंचायती राज में गांव के स्तर पर ग्राम सभा, ब्लॉक स्तर पर मंडल परिषद और जिला स्तर पर जिला परिषद होता है। इन संस्थानों के लिए सदस्यों का चुनाव होता है, जो जमीनी स्तर पर शासन की बागडोर संभालते हैं। पंचायती राज में गांव के स्तर पर ग्राम सभा, ब्लॉक स्तर पर मंडल परिषद और जिला स्तर पर जिला परिषद होता है। देश में पंचायती राज अधिनियम की समीक्षा करें, तो पता चलता है कि इस अधिनियम ने काफी हद तक सफलता अर्जित की है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी हैं। पंचायती राज व्यवस्था में दलित पिछड़े एवं वंचितों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है लेकिन बीते दिनों में यह देखने में आया है कि इन वर्गो को आरक्षण का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा। उदाहरण के तौर पर महिलाएं सिर्फ नाममात्र की प्रधान होती हैं। वास्तविकता में "प्रधानी" का सारा कार्य उनके पति या बेटे द्वारा संभाला जाता है।इसके साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों को भी पंचायती राज में उनके हक और हक पूरी तरह से नहीं मिल पाने के कई मामले सामने आते हैं। आज भी ऐसे जन प्रतिनिधि अनेक स्थानों पर नाममात्र के प्रधान होते हैं। उच्च जाति के लोग ही उनके नाम पर वास्तव में प्रधानी ओर पंचायत का सारा कार्य करते हैं। देश और प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं में महिला जन प्रतिनिधियों की मौजूदगी का आलम यह है कि चुनाव के दिन नामांकन भरने के बाद फिर उनकी मौजूदगी निर्वाचन संबंधी प्रमाण पत्र लेते समय पर ही होती है। फिर इसके बाद महिला जन प्रतिनिधियों के पिता, पुत्र अथवा पति ही पंचायती राज संस्थाओं में उनकी "नुमाइंदगी" करते हैं। यह अलग बात है कि साधारण सभा की बैठकों में कई बार ऐसी महिला जनप्रतिनिधि की मौजूदगी सिर्फ "कोरम" करने और फोटो सेशन तक ही रह जाती है। यह देश का दुर्भाग्य कहा जाएगा कि ऐसी महिला जन प्रतिनिधियों के कथित "प्रतिनिधि" के तौर पर इन बैठकों को लेने वाले उनके पिता पुत्र अथवा पति ना तो नियम कायदे कानून को जानना चाहते हैं और ना समझना। कई बार ऐसे जन प्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों का जिला एवं सूबे के लोक सेवकों से सीधा टकराव भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 24 अप्रैल 2015 को निर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, "सरपंच पति" की प्रथा को समाप्त करने का आह्वान किया था। ऐसा भी नहीं है कि इस अधिनियम से कोई फायदा नहीं हुआ है। समय के साथ लोग राजनैतिक रूप से जागरूक हो रहे हैं और अब तो पढ़े लिखे युवा भी पहले की तुलना में राजनीति में अधिक रुचि लेने लगे हैं। पंचायतीराज सत्ता के विकेंद्रीकरण और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पंचायती राज दिवस देश की अंतिम इकाई गांव तक शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, बुनियादी ढांचे के विकास औ स्थानीय शासन में सक्रिय नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। यह ग्रामीणों को उनकी चिंताओं, जरूरतों और आकांक्षाओं को सीधे उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों तक पहुंचाने के लिए एक मंच प्रदान करके सशक्त बनाता है। पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के एक ईमानदार कोशिश में आवश्यकता इस बात की है कि न केवल जन प्रतिनिधि बल्कि सत्ताधारी दल और कार्यपालिका से जुड़े अधिकारी इस दिशा में यह सुनिश्चित करें,कि "निर्वाचित" जन प्रतिनिधि ही पंचायती राज के संचालन में अपनी भूमिका निभाएं, ना कि उनके कथित जन प्रतिनिधि। तभी पंचायत के सशक्तिकरण की संकल्पना पूरी तरह सरकार हो सकेगी।

– प्रदीप कुमार वर्मा

क्या दुनिया को बारूद का ढ़ेर बनाना चाहते हैं?

हमारे देश का आपसी प्रेम और सद्भाव कहां गया और इस नीति के लिए चर्चित - "हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं, रंग - रूप वेश भाषा चाहे अनेक हैं।" हमारे देश के विषय में ऐसी एकता और सर्वधर्म समभाव की न जाने कितनी बातें कही जाती हैं किंतु पिछले दिन कश्मीर का पहलगांव आतंकवाद से जूझ रहा है । क्या है यह आतंकवाद? क्या हम दुनिया को बारूद का ढ़ेर बनाना चाहते हैं? कौन से धर्म अथवा संप्रदाय के व्यक्ति इसमें लिप्त हैं जो मानवता का कत्ल सरेआम करते हैं ? क्या ठोस कदम उठाए जा सकते हैं इस संदर्भ में...? इन्हीं प्रश्नों के जवाब हम सभी यहां खोजने का प्रयास करते हैं? पहलगांव जिसे "प्रेमियों का नगर" कहा जाता है, जहां का सौंदर्य अप्रतिम है, जहाँ की वादियों में प्रेम बसता है, जो प्रेम से अभिसिंचित है । विश्व पृथ्वी दिवस पर न जाने कितने ही सैलानी इस धरती का स्वर्गीय सौंदर्य कश्मीर को देखने के लिए यहां आये है। पहलगांव में कोई घुड़सवारी कर रहा है, तो कोई गहरी -गहरी पहाड़ व मनोरम वादियों का आनंद ले रहा है। उस सौंदर्य को अपनी आंखों में समेटने का प्रयास कर रहा है। न जाने कितनी ही मधुर यादें बनाने के लिए हृदय आतुर है ,किंतु प्रेम और सौंदर्य के पर्याय रहे इस पहलगांव में एक शर्मनाक घटना घटित होती है। कुछ आतंकवादी सैलानियों पर गोलियाँ बरसाना शुरू कर देते हैं। यह सब किस धर्म से जुड़े हुए हैं? हम किस धर्म की दुहाई देते हैं। विश्व का कोई भी धर्म किसी भी इंसान की हत्या की इजाजत नहीं देता है। चाहे मजहब कोई भी क्यों न रहा हो सबका सार एक ही है "जियो और जीने दो"। ऐसी घटनाएं उस संकीर्ण मानसिकता को दृष्टिगोचर करती हैं जहाँ हम संपूर्ण पृथ्वी पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहते हैं। इस पृथ्वी के मालिक और बादशाह बनना चाहते हैं। न जाने कितनी बार प्रकृति ने हमें चेताने का प्रयास किया। कोरोना महामारी इसी प्रयास का एक सशक्त उदाहरण है किंतु हमारी आंखें अभी भी बंद है। मुट्ठी भर लोग विश्व को अपने वश में रखना चाहते हैं। एक विशेष धर्म या संप्रदाय इसे जेहाद का नाम देते हैं। व्यक्तियों को आतंकित करते हैं। शायद उन्हें जिहाद का असली अर्थ भी नहीं पता। जिहादी होना अपने कर्तव्यों से जुड़ना है, जो मात्र सैनिक जुड़ते हैं और देश की सरहद की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे देते हैं। वे कभी धर्म अथवा कौम के नाम पर नहीं लड़ते। यूं सरेआम निहत्थे सैलानियों पर हमला नहीं करते। धर्म के नाम पर गुमराह होकर बेकसूर लोगों की जान नहीं लेते। प्रेम की वादियों में यह चीख-पुकारें, उजड़ते हुए सुहाग, अनाथ होते बच्चे, चीत्कार करते हुए मंजर ,रोते हुए दृश्य इस बात के गवाह हैं कि हमें मानसिक रूप से समृद्ध होने की आवश्यकता है। हम चांद पर पहुंच चुके हैं। विश्व को नाप चुके हैं। कोई भी क्षेत्र हमसे परे नहीं है। हम अपनी शक्ति सामर्थ्य से आकाश को छू चुके हैं किंतु क्या हम जमीन पर रहने के योग्य हैं..? यह प्रश्न बार-बार प्रत्येक संवेदनशील व्यक्ति के मन में उठता है।

– डॉ.नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

आज का कार्टून

साभार

सनातनी संस्कारों से विमुख हैं पाश्चात्य मूल्यों के हिमायती

कभी भारत को विश्वगुरु कहा जाता था, लेकिन आज धर्मनिरपेक्ष खलनायक जो अपने मूल लोगों की हिफाजत में लाचार है। इस वास्ते वह उन नापाक देशों के समक्ष गिड़गिड़ा रहा है जो उसके मुकाबले कहीं नहीं ठहरते हैं। कभी भारत को सोने की चिड़ियां समझा जाता था, लेकिन आज हमारे बाजार विदेशी सामानों से भरे पड़े हैं! कभी भारत सुख-शांति और साधना स्थली के रूप में जाना जाता था, लेकिन आज यह दंगाई, आतंकी, नक्सली और आपराधिक भूमि मतलब संघर्ष भूमि बनने को अभिशप्त है। जानते हैं क्यों, क्योंकि भारतीय संविधान के मूल स्रोत हमारे आक्रमणकारियों के नापाक फूट डालो और राज करो जैसे प्रतिगामी विचारों से अभिप्रेरित हैं। जब हम आक्रमणकारियों की बात करते हैं तो इन इस्लाम और ईसाई समाज से जुड़े क्रूर राजाओं और नौकरशाहों की याद तरोताजा हो जाती है जो सनातनियों के मौलिक शत्रु समझे जाते हैं यथा- मूर्तिभंजक, मंदिर ध्वंसकर्ता, जनउत्पीडक आदि। यह कड़वा सच है कि कथित धर्मनिरपेक्षता, अल्पसंख्यकवाद, अतार्किक आरक्षण आदि जैसे नापाक गुलामी कालीन विचार जो अब अप्रासंगिक हो चुके हैं, को 'आसेतु हिमालय' में इसलिए बरकरार रखा गया है, क्योंकि हमारे प्रशासन में शीर्ष पदों पर इनके हिमायती बैठे हैं! दरअसल, उपर्युक्त बातें ऐसे राजनेता, अधिकारी, न्यायविद, उद्योगपति, समाजसेवी लोगों द्वारा प्रोत्साहित हैं जो देशवासियों को भ्रमित करने को काफी है। दरअसल, ये लोग सिर्फ नाम से हिन्दू हैं जबकि कॉन्वेंट एजुकेटेड होने के कारण और 'कांग्रेसियों-समाजवादियों-वामपंथियों की फर्जी धर्मनिरपेक्षता में लगभग 6 दशक तक प्रशिक्षित होने के कारण इनके आचार-विचार में भी लगभग वही 'कुसंस्कार' जैसे मांसाहार, दुर्व्यसन आदि समाविष्ट हो चुके हैं। यह भी कड़वा सच है कि ये लोग सनातनी संस्कारों से विमुख हो चुके हैं और आधुनिक पाश्चात्य मूल्यों के हिमायती बन चुके हैं। देखा जाए तो आज हर जगह इनका बोलबाला है। चाहे विश्वविद्यालय हो या अधिवक्ता परिषद या फिर अन्य सार्वजनिक मंच, ऐसे लोग भरे पड़े हैं और आरएसएस के ध्येय पूर्ति के सबसे बड़े रोड़े बन चुके हैं। ऐसे तत्वों की लगभग 80 साल की उपलब्धि यही है कि आजाद भारत तबाह हो चुका है। हिंदुओं के हिस्से वाले हिंदुस्तान को ये लोग एक चौथाई धर्मनिरपेक्ष पाकिस्तान बना चुके हैं, जो देश में रहकर पाकिस्तान, पूर्वी पाकिस्तान यानी बंगलादेश की भाषा बोलते हैं। आलम यह है कि आज जगह-जगह जातीय और साम्प्रदायिक दंगे होते हैं, आतंकी हमले होते हैं, नक्सली हिंसा होती है, आपराधिक उत्पात होते हैं। कहीं हक की लड़ाई चल रही है तो कहीं दबंगई का बोलबाला है। देश भगवान भरोसे चल रहा है, क्योंकि इनकी धर्मनिरपेक्षता जिसे मैं अव्वल दर्जे का कुसंस्कार समझता हूं, इन पर उलजुलूल तर्क देने को प्रोत्साहित करती है। नेहरू का हिंदुत्व इंदिरा का सेक्यूलर इसलिए बन गया, क्योंकि उन्होंने फिरोज गांधी से शादी रचा ली थी। कहना न होगा कि सुनियोजित लव जिहाद, लैंड जिहाद, ड्रग जिहाद, घुसपैठ जिहाद, धर्मांतरण जिहाद, जनसंख्या जिहाद आदि के कारण भारत की डेमोग्राफी बहुत तेजी से बदल रही है। इसके लिए अरब देशों, यूरोप आदि से इन्हें बहुत मदद मिलती है। ऐसे में यदि कठोर कानून तत्काल नहीं बना तो 20 वर्ष बाद या तो कन्वर्ट होना पड़ेगा अन्यथा यश चोपड़ा, प्रेम चोपड़ा, सुनील दत्त, देवानंद, राज कपूर, राजेन्द्र कुमार, गुलजार, मनमोहन सिंह, खुशवंत सिंह, मिल्खा सिंह, इंद्र कुमार गुजराल, राम जेठमलानी और आडवाणी जी आदि की तरह आप जहां हैं, वहीं से मकान, दुकान, खेत, खलिहान, उद्योग, व्यापार आदि सब कुछ छोड़ कर भागना होगा। ये लोग तो पाकिस्तान से हिंदुस्तान आए थे, लेकिन यहां के लोग कहाँ जाएंगे, जम्मू कश्मीर, पश्चिम बंगाल और केरल आदि के हालात चीख चीख कर पूछ रहे हैं। सुलगता सवाल है कि यदि विकास करने से देश सुरक्षित होता तो विकास के मामले में फ्रांस और स्विट्जरलैंड हमसे बहुत आगे हैं, लेकिन आज असुरक्षित मुल्क बनते जा रहे हैं। अब कुछ आंकड़ों पर गौर कीजिए। 1805 में अफ़गानिस्तान के प्रधानमंत्री पंडित नंदराम टिक्कू ने बहुत विकास किया था और 10 साल बाद उन्हें खदेड़ दिया गया और आज वहां एक भी हिंदू, जैन, बौद्ध, सिख आदि नहीं बचा है। इसी प्रकार 100 वर्ष पहले विश्व की सबसे बड़ी भगवान बुद्ध की मूर्ति अफ़गानिस्तान में थी, लेकिन अब वहाँ न मूर्ति बची है और न बौद्ध!

– कमलेश पांडेय

मधुबनी की रैली में लगे 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे

महानगर नेटवर्क
मधुबनी

पहलगाम हमले के बाद आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली सार्वजनिक रैली है। बिहार के मधुबनी जिला के झंझारपुर में पीएम मोदी जैसी ही मंच पर पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों ने पहलगाम हमले को लेकर अपने गुस्से का इजहार किया और 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए। इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इस आतंकी घटना की तीखी आलोचना की और मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मधुबनी में कहा, ''हम पहलगाम हमले की निंदा करते हैं, पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है।'

लोगों ने किया आतंक के खिलाफ गुस्से का इजहार

इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पर्यटकों की मौत पर आज गहरी शोक संवेदना व्यक्त की थी। नीतीश कुमार ने मंगलवार को अपने शोक संदेश में कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पर्यटकों की मृत्यु की सूचना दुःखद। यह घटना निंदनीय है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना है। मुख्यमंत्री ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और कहा, "आतंक के विरुद्ध पूरा देश एकजुट है।"

पीएम मोदी की शक्ति पर पूरे देश को भरोसा

मधुबनी की जनसभा से केंद्री ललन सिंह ने पहलगाम की आतंकी वारदात के आरोपियों को ललकारा। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समय आने पर उन्हें माकूल जवाब देंगे। मधुबनी के मंच से भाषण करते हुए ललन सिंह ने कहा कि पूरे देश को प्रधानमंत्री जी की शक्ति पर भरोसा है। इस घटना से विचलित हुए बगैर वे आज के कार्यक्रम में शामिल हुए। इससे लगता है उनकी समय आने पर सबको कड़ा जवाब देंगे। ललन सिंह ने कहा पहलगाम की घटना आतंकियों की कायराना हरकतों का नतीजा है। लेकिन केंद्र की सरकार ने एक्शन शुरू कर दिया है।

प्रेम विवाह का अंजाम!

ससुर ने बहू की हत्या कर तालाब के किनारे दफनाया

पटना। सीतामढ़ी जिले के पुपरी थाना क्षेत्र के तेम्हुआ गांव से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है। एक नवविवाहिता की बेरहमी से हत्या कर उसके शव को सूखे तालाब के किनारे मिट्टी में दफना दिया गया। मृतका की पहचान कंचन कुमारी के रूप में हुई है, जो सुजीत कुमार की पत्नी है। कंचन ने एक साल पहले सुजीत से प्रेम विवाह किया था। मिली जानकारी के अनुसार, कंचन की हत्या के पीछे उसके ससुराल वालों का हाथ है। बताया जा रहा है कि कंचन के ससुर रामभरोस राय ने ही इस हत्या को अंजाम दिया और फिर साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को सूखे तालाब के किनारे मिट्टी के अंदर छुपाकर दफना दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुपरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय मजिस्ट्रेट की निगरानी में गड्ढा खुदवाकर महिला का शव बाहर निकाला गया।

बीच में गड़बड़ कर दिया, अब कभी उसके साथ नहीं जाएंगे

महानगर नेटवर्क
मधुबनी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फिर कहा है कि बीच में गड़बड़ी हो गई लेकिन अब कभी भी महाबंधन में या लालू, कांग्रेस की टीम के साथ नहीं जाएंगे। सीएम मधुबनी में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर आयोजित जनसभा में बोल रहे थे। समारोह के मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद थे। पीएम ने इस मौके पर 13480 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। नीतीश कुमार ने कहा कि जब बिहार में राजद और उनके सहयोगियों की सरकार थी तो जनता की भलाई के लिए उन लोगों ने कुछ नहीं किया।

नीतीश कुमार ने कहा कि पीएम मोदी आज हमारे बीच आए हैं यह बड़ी खुशी की बात है। उन्होंने

मोदी की सभा में फिर बोले नीतीश

बिहार के विकास के लिए बहुत कुछ किया है। नीतीश कुमार ने पहलगाम की आतंकी घटना की निंदा करते हुए कहा कि घटना काफी दुखद है। लेकिन प्रधानमंत्री जी इस बीच भी हमारे बीच आए। केंद्र सरकार पहले से भी बिहार के लिए काफी काम कर रही है। एक बार फिर मोदी जी हम राज्य को कुछ देने आए हैं। इससे बिहार बहुत आगे बढ़ेगा। इसी बीच नीतीश कुमार ने कहा कि बीच में गड़बड़ कर दिया हमारे पार्टी वालों ने। ललन सिंह की ओर इशारा करते हुए कहा कि आज ये बैठे हुए हैं इन्हीं से पूछिए। हमारी पार्टी के अध्यक्ष थे। इन्हीं को लगा कि वो लोग गड़बड़ है और आगे भी गड़बड़ करेगा तो उन लोगों को छोड़ दिया। अब हम लोग कभी उन के साथ नहीं जा सकते हैं क्योंकि सब बहुत गड़बड़ किया है। हमलोग 2005 में उन लोगों के खिलाफ हीं लड़े थे। आगे भी मजबूती से लड़ते रहेंगे। हम लोग अब साथ हैं और आगे भी रहेंगे।

शिव मंदिर के साधु दंपति को मारकर नदी में फेंका

पश्चिम चंपारण में डबल मर्डर से सनसनी

पश्चिम चंपारण। पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर में एक साधु दंपति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। अज्ञात अपराधियों ने साधु और साध्वी को मारकर फेंक दिया। साधु का शव नदी के बीच में, तो साध्वी का शव पास की झाड़ियों में गुरुवार सुबह मिला। दोनों पति-पत्नी थे और धनहिया रेता के शिव मंदिर के पुजारी थे। साधु दंपति मंदिर में रहकर ही सेवा-पूजा करते थे। मृतकों की पहचान साधु बुधन महतो और उनकी पत्नी साध्वी भगवती देवी के रूप में हुई है। डबल मर्डर से क्षेत्र में सनसनी मच गई है। हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही

है। मृतक साधु की पुत्रवधू सीता देवी ने बताया कि बुधवार सुबह से ही दोनों मंदिर से गायब थे। सीता के अनुसार सुबह जब वह खेत पर पहुंची थी तो देखा कि मंदिर का दरवाजा खुला हुआ है। ऐसे में उसे लगा कि दोनों कहीं गए होंगे। फिर वह खेत पर चली गई। वापस लौटी तो भी दरवाजा खुला हुआ था और दोनों का अता-पता नहीं था। ऐसे में वह मंदिर का दरवाजा बंद कर घर वापस आ गई।

ललन सिंह ने तुड़वाया था भाजपा-जदयू का गठबंधन?

महानगर नेटवर्क
मधुबनी

मधुबनी जिले के झंझारपुर में गुरुवार को आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बड़ी बात कह दी। अपने संबोधन के दौरान सीएम नीतीश ने कहा कि बीच में हमारी पार्टी ने गड़बड़ कर दी थी। उन्होंने जदयू के पूर्व अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री ललन सिंह की ओर इशारा किया। फिर कहा, "यहीं बैठे हुए हैं, इन्हीं से पूछिए। बाद में इनको लगा कि गड़बड़ है उनको (आरजेडी-कांग्रेस) को छोड़ दीजिए, हम कभी उनके साथ नहीं जा सकते हैं।" सीएम ने महागठबंधन पर आरोप

लगाते हुए कहा कि उन्होंने सब गड़बड़ किया है।

लालू एवं तेजस्वी यादव की पार्टी आरजेडी का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि ये गड़बड़ करते हैं, इसलिए पहले भी उनके खिलाफ ही लड़े थे। 2005 में बहुत बढ़िया से लड़े थे। नीतीश ने ललन सिंह की ओर इशारा करते हुए कहा कि उस समय ये हमारे

मोदी की रैली में इशारा कर नीतीश क्या बोले

साथ ही थे। खूब लड़े थे। पार्टी के अध्यक्ष भी थे। नीतीश ने पहली बार खुले मंच से भाजपा और जदयू के गठबंधन को तोड़ने के लिए किसी नेता को जिम्मेदार ठहराया है। सीएम के संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मंच पर मौजूद थे।

नीतीश ने पीएम की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बिहार के लिए बहुत कुछ किया है। हम लोग अब साथ हैं और आगे भी रहेंगे। बता दें कि नीतीश की पार्टी जदयू ने 2022 में बीजेपी से नाता तोड़ लिया और आरजेडी के साथ मिलकर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाई थी। उस समय सीएम नीतीश ही बने थे और उनके डिप्टी तेजस्वी यादव रहे।

बिहार चुनाव पर महागठबंधन की दूसरी बैठक

तेजस्वी समेत सभी ने पहलगाम हमले पर मौन रखा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महागठबंधन की दूसरी बैठक गुरुवार 24 अप्रैल को आयोजित की जा रही है। इस बैठक में शामिल होने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव पटना स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। इस बैठक में आरजेडी और कांग्रेस के अलावा तीनों वाम दलों- सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई माले और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सदस्य भी हिस्सा ले रहे हैं। बैठक की शुरुआत में सभी नेताओं ने मौन रखकर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में दो दिन पहले हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस बैठक में आगामी बिहार चुनाव में महागठबंधन के प्रचार की रणनीति के साथ ही सीट शेयरिंग के मुद्दे पर चर्चा की जा सकती है। बैठक

खत्म होने के बाद साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी जाएगी।

महागठबंधन की पहली बैठक पिछले गुरुवार को पटना स्थित आरजेडी दफ्तर में आयोजित की गई थी। उसमें सभी दलों के नेताओं ने रायशुमारी कर बिहार चुनाव को लेकर एक कोऑर्डिनेशन कमिटी गठन करने का फैसला लिया था। इस कमिटी का अध्यक्ष तेजस्वी यादव को बनाया गया। इसमें सभी दलों से दो-दो सदस्यों को रखा गया है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन के सभी तरह के फैसले यह कमिटी ही करेगी।

स्कूल की महिला सफाई कर्मी से रेप

वैशाली। वैशाली के हाजीपुर में स्थित संत पॉल एकेडमी स्कूल में एक दलित महिला सफाई कर्मी के साथ रेप का मामला सामने आया है। मामले में पीड़िता ने विकलांग शिक्षक विजय सिंह पर रेप का आरोप लगाया है। घटना 21 अप्रैल दोपहर 3 बजे की बताई जा रही है। पीड़िता ने बताया कि वह स्कूल के हॉल के वाशरूम की सफाई कर रही थी। तभी आरोपी शिक्षक ने उसे वाशरूम में खींच लिया और रेप की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी है। बताया कि घटना के अगले दिन भी आरोपी ने उसे फिर से मारने की धमकी दी।

डॉक्टर ने गलत नस काटी,महिला की गई जान

मरीज की मौत के बाद फरार

महानगर नेटवर्क
औरंगाबाद

औरंगाबाद में एक प्राइवेट क्लिनिक में डॉक्टर की लापरवाही से एक महिला मरीज की मौत हो गई। मृतका के परिजन का आरोप है कि डॉक्टर ने लापरवाही बरतते हुए महिला मरीज की पेशाब की नस काट दी थी, जिससे पूरे शरीर में सूजन आ गई थी। मरीज की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने शव को क्लिनिक के पास रखकर उपहारा-गोह पथ को जाम कर दिया। करीब एक घंटे तक सड़क जाम रहा। थानाध्यक्ष मोहम्मद इरशाद ने मौके

पर पहुंचकर लोगों को समझाया। इसके बाद जाम हटाया गया। महिला का जहां ऑपरेशन किया गया था, वो क्लिनिक गोह प्रखंड अंतर्गत तुलसी बिगहा में स्थित है। मृतका की पहचान दरधा गांव के रहने वाले शंकर गुप्ता की पत्नी 34 साल की रोमी देवी के रूप में हुई है। मृतका के पिता ने बताया कि रोमी देवी को डिलीवरी के लिए तुलसी बिगहा के एक निजी अस्पताल में शुक्रवार को एडमिट कराया गया था। डॉक्टर ने नॉर्मल डिलीवरी की जगह ऑपरेशन की बात कही थी। परिजन ऑपरेशन नहीं कराना चाहते थे, लेकिन डॉक्टर ने दबाव बनाकर ऑपरेशन शुरू कर दिया। आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर ने पेशाब की नस काट दी। महिला की हालत बिगड़ने पर उसे गया रेफर किया गया। गया के डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति देखते हुए पटना रेफर कर दिया। पटना के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही डॉक्टर क्लिनिक का बोर्ड हटाकर ताला बंद कर फरार हो गया। परिजन शव लेकर गोह पहुंचे और क्लिनिक के पास रखकर सड़क जाम कर दिया।

बारात लगी-वरमाला हुई,रसगुल्ला खाकर दुल्हन प्रेमी संग फरार

मुंगेर। मुंगेर में वरमाला के बाद एक दुल्हन अपनी ही शादी से फरार हो गई। वो अपने प्रेमी के साथ भाग गई। परिवार को दुल्हन के भागने का पता तब चला जब शादी के लिए उसे मंडप में लाना था। मामला असरगंज थाना क्षेत्र के सती स्थान गांव का है।

सती स्थान गांव की रहनेवाली नंदनी उर्फ नेहा कुमारी की शादी संग्रामपुर प्रखंड के बैजनाथपुर गांव निवासी कपिलदेव मंडल के बेटे अमरजीत कुमार से तय हुई थी। लड़की की मां निशा देवी ने बताया, 'बारात का स्वागत हुआ, वरमाला हुई। सब कुछ बिल्कुल सामान्य था। मंडप में उसका इंतजार हो रहा था। मैं बुलाने गई तो कहा- 2 दिन से भूखी हूं, कुछ खाओ नहीं।' दुल्हन के अचानक फरार

होने से शादी समारोह का माहौल पूरी तरह बदल गया। देर रात तक गांव में हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा,लेकिन नेहा और उसके प्रेमी दोनों का कोई पता नहीं चला। इस घटना से दूल्हा और लड़के वालों में आक्रोश दिखा। नाराज दूल्हे ने अपना सेहरा फेंक दिया। लड़की को काफी खोजा गया, जब वो नहीं मिली तो हारकर आखिरकार दूल्हा अमरजीत मंडल और उसका परिवार बिना दुल्हन के ही बारात वापस लेकर लौट गए।

विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे चिराग, खुद किया खुलासा

महानगर नेटवर्क
पटना

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। इस बात का खुलासा खुद उन्होंने किया है, बता दें कि चिराग प्रधानमंत्री मोदी के मधुबनी में आयोजित जनसभा में शामिल होने के लिए बिहार आए हैं. इससे कुछ दिनों पहले भी उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि वह बिहार की राजनीति में आना चाहते हैं क्योंकि उनका मन अब दिल्ली में नहीं लगता है. हालांकि इस दौरान

उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि इस बार का चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लीडरशीप में ही लड़ा जाएगा और वहीं मुख्यमंत्री बनेंगे। इस दौरान चिराग ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर कहा कि अब वक्त आ गया है कि आतंकवाद और उसके पालने वालों को खत्म किया जाए।

आरक्षित सीटों पर नजर

चिराग पासवान हाजीपुर (एससी) संसदीय क्षेत्र से मौजूदा लोकसभा सांसद हैं। बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से अनुसूचित जाति समुदाय के लिए 38 आरक्षित सीटें और अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए दो आरक्षित सीटें हैं। पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और प्रवक्ता अशरफ अंसारी ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं की ओर से बड़ी मांग है कि चिराग को विधानसभा चुनाव लड़ना चाहिए. पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की ओर से ऐसे प्रस्ताव और सुझाव आ रहे हैं।

व्यापार

लगातार 7 दिन की तेजी के बाद गिरा शेयर बाजार

मुंबई। लगातार 7 दिन तेजी के बाद आज यानी गुरुवार, 24 अप्रैल को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 315 अंक गिरकर 79,801 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 82 अंक की गिरावट रही, ये 24,247 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में 4% से ज्यादा की गिरावट रही। इसके अलावा, जोमैटो, एयरटेल और ICICI बैंक के शेयर 1% गिरकर बंद हुए। वहीं, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा के शेयर में 3.3% की गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 में गिरावट रही। NSE के निफ्टी रियल्टी और FMCG इंडेक्स में सबसे ज्यादा 1.41% तक की गिरावट रही। इसके अलावा, ऑटो, IT और बैंकिंग में भी मामूली गिरावट रही।

लग्जरी वॉच-शूज से लेकर पेंटिंग्स खरीदने पर अब नया टैक्स

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

अब 10 लाख रुपए से ज्यादा की वॉच, पेंटिंग्स, सनग्लास, शूज, होम थिएटर सिस्टम्स और हेलिकॉप्टर जैसे लग्जरी आइटम्स की खरीद पर सरकार ने 1% टैक्स कलेक्शन ऐट सोर्स (TCS) लागू किया है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज यानी CBDT ने बुधवार (23 अप्रैल) को एक नोटिफिकेशन जारी कर इसका ऐलान किया है।

CBDT ने कहा है कि सरकार ने लग्जरी खर्चों पर नजर रखने और 10 लाख रुपए से ज्यादा के

लेन-देन को इनकम टैक्स रिटर्न में दर्ज कराने के लिए हाई-वैल्यू शॉपिंग पर टैक्स का दायरा बढ़ा दिया है। इस टैक्स को वसूलने की जिम्मेदारी सेलर यानी विक्रेता की होगी। लग्जरी आइटम्स पर 1% TCS 22 अप्रैल से लागू कर दिया गया है। अब से 10 लाख रुपए से ज्यादा की खरीदारी पर सेलर को 1% TCS वसूलना होगा। केंद्र सरकार ने TCS के तहत लग्जरी वस्तुओं की एक डिटेल्ड लिस्ट जारी की है। जिसका मकसद टैक्स बेस को बढ़ाना और हाई-एंड खर्चों पर नजर रखना है।

एसबीआई म्यूचुअल फंड लाया एसबीआई इनकम प्लस ऑर्बिट्रेज एक्टिव एफओएफ

महानगर नेटवर्क
मुंबई

देश के सबसे बड़े फंड हाउस एसबीआई म्यूचुअल फंड ने एसबीआई इनकम प्लस ऑर्बिट्रेज एक्टिव एफओएफ प्रस्तुत किया है,जो एक ओपन एंडेड फंड ऑफ फंड है जो सक्रिय प्रबंधन वाले डेट आधारित स्कीम और सक्रिय प्रबंधन वाले ऑर्बिट्रेज म्यूचुअल फंड की यूनिट में निवेश करेगा। यह न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 23 अप्रैल से 30 अप्रैल तक खुला रहेगा। इस निवेश के पीछे स्कीम का प्रमुख उद्देश्य सक्रिय प्रबंधन वाले डेट आधारित स्कीम और सक्रिय प्रबंधन वाले ऑर्बिट्रेज म्यूचुअल फंड की यूनिट में मिश्रित रूप से निवेश करके नियमित आय और निवेश की पूंजी को बढ़ाना है। हालांकि फंड ने इसकी कोई गारंटी या

आश्वासन नहीं दिया है कि निवेश के लक्ष्य को हासिल कर ही लिया जाएगा। एसबीआई इनकम प्लस ऑर्बिट्रेज एक्टिव फंड ऑफ फंड के लिए अर्धेंदु भट्टाचार्य फंड मैनेजर होंगे। वे 2019 से एसबीआई फंड हाउस से जुड़े हैं। अभी वे एसबीआई रिटायरमेंट बेनीफिट फंड-अग्रेसिव फंड एसबीआई रिटायरमेंट बेनीफिट फंड-अग्रेसिव हाइब्रिड प्लान समेत कई फंड्स के डेट वाले हिस्से का प्रबंधन कर रहे हैं।

पीएनबी मेटलाइफ ने लांच किया GROW प्लान

मुंबई। भारत की अग्रणी लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में से एक पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी (पीएनबी मेटलाइफ) ने पीएनबी मेटलाइफ GROW प्लान लॉन्च किया है। यह नॉन-लिंक्ड, पार्टिसिपेटिंग, इंडिविजुअल लाइफ इंश्योरेंस सेविंग्स प्लान है, जो ग्राहकों के लिए सुविधाजनक विकल्प पेश करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें समय के साथ बढ़ती आमदनी, जीवन पड़ाव आधारित भुगतान या फिर परिपक्वता यानि मैच्योरिटी पर एकमुश्त भुगतान जैसे विकल्प मिलेंगे। कई पारंपरिक प्लान्स में लाइफ कवर परिपक्वता के साथ समाप्त हो जाता है, लेकिन GROW प्लान में ग्राहकों को जीवन भर कवर मिलता रहेगा, जिससे उन्हें परिपक्वता लाभ काफी पहले मिलने की सुविधा होगी। इस प्लान में अपनी सुविधानुसार प्रीमियम भुगतान अवधि, परिपक्वता आयु और भुगतान अंतराल के विकल्प मिलेंगे, जिससे यह विभिन्न वित्तीय लक्ष्यों एवं जीवन चरण की ज़रूरतों के हिसाब से खरीदा जा सकता है।

दाईफुकु इंट्रालॉजिस्टिक्स इंडिया ने अत्याधुनिक निर्माण और नवाचार सुविधा का किया उद्घाटन

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

जापान की दाइफुकु कंपनी की सहायक कंपनी, इंट्रालॉजिस्टिक्स और मैटेरियल हैंडलिंग ऑटोमेशन में विश्व में अग्रणी दाइफुकु इंट्रालॉजिस्टिक्स इंडिया ने हैदराबाद, तेलंगाना में 2.27 बिलियन की लागत से अपनी नई आधुनिक निर्माण सुविधा का उद्घाटन किया। हैदराबाद में स्थित यह सुविधा नवाचार और लॉजिस्टिक्स का केंद्र है और भारत के कामकाजी लोगों को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दाइफुकु इंट्रालॉजिस्टिक्स

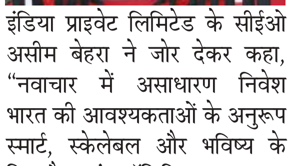

इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ असीम बेहरा ने जोर देकर कहा, "नवाचार में असाधारण निवेश भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्मार्ट, स्केलेबल और भविष्य के लिए तैयार इंट्रालॉजिस्टिक्स समाधान देने की हमारी क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। यह सुविधा शुरू में इंजीनियरिंग,स्वचालन और उत्पादन में 100 से अधिक कुशल नौकरियों का सृजन करेगी।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, दाईफुकु कंपनी लिमिटेड के सीईओ हिरोशी गेशिरो ने कहा, "भारत हमारे सबसे रणनीतिक वैश्विक बाजारों में से एक है, और यह सुविधा इसकी जीवंत विकास कहानी और क्षमता में हमारे गहरे आत्मविश्वास को रेखांकित करती है। यह मेक इन इंडिया पहल के साथ सहजता से जुड़ता है, जो भारत के लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के भीतर ऑटोमेशन, इनोवेशन और लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एसआरए के घरों को 'वर्टिकल स्लम' कहने का वक्त गया

कांदिवली में बना मॉडल प्रोजेक्ट

मुंबई। कांदिवली (पश्चिम) के लिंक रोड से सटे झुग्गी इलाके में स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (SRA) योजना के अंतर्गत विकसित एक पुनर्विकास प्रोजेक्ट ने 'वर्टिकल स्लम' जैसी छवि को चुनौती दी है। आमतौर पर SRA इमारतों को सिर्फ पुनर्वास का जरिया माना जाता है, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव होता है। लेकिन इस प्रोजेक्ट में तैयार की गई इमारतें सुविधाओं और डिज़ाइन के लिहाज़ से किसी

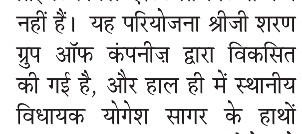

प्राइवेट रियल एस्टेट प्रोजेक्ट से कम नहीं हैं। यह परियोजना श्रीजी शरण ग्रुप ऑफ कंपनीज़ द्वारा विकसित की गई है, और हाल ही में स्थानीय विधायक योगेश सागर के हाथों इसका उद्घाटन हुआ। उन्होंने इसे मुंबई में एसआरए मॉडल के लिए "आदर्श उदाहरण" करार दिया। इस पुनर्विकास परियोजना में तीन 30 मंजिला इमारतें तैयार की जा रही हैं, जिसमें कुल 680 फ्लैट होंगे।

अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का चौथी तिमाही में मुनाफा 79% बढ़ा

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड की चौथी तिमाही में कुल कमाई यानी टोटल इनकम 6,596 करोड़ रुपए रही। ये पिछले साल की तुलना में 36% ज्यादा है। कंपनी की इस कमाई में ऑपरेशन से रेवेन्यू 6,375 करोड़ रुपए रहा। वहीं जनवरी से मार्च तिमाही में कंपनी का टोटल खर्च 5,412 करोड़ रुपए और टोटल टैक्स 287 करोड़ रुपए रहा। टोटल इनकम में से खर्च, टैक्स और अन्य खर्चे घटा दें, तो कंपनी को चौथी तिमाही में 647 करोड़ रुपए का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ।

छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एक एमओयु पर किए हस्ताक्षर

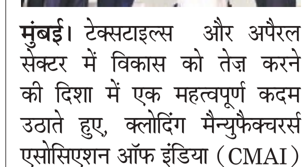

मुंबई। टेक्सटाइल्स और अपैरल सेक्टर में विकास को तेज़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CMAI) ने छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के साथ मुंबई में चल रहे एफएबी शो 2025 के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में एक रणनीतिक साझेदारी को औपचारिक रूप देने हेतु एमओयु पर हस्ताक्षर किए।

यह एमओयु राज्य और राष्ट्रीय अपैरल इंडस्ट्री ऑर्गेनाइजेशन के बीच सहयोग का एक नया अध्याय है, जो राज्य की निवेश को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन करने और भारत में टेक्सटाइल्स और अपैरल निर्माण के लिए एक प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने की सोच को दर्शाता है। इस साझेदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा, " सीएमएआई और छत्तीसगढ़ मिलकर काम करेंगे, जिससे हमारे राज्य में वस्त्र एवं परिधान उद्योग का कारोबार बहुत आगे बढ़ेगा।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं डांगट मीडिया प्रा.लि., 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबर: 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

प्रदेश में बनेगा पहला इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, मिली मंजूरी

हैवेल्स इंडिया लिमिटेड 800 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

महानगर संवाददाता
नोएडा

उत्तर प्रदेश की औद्योगिक तरक्की को नई उड़ान मिलने जा रही है। ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में राज्य का पहला इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी) बनने जा रहा है। केंद्र सरकार ने इस क्लस्टर के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के तहत देश की जानी-मानी कंपनी हैवेल्स इंडिया लिमिटेड करीब 800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार ने बताया कि राज्य सरकार उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी के तहत केंद्र को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है. इस क्लस्टर का निर्माण यीडा सेक्टर-10 में किया जाएगा। क्लस्टर का काम 1 जुलाई 2025 से शुरू किया जाएगा और इसे तीन वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है। 539 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस क्लस्टर के लिए केंद्र सरकार 144.48 करोड़ और यीडा 393.90 करोड़ रुपये खर्च करेगा।

यह क्लस्टर सिर्फ उद्योग ही नहीं, बल्कि लोगों को रोज़गार और प्रशिक्षण भी देगा। यहां मोबाइल फोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बनाए जाएंगे। इसके अलावा ऑटोमोटिव, टेलीकॉम, मेडिकल और हार्डवेयर सेक्टर की तकनीक भी यहां विकसित की जाएगी। यहां कारखानों के अलावा मीटिंग हॉल, छात्रावास, कौशल प्रशिक्षण केंद्र और बिजनेस सेंटर भी बनाए जाएंगे ताकि यहां काम करने वालों को रहने और काम सीखने की पूरी सुविधा मिल सके। क्लस्टर में 176 तैयार फैक्ट्री यूनिट भी बनाई जाएंगी, जिससे उद्योग तुरंत शुरू किया जा सकेगा। साथ ही कन्वेंशन सेंटर का भी निर्माण होगा।

नौकरी और निवेश दोनों का केंद्र बनेगा यूपी

ईएमसी योजना केंद्र सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसका मकसद भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को बढ़ावा देना है। केंद्र सरकार "मेक इन इंडिया" के तहत देश को इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। यूपी में यह क्लस्टर बनने से राज्य के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इस प्रोजेक्ट से न सिर्फ स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, बल्कि देश-विदेश के निवेशकों का ध्यान भी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ेगा। ग्रेटर नोएडा पहले से ही देश का एक बड़ा औद्योगिक हब है, और अब यह इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का भी प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

सीएम योगी ने कानपुर में शुभम को दी श्रद्धांजलि

महानगर संवाददाता
लखनऊ

आतंकवाद को नेस्तनाबूद करेंगे

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में कानपुर के शुभम द्विवेदी की भी मौत हुई। उनका पार्थिव शरीर कानपुर लाया गया। गुरुवार को राजकीय सम्मान के साथ शुभम का अंतिम संस्कार किया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ शुभम को श्रद्धांजलि देने के लिए कानपुर पहुंचे और शुभम के परिवार से मिले। कानपुर में शोक के कारण गुरुवार को सभी बाजार बंद किए गए हैं। वहीं, पहलगाम हमले के विरोध में हिंदू समाज मेरठ की सड़कों पर उतरा है। मेरठ के आबूलेन बाजार की दुकानों को बंद कराया और बेगमपुल पर मानव श्रृंखला बनाकर जाम किया। पुलिस लोगों को समझाने में जुटी, आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी हुई। आतंकवाद का पुतला फूंका गया। योगी आदित्यनाथ ने पहलगाम में आतंकी हमले मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की। इस बाद मीडिया से कहा कि कानपुर का एक परिवार आतंकी हमले का शिकार हो गया। बोले-हिन्दुओं पर हमला स्वीकार नहीं, आतंकवाद को नेस्तनाबूद करेंगे। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी की हत्या का पुरजोर विरोध व्यापारियों ने किया है।

बीएचयू पीएचडी विवाद छह अधिकारी जिम्मेदार

महानगर संवाददाता
वाराणसी

बीएचयू में पीएचडी मामलों को लेकर चल रहे बवाल और धरने के छह दिन की रिपोर्ट भारत सरकार को भेज दी गई है। बीएचयू के तीन मुख्य स्थलों को धरना स्पॉट बना दिया गया, इसके पीछे प्रशासनिक विफलता वजह रही। खुफिया विभाग की जांच में इंटरनल फैक्ट फाइंडिंग एसेसमेंट के तहत बीएचयू के छह शीर्ष अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है।

आरोप है कि धरना रोकने से लेकर चयन और एकेडमिक प्रक्रियाओं में कई खामियां की हैं, जिसके चलते ऐसी स्थिति बनी। समय से धरना रोका या खत्म नहीं किया गया। जबकि ऐसा किया जा सकता था। टीम ने सरकार से इस स्थिति से जल्द से जल्द निपटने का सुझाव भी दिया है। इस रिपोर्ट की एक कॉपी पीएमओ और दूसरी कॉपी शिक्षा मंत्रालय को भेजी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अर्चिता का प्रवेश गलत नहीं है। वह योग्य है। इससे पहले काशी शिवम सोनकर को पीएचडी में प्रवेश नहीं दिए जाने के मामले ने तूल पकड़ा था। सामान्य श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले शिवम विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद सोनकर कुलपति आवास के बाहर धरने पर बैठ गए थे।

पहलगाम हमले ने फिर कुरेदे कश्मीरी समाज के जख्म

लखनऊ। पहलगाम में हुई आतंकी घटना ने एक बार फिर से पूरे देश को दहला दिया है। लखनऊ में रहने वाले कश्मीरी समाज के पुराने जख्म हरे हो गए हैं। निर्दोष पर्यटकों की हत्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कश्मीरी समाज के लोगों ने कहा कि बार-बार आश्वासन के बावजूद भी कश्मीर में हालात ठीक नहीं हो पा रहे हैं। आखिर ऐसे हालात में हम कैसे अपने घरों की ओर वापसी कर सकते हैं। 1989-90 में तकरीबन 150 परिवार कश्मीर में आतंकवादियों की दहशत के चलते लखनऊ आकर बस गए थे। जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35ए के हटने के बाद उम्मीद जगी थी लेकिन इसे देखकर डर लगता है।

पहलगाम हमला : अखिलेश यादव बोले

सुरक्षा के मामले में केंद्र सरकार के साथ

महानगर संवाददाता
लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुखद है। इस मुद्दे पर हम सरकार के साथ हैं। केंद्र की सरकार को आतंकियों की इस हरकत पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। भाजपा इस हमले से पल्ला नहीं झाड़ सकती है। अगर पहले सबक लिया गया होता इस तरह की घटना रोकी जा सकती थी।

उन्होंने कहा कि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता है उनका मकसद केवल दहशत फैलाना होता है। पूरे देश में गुस्सा है। सपा सर्वदलीय बैठक में शामिल होगी और अपना पक्ष रखेगी। सपा की तरफ से बैठक में पार्टी महासचिव रामगोपाल यादव शामिल होंगे। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रेपोगैंडा पर खर्च होने वाला पैसा देश की सुरक्षा पर खर्च करे। किसी भी दल को ऐसी घटनाओं का राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि अग्निवीर योजना को लेकर मैं फिर से दोहरा रहा हूं कि देश के युवा इसके पक्ष में नहीं हैं। पक्की नौकरी दी जानी चाहिए। इसमें बजट का ध्यान रखा जाना चाहिए। सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ जो पांच फैसले लिए हैं। हम उसका समर्थन करते हैं। सरकार को इससे भी ज्यादा कठोर फैसले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दुखद समय में भी भाजपा के लोग एनीमेटेड पोस्टर बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। एयरलाइंस से जुड़े हुए लोग भी इस घटना का लाभ ले रहे हैं और टिकट महंगे कर दिए गए हैं।

भीषण गर्मी के चलते स्कूलों का बदला समय

महानगर संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। जिलाधिकारी विशाख जी ने गुरुवार को एक आदेश जारी करते हुए कक्षा 1 से 8 तक के सभी बोर्डों के सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी विद्यालयों के संचालन समय में परिवर्तन किया है। यह आदेश 25 अप्रैल 2025 से लागू होगा और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। जारी आदेश के अनुसार अब स्कूल सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित किए जाएंगे। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल परिसर से बाहर या खुले मैदान में कोई भी अधिकारियों को भी भेजी गई आदेश की प्रतिलिपि गतिविधि आयोजित न की जाए।

आदेश की प्रतिलिपि जिला सूचना अधिकारी, उप निदेशक सूचना और जिला विद्यालय निरीक्षक को भी भेजी गई है ताकि इसे प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जा सके। बढ़ते तापमान के बीच यह फैसला बच्चों की सेहत की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की संवेदनशीलता को भी दर्शाता है।

विद्यार्थियों के हित में उठाया गया है यह कदम

गौरतलब है कि लखनऊ समेत पूरे उत्तर भारत में अप्रैल महीने से ही तेज गर्मी का असर देखा जा रहा है। तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी के चलते बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। प्रशासन का कहना है कि यह कदम विद्यार्थियों के हित में उठाया गया है जिससे वे अत्यधिक गर्मी के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रह सकें। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया है कि इस आदेश की प्रमाणिकता की पुष्टि जनपद की आधिकारिक वेबसाइट www.lucknow.nic.in से की जा सकती है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इस आदेश को जनपद की वेबसाइट, समाचार पत्रों और मीडिया के माध्यम से प्रचारित करें ताकि सभी अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन को इसकी जानकारी हो सके।

वापस पाकिस्तान जाएगी सीमा हैदर!

महानगर संवाददाता
लखनऊ

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 पर्यटकों की निर्मम हत्या के बाद लोगों का आक्रोश थमने का नाम नहीं दे रहा है। लोग सड़कों पर उतरकर धरना प्रदर्शन करने के साथ-साथ कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग घटना पर गुस्सा जाहिर कर सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद भारत सरकार ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ एक बड़ा फैसला लेते हुए सार्क वीजा छूट योजना के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को दी जा रही सुविधा समाप्त कर दी है। इस निर्णय के अनुसार अब पाकिस्तानी नागरिक इस छूट के अंतर्गत भारत की यात्रा नहीं कर सकेंगे।

सीमा हैदर ने 18 मार्च को बेटी को जन्म दिया था। जिसका नाम मीरा रखा गया है। रबूपुरा निवासी सचिन मीणा के साथ सीमा हैदर ने हिंदू रीति रिवाज के साथ शादी की थी। मीरा, सीमा हैदर की पांचवीं जबकि सीमा सचिन मीणा से यह पहली संतान है। कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद सीमा हैदर की नागरिकता पर सवाल उठ रहे हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि भारत सरकार के आदेश के बाद सीमा हैदर को 24 घंटों में देश छोड़कर पाकिस्तान जाना होगा तो कुछ लोगों का यह भी कहना है कि इस मामले से सीमा हैदर का कोई संबंध नहीं है वह भारत में ही रहेगी। इस मामले में पुलिस का कहना है कि जो पाकिस्तान नागरिक वैध तरीके से भारत आए हैं उन्हें पाकिस्तान जाने को कह दिया गया है।

कैसे भारत आई थी सीमा हैदर?

वहीं, जो पाकिस्तानी नागरिक पहले से इस सुविधा के तहत भारत में मौजूद हैं। उन्हें 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। इस फैसले के बाद सीमा हैदर एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई है। पाकिस्तान की सीमा 2023 में नेपाल के रास्ते भारत आई थी। सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें पाकिस्तान भेजने की मांग की है। इस संबंध में मीडिया कर्मियों ने उनसे वार्ता करने की भी कोशिश की, लेकिन सीमा हैदर ने इस विषय पर कुछ ही बोलने से इनकार कर दिया।

अशरफ की पत्नी जैनब ने कुर्की के खिलाफ हाईकोर्ट में लगाई गुहार

महानगर संवाददाता
प्रयागराज

उमेश पाल व उनके दो गनर की हत्या के मामले में फरार चल रही माफिया खालिद अजीम उर्फ अशरफ की पत्नी जैनब उर्फ रूबी ने फिर हाईकोर्ट में गुहार लगाई है। उसने खुद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने और कुर्की की कार्रवाई को त्रुटिपूर्ण बताते हुए कोर्ट में चुनौती दी है। जैनब 25 हजार की इनामी है और उसकी तलाश में पुलिस कई जनपदों की खाक छान चुकी है।

उसने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 528 के तहत उपरोक्त कार्रवाई को रद्द करने की मांग करते हुए अर्जी दाखिल की है। 15 अप्रैल को यह अर्जी दाखिल की गई है जिसमें अभी सुनवाई की तिथि तय नहीं है। 24 फरवरी 2023 को हुए इस हत्याकांड में जैनब का नाम विवेचना के दौरान प्रकाश में आया था। मुकदमे में आरोपी बनाए जाने की भनक लगते ही वह फरार हो गई और फिर उसका कुछ पता नहीं चला।

युवक की बेरहमी से पिटाई करने वाले मुंगराबादशाहपुर थानाध्यक्ष पर कार्रवाई

वीडियो वायरल होने के बाद एसपी ने लिया एक्शन

महानगर संवाददाता
जौनपुर

जिले के मुंगराबादशाहपुर थानाध्यक्ष पर पर बर्बरता पूर्वक युवक की पिटाई का आरोप लगा है। युवक की बेरहमी से पिटाई का वीडियो भी वायरल हुआ है। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र को लाइन हाजिर कर दिया और दिलिप कुमार सिंह को मुंगराबादशाहपुर थानाध्यक्ष के रूप में तैनाती दे दी है। इस बाबत मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के हेमापुर तरहठी निवासी तौफीक पुत्र फारूक अहमद का परिवार में ही किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। दूसरे पक्ष के मुजाहिद ने शनिवार को थाने आकर तौफीक के खिलाफ मारपीट व गाली गलौज का मुकदमा दर्ज कराया।

तौफीक का आरोप है कि पुलिस उन्हें घर से पकड़ लाई और थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र ने खंभे में पकड़वा कर बेल्ट से आधे घंटे तक पीटा। जिससे वह बेहोश हो गया। होश आने पर पुनः पीटा गया। थानाध्यक्ष यहीं तक नहीं रूके उन्होंने लकड़ी व प्लास्टिक की कुर्सी से भी जमकर मारा।

दबंगों ने मारपीट कर लहूलुहान कर थूक चटवाया, वीडियो वायरल

महानगर संवाददाता
आजमगढ़

जिले के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के सुमेरपुर के मन्नान को दबंग ने मारपीट कर लहूलुहान कर थूक चटवाया, घटना का वीडियो वायरल होने के बाद दबंग गोवर्धन यादव ने कहा कि मन्नान के पुत्र ने उससे पैसा लिया है। जबकि मन्नान इससे इंकार कर रहा है कि उसके पुत्र ने गोवर्धन यादव से पैसा नहीं लिए हैं। इसके साथ ही गोवर्धन यादव ने विद्यालय के वाहन चालक को भी लाठी डंडे से मार घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने इसके खिलाफ बुधवार को मारपीट की धारा सहित एससी-एसटी का मुकदमा भी दर्ज किया है। पुलिस ने पीड़ितों को आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया है। बेलसर निवासी विजय प्रताप ने जीयनपुर पुलिस को बताया कि वह सुमेरपुर मसोना में स्थित एक निजी विद्यालय का वाहन चलाता है। मंगलवार को मैं विद्यालय के बच्चों को उनके घर छोड़कर वापस लौट रहा था. इस बीच सुखपुर मसोना निवासी गोवर्धन यादव मेरी गाड़ी को रोककर मां बहन की गाली देने लगा।

नूडल्स बनाने वाली फैक्ट्री मालिक के खिलाफ केस दर्ज

फैक्टरी में हुआ था सिलेंडर विस्फोट

महानगर संवाददाता
गोरखपुर

जिले के गीडा सेक्टर 13 में नूडल्स बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट मामले में गीडा थाने में केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। मुख्य अग्नि शमन अधिकारी संतोष कुमार ने कूड़ाघाट निवासी हिमांशु मणि त्रिपाठी के विरुद्ध केस दर्ज कराया है। नूडल्स सुखाने के लिए घरेलू सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा था।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी संतोष कुमार राय ने बताया कि गीडा सेक्टर 13 गीडा में टोटल फूड प्रोडक्ट फैक्ट्री में नूडल उत्पादन के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर का लापरवाही पूर्वक इस्तेमाल किया गया। जिससे उद्यहन के कारण गैस विस्फोट होने से फैक्ट्री में कार्य कर रहे मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। गम्भीर रुप से झुलसे मजदूरों का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है। बुधवार को गीडा सेक्टर-13 में शाम करीब पांच बजे फास्ट फूड फैक्टरी का बॉयलर फट जाने से इसमें काम कर रहे बिहार के सात मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे। तेज विस्फोट की आवाज से पूरा इलाका दहल गया और चीख पुकार मच गई थी। आसपास के लोगों ने घायलों को सीएचसी पिपरौली पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने सभी को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, गीडा सेक्टर-13 में प्लॉट नंबर डी-20 में हिमांशु मणि त्रिपाठी की टोटल फास्ट फूड प्रोडक्ट लिमिटेड नाम से फैक्टरी है। यहां गत्ता, पत्तल के साथ ही जूनियर नाम से नूडल्स बनाया जाता है।

व्यापारियों ने दुकानें बंदकर जताया विरोध

पाकिस्तान मुर्दाबाद के लगाए नारे

महानगर संवाददाता
कानपुर

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शुभम द्विवेदी की मौत हो गई थी। घटना को लेकर कानपुर में गम और आक्रोश का माहौल है। गुरुवार को शुभम का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। वहीं, शुभम को श्रद्धांजलि देने के लिए शहर के व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखी हैं।

बता दें कि पहलगाम में आतंकियों की कायराना हरकत से पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है। जगह-जगह पर इस घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी क्रम में कानपुर में भी व्यापारी सड़क पर उतर गए हैं। व्यापारियों ने दुकानें बंद कर अपना विरोध दर्ज कराया है। गोविंद नगर में व्यापारियों ने दुकानें बंद कर विरोध जताया है। इस दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाए। साथ ही, कठोर कार्रवाई करने की मांग भी की गई। वहीं, शिवाला बाजार पूरी तरह बंद रहा। मुस्लिम क्षेत्रों में बंदी का मिला जुला असर है। बेकनगंज में रहमानी मार्केट पूरी तरह बंद है। किदवई नगर में 40 दुकान बाजार खुली हुई है। गोविंद नगर के व्यापारियों ने दुकान बंद रखी हैं और चौराहे पर दो मिनट का मौन रखा।

आतंकी घटनाओं का मकसद आतंक को फैलाना है : प्रमोद तिवारी

महानगर संवाददाता
लखनऊ

आतंकी घटना से हर किसी में आक्रोश

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति हर कोई संवेदना जता रहा है। इनमें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद भी शामिल है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पहलगाम हमले पर कहा कि आतंकवाद का धर्म होता है। इस पर अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी का बयान सामने आया है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयान का पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, 'आतंकवादी घटनाएं इसलिए की जाती है ताकि उन्माद और दहशत फैलाया जा सके। आतंकी घटनाओं का मकसद आतंक को फैलाना भी होता है। दुनिया का कोई धर्म आतंकवाद की इजाजत नहीं देता है. इसका मतलब यह है कि किसी आतंकवादी का कोई धर्म नहीं होता है।'

शंकराचार्य के बयान का मतलब बताना मेरी क्षमता नहीं : तिवारी

उन्होंने आगे कहा कि, 'जो आतंकवादी होता है, वह गुनहगार है। उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए कि कोई आतंकी फिर से सिर उठाने की हिम्मत ना करे। जहां तक ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयान की बात है, वह विद्वान हैं। वह अपने बयान का अर्थ खुद बताएंगे। मेरी यह क्षमता नहीं है कि, मैं शंकराचार्य के बयान का मतलब बता सकूं।' शंकराचार्य ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कहा था कि, 'जो भी नेता ये बोल रहे हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है, वो पहलगाम की घटना देख ले। आतंकवाद का धर्म होता है।' कश्मीर में हुए इस हमले में 26 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद से ही हर किसी में आक्रोश है। आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की जा रहा है। केंद्र सरकार ने हादसे को गंभीरता से लेते हुए पाकिस्तान से सिंधु जल समझौते को रोक दिया है।

अयोध्या राम मंदिर गर्भगृह के पर्दे से शंख और चक्र गायब

महानगर संवाददाता
अयोध्या

राम मंदिर में विराजमान रामलला के गर्भगृह के सामने लगा पर्दा बदल दिया गया है। अब मैरून रंग की जगह बादामी रंग का कढ़ाईदार पर्दा लगाया गया है। पूरे दिन समय समय पर भोग के समय रामभक्तों को दिखाई देगा। इसके पहले तक मैरून रंग के मखमली पर्दे पर रामानुजीय उपासना परम्परा के प्रमुख चिह्न शंख व चक्र को सुनहरे तारों से अंकित किया गया था। नए पर्दे पर अब कोई चिह्न नहीं है।

अयोध्या में ब्रह्मचारियों के मस्तक पर धारण करने वाले त्रिपुंड व उर्ध्व पुंड तिलक पर इन दिनों एक बहस छिड़ी है। अयोध्या में संचालित वेद विद्यालय के बटुक ब्रह्मचारियों के मस्तक पर त्रिपुंड व उर्ध्व पुंड तिलक धारण कराया गया। लक्ष्मण किला में बटुक ब्रह्मचारियों के यज्ञोपवीत संस्कार के कार्यक्रम से इसे लेकर चर्चा तेज हो गई। अलग-अलग मंचों पर यह विषय सार्वजनिक बहस का मुद्दा बन गया। बड़ा भक्तमाल के पीठाधीश्वर महंत अवधेश दास का कहना है कि उपासना परम्परा में वेशभूषा और तिलक-चंदन का भेद है।

पहलगाम हमला: अटारी-वाघा बॉर्डर पर खामोशी

महानगर नेटवर्क

अमृतसर

पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना शुरू कर दिया है। इसका असर गुरुवार शाम अटारी-वाघा बॉर्डर पर रोज होने वाली परंपरागत झंडा उतारने की रस्म पर भी साफ देखा गया। आमतौर पर बीएसएफ और पाक रेंजर्स के जवानों के बीच जोश से भरा प्रदर्शन और रस्मी हाथ मिलाना होता है, लेकिन इस बार न तो दरवाजे खुले, न ही कोई हाथ मिलाया गया।

सरकार ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि अटारी-वाघा बॉर्डर को आम नागरिकों के लिए बंद किया जा रहा है, और उसी का असर सीमा पर दिखाई दिया। यह बॉर्डर अब तक दोनों मुल्कों के बीच सीमित संवाद और मेलजोल का एक रास्ता था, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद माहौल पूरी तरह से बदल चुका है।

इस हमले में जो क्रॉस बॉर्डर टेरर लिंक सामने आए हैं, उसने भारत को

पाकिस्तान के प्रति और ज्यादा सख्त बना दिया है। विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग में साफ तौर पर बताया गया कि हमले के तार सरहद पार से जुड़े हैं, जिसके बाद भारत सरकार ने सिंधु जल समझौते पर रोक, पाक नागरिकों की नो एंट्री, पाक उच्चायुक्त को वापसी का आदेश और अब अटारी बॉर्डर को बंद करने जैसे कड़े कदम उठाए हैं। ऐसे में अब अटारी-वाघा की सरहद पर वो जोश, वो परंपरा और वो मेलजोल की तस्वीरें भी अतीत बनती जा रही हैं। देश की सुरक्षा और आत्मसम्मान अब प्राथमिकता है, और इसके लिए भारत किसी भी स्तर तक जाने को तैयार दिख रहा है।

पाक समर्थित था हमला

गौरतलब है कि पहलगाम हमले में जो क्रॉस बॉर्डर टेरर लिंक सामने आए हैं, उसने भारत को पाकिस्तान के प्रति और ज्यादा सख्त बना दिया है। विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग में साफ तौर पर बताया गया कि हमले के तार सरहद पार से जुड़े हैं।

28 पाकिस्तानी नागरिक लौटे

भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ 5 सख्त कदम उठाए हैं, जिसमें अटारी बॉर्डर को बंद करने और पाकिस्तानियों को 48 घंटों के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। प्रोटोकॉल ऑफिसर अरुण माहल ने कहा कि गुरुवार को 105 भारतीय पाकिस्तान से भारत लौटे। वहीं 28 पाकिस्तानी नागरिक वापस पाकिस्तान गए हैं।

बॉर्डर से वापस स्वदेश लौटने लगे लोग

अटारी वाघा बॉर्डर बंद होने के बाद पाकिस्तानी नागरिक वापस अपने देश वापस लौटने लगे। गुरुवार की सुबह कई पाकिस्तानी परिवार अटारी-वाघा बॉर्डर मार्ग के माध्यम से पड़ोसी देश लौटने के लिए अमृतसर में आईसीपी पर पहुंचे। कराची के एक परिवार ने कहा कि वे अपने रिश्तेदारों से मिलने दिल्ली गए थे। परिवार के एक सदस्य शेख फजल अहमद ने कहा कि हम 15 अप्रैल को भारत आए थे और आज हम घर लौट रहे हैं, हालांकि हमारे पास 45 दिनों का वीजा था। पहलगाम हमले को लेकर अहमद ने कहा कि

जिसने भी यह किया है वह पूरी तरह से गलत है। हम दोनों देशों के बीच आपसी भाईचारा और दोस्ती चाहते हैं। नफरत के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

पहलगाम हमले पर बोले शशि थरूर

इस्लामी आतंकियों को तबाह करें

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर कहा कि अभी आपस में आरोप-प्रत्यारोप का समय नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर इस्लामी आतंकवादियों और उनके पाकिस्तानी आकाओं को खत्म करना होगा। थरूर ने कहा कि इस काम में सरकार जो भी कदम उठाएगी, हमें उसका समर्थन करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीर को भारत में पूरी तरह से मिलाने और वहां सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की हमारी कोशिश कमजोर नहीं पड़नी चाहिए।

मंगलवार दोपहर को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम कस्बे के पास एक मैदान में आतंकवादियों ने हमला कर दिया था। इस हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। कई लोग घायल भी हुए हैं। थरूर ने कहा कि इस हफ्ते जो भयानक घटना हुई है, उसकी

जिम्मेदारी उन लोगों पर है, जिन्होंने इस हमले की योजना बनाई और इसे अंजाम दिया। उन लोगों पर कम जिम्मेदारी है जो इसे रोकने में नाकाम रहे।

थरूर ने यह बात X पर एक पोस्ट में कही। वे लक्षद्वीप से कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की बैठक के लिए समय पर नहीं लौट पाए थे। उन्होंने कहा कि CWC ने जो 'मजबूत और रचनात्मक' बयान जारी किया है, वे उसका समर्थन करते हैं। थरूर ने चार और बातें कहीं जो आपस में जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले का मकसद साफ है - शांति को रोकना, 'सामान्य स्थिति' को पटरी से उतारना, पर्यटन को बर्बाद करना, कश्मीर की अर्थव्यवस्था को तबाह करना ताकि वहां असंतोष बढ़े, कश्मीरियों के प्रति बाकी भारतीयों का अविश्वास बढ़ाना और भारत में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ाना।

'आतंकियों का मकसद सफल न होने दें'

थरूर ने कहा कि इन सब चीजों से सिर्फ एक ही समूह को फायदा होता है , पाकिस्तान में बैठे बुरे लोग। उन्होंने कहा कि इसका दोष उन बुरे लोगों पर है जिन्होंने हाल ही में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच अच्छे संबंध होने की संभावना को लेकर एक कट्टरपंथी विचार व्यक्त किया था। हमें उन्हें जीतने नहीं देना चाहिए। थरूर ने एक लेख का एक पैराग्राफ साझा करते हुए कहा, 'हमें इस घटना के लिए आम कश्मीरियों को दोषी नहीं ठहराना चाहिए, क्योंकि यह उनके हितों के खिलाफ है। अगर हम ऐसे समय में कश्मीरियों से किनारा कर लेते हैं तो आतंकवादियों का मकसद सफल हो जाएगा।'

बांग्लादेश ने शहबाज सरकार से कहा- 'माफी मांगे पाकिस्तान'

महानगर नेटवर्क

ढाका

बांग्लादेश और पाकिस्तान के रिश्तों में 15 साल बाद हलचल दिखी है। हाल ही में हुई विदेश सचिव स्तर की बैठक में पाकिस्तान ने रिश्ते सुधारने की कोशिश की, लेकिन बांग्लादेश ने इसे सीधे इतिहास से जोड़ते हुए कड़ा रुख अपनाया। बातचीत के दौरान बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 के मुक्ति संग्राम में हुए अत्याचारों के लिए औपचारिक माफी मांगने की मांग की है। साथ ही 4.5 अरब डॉलर के बकाया मुआवजे को भी सामने रखा।

1971 के ऑपरेशन सर्चलाइट को बांग्लादेश एक नरसंहार मानता है। यह अभियान 25

मार्च 1971 को शुरू हुआ था, जिसमें पाकिस्तानी सेना ने पूर्वी पाकिस्तान में स्वतंत्रता की मांग कर रहे बंगालियों के खिलाफ क्रूर सैन्य कार्रवाई की थी। इस ऑपरेशन में 30 लाख लोगों की हत्या और 10 लाख से अधिक महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं हुई थीं। इन घटनाओं ने बांग्लादेश की राष्ट्रीय चेतना को आज तक प्रभावित किया है और यही कारण है कि इस मुद्दे पर बांग्लादेश किसी भी तरह का समझौता नहीं करना चाहता।

पाकिस्तान का रिश्ता सुधारने पर जोर

पाक की हालिया कोशिशों के पीछे उद्देश्य था नई बांग्लादेशी सरकार के साथ नए संबंधों की शुरुआत करना, लेकिन बांग्लादेश ने साफ कह दिया कि जब तक पाकिस्तान माफी नहीं मांगता और मुआवजा नहीं देता, तब तक संबंधों में वास्तविक प्रगति संभव नहीं है। बांग्लादेश ने यह भी याद दिलाया कि पाकिस्तान ने 1974 में उसे भले ही औपचारिक रूप से मान्यता दी, लेकिन 1971 के नरसंहार के लिए कभी क्षमा नहीं मांगी।

नितीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास को अंतरिम जमानत

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नितीश कटारा हत्याकांड में दोषी विकास यादव को बीमार मां को देखने के लिए आठ मई तक सशर्त अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा है कि जमानत के दौरान विकास यादव अपने गाजियाबाद स्थित घर में रहेंगे और नीलम कटारा, अजय कटारा व अन्य गवाहों से मिलने की कोशिश नहीं करेगा।

विकास यादव को नितीश कटारा की हत्या के जुर्म में 25 वर्ष के कारावास की सजा मिली है, जिसमें से वह करीब 23 वर्ष की सजा भुगत चुका है। विकास यादव ने मां की बीमारी के आधार पर कोर्ट से अंतरिम जमानत मांगी थी। गुरुवार को न्यायमूर्ति अभय एस ओका की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने बीमार मां से मिलने के लिए विकास यादव को आठ मई तक अंतरिम जमानत दे दी। कोर्ट ने आदेश में कहा है कि विकास यादव को एक लाख के निजी मुचलके और इतनी ही राशि का एक जमानती पेश करने पर जमानत पर रिहा कर दिया जाएगा।

जमानत के दौरान वह अपने गाजियाबाद स्थित घर में रहेगा और वहां से उसे गाजियाबाद के नेहरूनगर स्थित यशोदा अस्पताल में मां को देखने जाने की इजाजत होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले की मुख्य शिकायतकर्ता नीतीश कटारा की मां नीलम कटारा की सुरक्षा के भी आदेश दिये हैं। विकास के अलावा उसके चचेरे भाई विशाल यादव और सुखदेव पहलवान को भी सजा हुई थी।

सिंधु का जल 24 करोड़ पाकिस्तानियों की लाइफलाइन

भारत ने पानी रोका तो ये 'Act of War' होगा

महानगर नेटवर्क

लाहौर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले 26 निर्दोष भारतीयों की निर्मम हत्या के बाद भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए कई बड़े फैसलों का ऐलान किया। बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) की बैठक हुई। इस बैठक के बाद सिंधु नदी जल समझौता रोके जाने समेत पांच अहम फैसले लिए गए। भारत के इन कड़े फैसलों के ऐलान के बाद पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को नेशनल सिक्योरिटी कमेटी (NSC) की बैठक बुलाई। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में तीनों सेनाध्यक्ष भी शामिल हुए।

एनएससी मीटिंग के बाद पाक ने लिए जवाबी फैसले

पाकिस्तान ने NSC मीटिंग के बाद कई जवाबी फैसले लिए। भारत की ओर से वाघा बॉर्डर बंद किए जाने के ऐलान के जवाब में पाकिस्तान ने भी वाघा बॉर्डर बंद करने की घोषणा कर दी। भारत ने पाकिस्तान को देश छोड़ने का एडवाइजरी जारी किया तो पाकिस्तान ने भी अपने देश में मौजूद सभी भारतीयों को 30 अप्रैल तक देश छोड़ने का आदेश जारी किया। पाकिस्तान की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की बैठक में कई फैसले लिए गए। पाकिस्तान ने कहा कि भारत ने पानी रोका तो उसे युद्ध माना जाएगा। भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं

तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की घोषणा की। इसके जवाब में पाकिस्तान ने SAARC वीजा योजना के तहत भारतीयों को जारी सभी वीजा रद्द करने का फैसला किया। सभी भारतीय जो पाकिस्तान में हैं उन्हें 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है।

पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले को खारिज किया और कहा कि यह 24 करोड़ पाकिस्तानियों के लिए जीवन रेखा है। घबराए पाकिस्तान ने भारत पर अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। पाकिस्तान ने कहा कि पहलगाम हमले में उसका कोई हाथ नहीं है। पाक PMO की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भारत का फैसला राजनीतिक तनाव को बढ़ाएगा और क्षेत्र में शांति स्थापित करने में बाधा डालेगा। पाकिस्तान ने कहा कि सिंधु जल संधि विश्व बैंक की ओर से मध्यस्थता की गई अंतरराष्ट्रीय संधि है और इसमें एकतरफा निलंबन का कोई प्रावधान नहीं है। सिंधु जल संधि निलंबन होने पर पाकिस्तान ने कहा कि यह उसके 240 मिलियन लोगों की जीवन रेखा है और इसकी उपलब्धता को हर कीमत पर सुरक्षित रखा जाएगा।

डर गया पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी

महानगर नेटवर्क

लाहौर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद भारत की ओर से कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। सिंधु जल समझौते को रोक दिया गया है, अटारी बॉर्डर से बिजनेस बंद किया जा चुका है, दूतावास बंद किए जा रहे हैं और वीजा कैंसिल कर पाकिस्तानियों को 48 घंटे के अंदर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। वहीं बिहार के मधुबनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकियों और उनके रहनुमाओं को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आतंकियों की बची खुची जमीन को

भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। इसका असर अब साफ दिखने लगा है।

आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड और लश्कर का डिप्टी चीफ अब कैमरे के सामने आकर गिड़गिड़ा रहा है और कह रहा है कि यह हमला उसने नहीं कराया है। वह खुद को बेकसूर बता रहा है। सैफुल्लाह कसूरी ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमने उसने नहीं कराए। उन हमलों के पीछे उसका हाथ नहीं है।

कुछ दिन पहले धमकी दे रहा था सैफुल्लाह

सोशल मीडिया पर देखा गया कि किस तरह से आतंकियों को यह आका खुद को बेकसूर बता रहा है। सैफुल्लाह, लश्कर चीफ हाफिज सईद का बेहद करीबी है। बड़े-बड़े आतंकी हमलों के पीछे उसका हाथ रहा है। लेकिन भारत की सख्ती से अब उसके बयान बदलने लगे हैं। गौरतलब हो कि कुछ दिन पहले सैफुल्लाह का धमकी देते हुए का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

रितेश देशमुख की फिल्म की शूटिंग कर रहे डांसर की मौत

सतारा। अभिनेता और निर्देशक रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी की शूटिंग के दौरान एक 26 साल के डांसर सौरभ शर्मा की कृष्णा नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। यह घटना मंगलवार शाम को सतारा जिले के संगम महुली गांव में हुई। यह गांव कृष्णा और वेण्णा नदियों के संगम पर बसा है और मुंबई से करीब 250 किलोमीटर दूर है।

राजा शिवाजी फिल्म के एक गाने की शूटिंग चल रही थी, जिसमें रंगों का इस्तेमाल हुआ था। गाना पूरा होने के बाद सौरभ शर्मा अपने हाथ

धोने के लिए कृष्णा नदी के किनारे गए। फिल्म की शूटिंग के दौरान हाथ धोने के बाद वे नहाने के लिए नदी में गहरे पानी में चले गए, लेकिन तेज बहाव के कारण वे पानी में बह गए। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन को सूचना दी गई। इसके बाद आपदा राहत और बचाव टीम ने मौके पर पहुंचकर खोज शुरू की।

सीएम योगी ने दी बेटियों को सौगात

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ पाने के लिए निर्धारित 2 लाख रुपए वार्षिक आय सीमा को बढ़ाकर 3 लाख रुपए करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह योजना वंचित वर्ग के लिए बड़ा संबल बनी है। ज्यादा से ज्यादा परिवार योजना से लाभान्वित हों इसके लिए पात्रता के लिए निर्धारित अधिकतम वार्षिक आय सीमा को बढ़ाना जरूरी है। वे बृहस्पतिवार को समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नए वित्तीय वर्ष से सामूहिक विवाह योजना के तहत पात्र नवविवाहित जोड़ों को 51 हजार रुपये के स्थान पर एक लाख रुपये करने का निर्णय लिया है।

पाकिस्तान के पूर्व सैनिक आदिल रजा का दावा

जनरल आसिम मुनीर ने करवाया पहलगाम हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व सैनिक आदिल रजा ने कहा है कि पहलगाम हमला पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने करवाया है। आदिल रजा ने कहा है कि पहलगाम में आतंकी हमले का आदेश पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने दिया था। बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पहले ही पाकिस्तान सवालों के घेरे में है। पहलगाम आतंकी हमले में कुल 26 लोगों की मौत हो गई थी। आतंकवादियों ने पहलगाम में छुट्टी मनाने गए पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर गोली मारी थी।

आतंकियों का महिमामंडन और शहीदों का अपमान करती है सपा : भूपेंद्र चौधरी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि आतंकियों का महिमामंडन और शहीदों का अपमान सपा की फितरत है। इस घटना से पूरा देश शोकाकुल और मर्माहत है, लेकिन सपा सुप्रीमो शहीदों पर भी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने जब भी ऐसी घटनाएं की हैं, मोदी सरकार ने आतंकियों और उनके आकाओं को मिट्टी में मिलाया है। एयर स्ट्राइक हो या सर्जिकल स्ट्राइक,

पाकिस्तान को हमेशा करारा जवाब दिया है। पहलगाम के दोषियों को भी उनके कृत्यों की सजा जरूर मिलेगी। हर किसी को पता है कि सपा सरकार के समय आतंकियों के मुकदमे तक वापस लिए जाते थे। तब न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा था। इन्होंने आजमगढ़ को आतंकगढ़ बना दिया, लेकिन हमारी सरकार आतंकियों को घर में घुसकर मारती है। पूरा देश जानता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारी सेना ने पुलवामा का बदला लिया। सपा शहीदों व राष्ट्र नायकों का निरंतर अपमान कर रही है। हाल में इनके महाराष्ट्र के एक विधायक और यूपी से सांसद ने हमारे राष्ट्र नायकों का अपमान किया। अखिलेश यादव ने कार्रवाई करने की जगह दोनों का साथ दिया। यह दर्शाता है कि अखिलेश सिर्फ द्वेष की राजनीति कर रहे हैं। उन्हें समाज की एकता, अखंडता से कोई मतलब नहीं है। अखिलेश को शहीदों की नहीं, बल्कि अपनी छवि की चिंता है।

ED ने कांग्रेस नेता महेश जोशी को किया गिरफ्तार

जयपुर। जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार मामले में पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी को ED ने गिरफ्तार किया है। लंबी पूछताछ के बाद महेश जोशी को गिरफ्तार किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय के जयपुर कार्यालय में गुरुवार को महेश जोशी से पूछताछ हुई। जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार मामले को लेकर करीब 5 घंटे पूछताछ हुई। पूछताछ के बाद ED ने जोशी को गिरफ्तार करने का निर्णय लिया। किरोड़ी मीणा ने JJM में व्याप्त भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। JJM में 20 हजार करोड़ के भ्रष्टाचार का किरोड़ी मीणा ने दावा किया।

लेंगपुई एयरपोर्ट की सुरक्षा कमान अब सीआईएसएफ के हवाले

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में विमानन सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने अब आधिकारिक रूप से मिजोरम के एकमात्र राष्ट्रीय हवाई अड्डे, लेंगपुई की सुरक्षा का दायित्व संभाल लिया है। 'पहाड़ों की भूमि' के रूप में विख्यात मिजोरम का लेंगपुई हवाई अड्डा, सीआईएसएफ की सुरक्षा में आने वाला भारत का 69वां हवाई अड्डा बन गया है। शुरुआती चरण में, एक उप कमांडेंट पद के अधिकारी के नेतृत्व में 121 सीआईएसएफ

कर्मी तैनात किए गए हैं। इन पदों में बढ़ोतरी कर कार्मिकों की संख्या को 214 तक पहुंचाया जाएगा। यह तैनाती मिजोरम पुलिस और सीआरपीएफ की तरफ से वर्ष 1999 से स्थापित संयुक्त सुरक्षा व्यवस्था का स्थान लेगी। सीआईएसएफ के मुताबिक, लेंगपुई हवाई अड्डा, सीआईएसएफ की पहली इकाई है, जो पूर्वोत्तर भारत में बल की उपस्थिति को सुदृढ़ करती है। भारत सरकार की नागरिक विमानन सुरक्षा को सुदृढ़ करने की राष्ट्रीय नीति के तहत, लेंगपुई हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ की तैनाती एक रणनीतिक निर्णय है। 'पहाड़ों की भूमि' के रूप में मिजोरम के इस हवाई अड्डे पर हाल के वर्षों में यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या के कारण 'विशेष सुरक्षा बल' की आवश्यकता महसूस कर रहा था। सीआईएसएफ के जवान, अपनी सुरक्षा जिम्मेदारियों के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर यात्रियों के लिए सहज, प्रभावी और यात्री-सुगम सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

मुझे पहले से थी पहलगाम हमले की जानकारी, गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के शकरपुर इलाके में गुरुवार देर रात एक ड्राइवर ने दिल्ली पुलिस को कॉल कर दावा किया कि उसे कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जानकारी पहले से थी। कॉल मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) समेत कई एजेंसियों ने उस व्यक्ति से घंटों पूछताछ की, लेकिन जांच के बाद पता चला कि उसका दावा पूरी तरह बेबुनियाद था। वो शराब के नशे में था और नशे में ही उसने कॉल किया था। शख्स के नशे में होने की पुष्टि होने के बाद यह साफ हुआ कि उसने बिना किसी ठोस जानकारी के यह कॉल की थी। इस झूठी सूचना के चलते पूरी रात पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहना पड़ा। अब दिल्ली पुलिस इस ड्राइवर के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दिल्ली समेत देश के तमाम संवेदनशली इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साथ ही जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

पहलगाम आतंकी हमले पर ओवैसी की मुसलमानों से अपील

महानगर नेटवर्क

हैदराबाद

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने मुसलमानों से बड़ी अपील की है। उन्होंने कहा है कि जैसा कि आप सब जानते हैं कि पहलगाम में लश्कर के आतंकी ने 27 से ज्यादा हमारे हमवतनों की जानें ली हैं, कई लोग जख्मी हैं। अपनी जान बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। इस दहशतगर्दाना और वैश्याना जुर्म के खिलाफ मेरी आप तमाम से गुजारिश है कि कल आप सभी काली पट्टी बांधकर जुमे की नमाज अदा करें ताकि हम दहशतगर्दों को पैगाम दे सकें कि हम उनके इस वैश्याना हरकत की निंदा करते हैं।

ओवैसी ने आगे कहा कि हम कभी

काली पट्टी बांधकर जुमे की नमाज अदा करें

भी उन दहशतगर्दों को इस्लाम का सहारा लेकर मासूम लोगों के कत्ल करने की इजाजत नहीं दे सकते हैं इसलिए कल सब अपने-अपने बाजुओं पर काली बांधकर जुमे की नमाज पढ़ें। इससे हम यह पैगाम भेजेंगे कि हम भारतीय विदेशी ताकतों को भारत के अमन और इत्तेहाद को कमजोर करने नहीं देंगे। इस हमले की वजह से शर-परस्तों को हमारे कश्मीरी भाइयों को निशाना बनाने के लिए मौका मिल गया है। तमाम भारतीयों से मैं अपील करता हूं कि वो दुश्मन के चाल में ना फंसे।

आज शुक्रवार को जब आप नमाज़-ए-जुम्मा पढ़ने जायेंगे तो आपने बांह पर काली पट्टी बांधकर जाएं। इससे हम यह पैग़ाम भेजेंगे कि हम भारतीय विदेशी ताक़तों को भारत के अमन और इत्तेहाद को को कमजोर करने नहीं देंगे। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर ओवीस ने दुख जताया और कहा कि लश्कर के दहशतगर्दों ने नाम पूछकर, समुदाय पूछकर, धर्म पूछकर गोली मारा है। इन्हें सजा मिलना जरूरी है। आतंकवादी पाकिस्तान से आए थे ये सबको पता है। असल में इनके ऊपर जो बैठे हैं, उन्हें सजा मिलनी चाहिए जो हमेशा ये चाहते हैं कि न कभी भारत में और न कश्मीर में अमन-चैन रहे। इनको जड़ से खत्म करने की जरूरत है। असदुद्दीन ने कहा, "इस कदम से आपको और मुझे आतंकवादियों को एक कड़ा संदेश देने में मदद मिलेगी कि हम उनकी कार्रवाई की निंदा करते हैं और उन्हें बताएंगे कि हम उन्हें इस्लाम के नाम पर आतंकवाद फैलाने की कभी अनुमति नहीं देंगे।" ओवैसी ने यह भी कहा कि हम इस तथ्य को कभी बर्दाश्त नहीं कर सकते कि बाहरी ताकतें हमारी जमीन में घुसकर हमारे लोगों को मार रही हैं।"

पहलगाम हमले में पाकिस्तान का बचाव करने वाला गिरफ्तार

नागांव। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए कायराना आतंकी में हमले में 26 लोगों की मौत के बाद पूरे देश में गुस्सा भरा हुआ है। आम लोग लगातार आतंकियों और इसके आका पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच भारत में ही कई लोग पाकिस्तान के समर्थन में दिख रहे हैं। ऐसे में इन लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है। ऐसा ही मामला असम से भी सामने आया है जहां AIUDF पार्टी के विधायक अमीनुल इस्लाम को कथित तौर पर पहलगाम आतंकवादी हमले में पाकिस्तान और उसकी संलिप्तता का बचाव करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

असम पुलिस के डीजीपी हरमीत सिंह ने जानकारी दी है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए AIUDF विधायक अमीनुल इस्लाम को गिरफ्तार किया है। पुलिस अमीनुल इस्लाम को नागांव पुलिस स्टेशन ले गई है। असम पुलिस के मुताबिक, विधायक अमीनुल इस्लाम की ओर से सार्वजनिक तौर पर दिया गया भ्रामक और भड़काऊ बयान वायरल हो गया था।

पेट की चर्बी को जल्द करना हैं दूर तो चलाएं रोज साइकिल

साइकिल चलाना स्वस्थ रहने का सबसे आसान तरीका है। यह एक एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे शरीर को बहुत से लाभ मिलते हैं। आप साइकिल चलाकर अपनी हेल्थ को बेहतर बना सकते हैं और जरूरी काम भी कर सकते हैं। साइकिल चलाने से आपका शरीर एक्टिव रहता है और कई बीमारियों से राहत मिलती है। साइकिल चलाना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बेहद फायदेमंद है। लोग अपनी उम्र और क्षमता के अनुसार प्रतिदिन साइकिल चला सकते हैं। अगर आप भी फिट रहना चाहते हैं और वजन कंट्रोल करना चाहते हैं, तो दिन में कुछ वक्त साइकिलिंग जरूर करें। आज आपको रोज साइकिल चलाने के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

पैरों को मिलती है मजबूती

रोज साइकिल चलाने से आपके पैरों को मजबूती मिलती है। साइकिल चलाने से आपके निचले शरीर में ओवरऑल सुधार होता है। इससे आपके जॉइंट्स पर दबाव नहीं पड़ता है और आपके पैर की मसल्स मजबूत हो जाती हैं। अपने पैरों को और भी मजबूत बनाने और अपने साइकिल चलाने के साथ वेटलिफ्टिंग जैसी कई अन्य एक्सरसाइज कर सकते हैं। यदि आप किसी चोट या बीमारी से उबर रहे हैं, तो आप कम तीव्रता से साइकिल चला सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल हो सकता है कम

साइकिल चलाने के स्वास्थ्य-वर्धक प्रभाव कोलेस्ट्रॉल के स्तर को सुधारने में मदद कर सकते हैं। साइकिल चलाने से आपके स्ट्रोक और दिल के दौरे की आशंका कम हो सकती है। एक स्टडी में यह बात सामने आई थी कि इनडोर साइकिलिंग का टोटल कोलेस्ट्रॉल पर पॉजिटिव असर पड़ता है। साइकिल चलाने से एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का लेवल कम होता है।

बढ़ सकती है ब्रेन पावर

साइकिल चलाने से तनाव, एंजाइटी और डिप्रेशन जैसी फीलिंग्स को कम करने में मदद मिलती है। साइकिल चलाते समय सड़क पर ध्यान केंद्रित करने से आपको एकाग्रता और जागरुकता डेवलप करने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि साइकिल चलाने से वृद्ध वयस्कों की मेंटल हेल्थ में काफी सुधार होता है। अगर आप सुस्त महसूस करते हैं, तो कम से कम 10 मिनट के लिए साइकिल जरूर चलाएं। यह आपके शरीर में एंडोर्फिन हॉर्मोन को बढ़ावा देता है, जिससे तनाव कम होता है और लोग बेहतर महसूस करने लगते हैं।

बीमारियों से होता है बचाव

साइकिल चलाने से बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है और कई बीमारियों से राहत मिलती है। रोज साइकिल चलाने से दिल से संबंधी समस्याओं जैसे स्ट्रोक, दिल का दौरा और हाई ब्लड प्रेशर को रोकने में मदद मिलती है। साइकिल चलाने से टाइप 2 डायबिटीज को रोकने और कंट्रोल करने में भी मदद मिल सकती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने से शुगर वाले लोगों की मृत्यु दर 24% तक कम हो सकती है।

लीची खाने से पहले अपनाएं ये तरीका

लीची और आम का लुत्फ उठाने के लिए कुछ लोग गर्मी का इंतजार करते हैं। इनका स्वाद का इतना अच्छा होता है कि ये बड़ों से ज्यादा बच्चों की फेवरेट होती है। लीची अपने स्वाद ही नहीं पोषक तत्वों के लिए भी जानी जाती है। इसमें बी6, सी जैसे विटामिन के अलावा पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम समेत कई दूसरे खनीज पाए जाते हैं। सही मात्रा में लीची को खाकर दिल समेत शरीर के दूसरे अंगों को स्वस्थ रखा जा सकता है। लीची भले ही फायदेमंद हो, लेकिन ये नुकसान का कारण भी बन सकती है। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आपको लीची को खाने से पहले कौन सा छोटा काम करना चाहिए. साथ ही जानें इसे खाने का सही तरीका...

पानी में भिगोकर खाएं लीची

गर्मी में आने वाले हर फल की तासीर गर्म होती है इसलिए इन्हें भिगोकर खाना बेस्ट रहता है। ऐसा ही कुछ लीची के साथ भी है। इसकी तासीर गर्म होती है इसलिए खाने से पहले इसे भिगो दें। फलों या सब्जियों को उगाने में रसायन का इस्तेमाल होता है जिनसे पेट का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। लीची या दूसरे फलों को पानी में भिगो देने से उनकी तासीर तो ठंडी होती है साथ ही ये केमिकल भी काफी हद तक कम हो जाते हैं।

ज्यादा लीची खाने के नुकसान

अगर आप अधिक मात्रा में लीची को खाते हैं तो इससे पेट का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि लीची चाहे खाने में कितनी ही स्वादिष्ट लगे लेकिन दिन में 4 से 5 ही खानी चाहिए। इन्हें खाते समय ठीक से देख लें क्योंकि कभी-कभी इनमें कीड़े तक लगे हुए होते हैं। बच्चे बिना देखे लीची को खाने की गलती करते हैं और इससे तबीयत तक बिगड़ जाती है।

एलर्जी और डायबिटीज

एक्सपर्ट्स का मानना है कि जिन लोगों को किसी तरह की एलर्जी हो उन्हें लीची को खाने से बचना चाहिए। जिन लोगों डायबिटीज की बीमारी हो उन्हें लीची को कम ही खाना चाहिए। लीची रसदार फल है और इसमें नेचुरल शुगर भी ज्यादा होती है।

हद से ज्यादा लीची खाने से बॉडी में ग्लूकोज या शुगर का लेवल बिगड़ सकता है। लीची को शौक से खाएं पर इसके सेवन से पहले भिगोने या साफ करने जैसी कई बातों का ध्यान भी रखें। लीची से ज्यादातर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हाइजीन का ध्यान न रखने से होती हैं।

महिलाओं के लिए बहुत ही पेनफुल होता है पीरियड्स का समय

पीरियड्स का समय महिलाओं के लिए बहुत ही पेनफुल होता है। इस दौरान मूड स्वींग्स, चिड़चिड़ापन, हाथों-पैरों में दर्द, कमर दर्द और पीठ दर्द का आमतौर से सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाएं काफी असहज भी महसूस करती हैं। कई बार पीरियड्स में होने वाली ऐंठन के कारण महिलाएं दैनिक कार्य भी नहीं कर पाती हैं। बहुत सी महिलाएं इस दौरान होने वाले दर्द को कम करने के लिए पेनकिलर भी लेती हैं। पेनकिलर की बजाएं आप दर्द को कम करने के लिए कुछ नेचुरल तरीके भी ट्राई कर सकती हैं। यहां तीन तरह की हर्ब्स के बारे में बताया गया है। आप पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द में इन हर्ब्स को भी ले सकती हैं। ये हर्ब्स पेनकिलर का काम करेंगे।

अदरक (Ginger)

अदरक का इस्तेमाल चाय के स्वाद को बढ़ा देता है। कई तरह की डिश मे भी अदरक का इस्तेमाल किया जाता है। अदरक औषधीय गुणों से भरपूर होती है। आप पीरियड्स के दौरान भी अदरक ले सकते हैं। ये आपको दर्द से राहत दिलाने का काम करेगी। अदरक में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं। ये सूजन को भी कम करने का काम करती है। आप पीरियड्स के दौरान एक कप अदरक की चाय पी सकते हैं। ये आपको दर्द से राहत दिलाने का काम करेगी।

अजवाइन (Celery)

रियड्स के दौरान अजवाइन लेना भी बहुत फायदेमंद होता है। अजवाइन में कैल्शियम,आयरन और विटामिन बी होता है। इसमें मैग्नीशियम भी होता है। अजवाइन में भी कई औषधीय गुण होते हैं। इसमें मौजूद गुण पीरियड्स ब्लोटिंग से भी राहत दिलाते हैं। पीरियड्स को रेगुलर करने के लिए अजवाइन बहुत ही फायदेमंद है। अजवाइन पीरियड्स के दर्द से राहत दिलाने का काम करती है।

पालक का जूस ही नहीं, पानी भी है बेहद लाभकारी

पोषक तत्वों से भरपूर हरी सब्जियां सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती हैं। हरी पत्तेदार पालक की सब्जी आपके शरीर को विटामिन, मिनिरल और एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करती हैं, इसलिए आपको इसे अपने आहार में शामिल करने के साथ ही इसको जूस के रूप में जरूर लेना चाहिए। पोषक तत्वों से भरपूर पालक की बाजारों में सबसे अधिक मांग होती है। आप ताजा पालक को मिक्सर में डाल कर पानी के साथ पीस कर खा सकते हैं। हालांकि ज्यादातर लोग इसको पकाकर खाने की सलाह देते हैं, लेकिन यदि आप इसका जूस निकाल कर पीएंगे तो सेहत के लिए अच्छा होगा। कई बार लोग पालक पनीर, पालक पराठा या सब्जी बनाने के लिए इसके पत्तों को उबालते हैं तो, इसके पानी को फेंक देते हैं। जबकि, इस पानी में सबसे ज्यादा माइक्रोन्यूट्रिएंट्स होता है। इस पानी का सेवन करेंगे तो कई शारीरिक बीमारियों से बचे रहेंगे। तो आइए जानते हैं इसका सेवन करने से होने वाले लाभ...

पेट के लिए फायदेमंद है

पालक का पानी पेट के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। पालक के पोषक तत्वों में आहार फाइबर भी शामिल है। ये आपका मेटाबोलिज्म बढ़ाता है और पेट के काम काज को तेज करता है। इससे कब्ज की समस्या नहीं होती है।

आंखों की रोशनी बढ़ाता है पालक का पानी

पालक के पानी में ल्यूटिन और जेक्साथिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। साथ ही इसमें इसमें विटामिन ए पाया जाता है जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है। यदि विटामिन ए की कमी हो जाए तो यह सूखी आंखें और रतौंधी का कारण बन सकता है।

स्वास्थ्य के साथ निखारता है रूप

बालों के लिए फायदेमंद पालक का पानी

पालक के पानी का सेवन सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद है। इसमें कई प्रकार के न्यूट्रीएंट्स जैसे आयरन और प्रोटीन होता है जो कि बालों को अंदर से मजबूत और खूबसूरत बनाने में मदद करता है।

स्किन हेल्दी रखता है पालक का पानी

पालक का पानी पीना आंखों और बालों के साथ ही स्किन को भी हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है। पालक का पानी शरीर को डिटॉक्सीफाई करता है। इससे चलते शरीर का ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और स्किन अंदर से ग्लो करती है।

इम्यूनिटी बढ़ाता है पालक का पानी

पालक में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। इसलिए पालक का पानी इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है। इसमें प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स होने से शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और पुरानी बीमारियों खत्म होती हैं।

कैंसर को रोकता है पालक का पानी

पालक जहां दिल से संबंधित बीमारियों को रोकने में मदद कर सकता है, वहीं यह कैंसर को भी नष्ट करने में मदद कर सकता है। शोध2 बताते हैं कि हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से वजन कम हो सकता है।

इन आसान स्टेप्स में बनाएं केमिकल फ्री जेल आई लाइनर

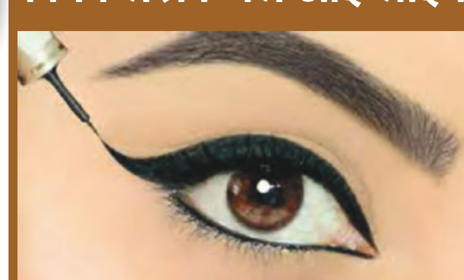

आज के समय में आंखों पर काजल और आईलाइनर हर लड़की को पसंद होता है। इसलिए आपको बाजार में कई कलरफुल आई लाइनर आसानी से मिल जाते हैं। वहीं लाइनर की भी डिफरेंट वैराइटीज होती हैं जैसे- मैट आईलाइनर, काजल आईलाइनर, ड्राय आईलाइनर या जेल आईलाइनर आदि। लेकिन आजकल जेल आईलाइनर सबसे ज्यादा ट्रेंडिंग है क्योंकि जेल आईलाइनर को एक नहीं कई तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे में आज हम आपके लिए घर पर जेल आईलाइनर बनाने की विधि लेकर आए हैं।

बनाने के लिए सामग्री-

कंटेनर एक छोटा, 2-4 बूंदें आई प्राइमर, 2-3 बूंदें नारियल तेल

जेल आईलाइनर कैसे बनाएं?

घर पर जेल आईलाइनर बनाने के लिए आप सबसे पहले 1 खाली कंटेनर लें।

फिर आप इसमें 2-4 बूंदें आई प्राइमर और 2-3 बूंदें नारियल तेल डालें।

इसके बाद आप इन दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिलाकर स्मूद बना लें।

फिर आप इसमें अपना कोई भी पंसदीदा कलर डालकर अच्छे से मिलाएं।

जेल आईलाइनर का इस्तेमाल आप 2 तरीकों से कर सकते हैं।।।

पहला तरीका

अगर आप स्मोकी आई चाहती हैं तो इसके लिए आप अपनी आंखों के ऊपर आई लाइनर लगाएं। फिर आप लाइनर को एक स्मज ब्रश की सहायता से आंखों के लिड पर फैलाएं। अगर आप चाहें तो आप इसके ऊपर ग्लीटर लगा सकती हैं। अब आपका मेकअप लुक तैयार है।

दूसरा तरीका

अगर आप काजल लगाना पसंद करती हैं तो ऐसे में आप इस आई लाइनर को अपनी आंखों पर काजल की तरह से भी लगा सकती हैं। गर्मी के मौसम में ये स्मज भी नहीं होता है। इसके साथ ही इससे आपकी आंखे ज्यादा हाईलाइट भी होती है।

हद से ज्यादा लहसुन खाएंगे तो पड़ जाएंगे लेने के देने

लहसुन एक ऐसा मसाला है जिसका इस्तेमाल भारतीय किचन में काफी ज्यादा होता है, इसे अगर रेसेपीज में मिला दिया जाए तो स्वाद में जबरदस्त इजाफा होता है, साथ ही ये हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद है, हालांकि कुछ लोग तेज गंध के कारण इसे खाना पसंद नहीं करते। लहसुन में कई तरह के न्यूट्रिएंट होते हैं जिनमें विटामिन बी1, कैल्शियम, कॉपर, पोटैशियम, फॉस्फोरस और आयरन शामिल हैं। इतने फायदों के बावजूद लहसुन के कुछ नुकसान भी हैं इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए।

मुंह से बदबू आना: लहसुन की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दी से जुड़ी बीमारियों में लोग इसकी कलियां चबाते हैं, लेकिन कुछ लोग इसे जरूरत से ज्यादा खाने लगते हैं जिसकी वजह से तेज गंध आती है जिससे आसपास में मौजूद लोगों को परेशानी होती है।

लो ब्लड प्रेशर: जिन लोगों का ब्लड प्रेशर कम रहता है उन्हें लहसुन से परहेज करना चाहिए क्योंकि इससे लो बीपी यानी हाइपोटेंशन सकता है, जिससे शरीर में कमजोरी और थकान होने लगती है।

सीने में जलन : अगर आप तय मात्रा से ज्यादा लहसुन खाते हैं तो हार्ट बर्न की प्रॉब्लम हो सकती है। दरअसल लहसुन में एसिडिक कंपाउंड होते हैं इसलिए अगर इसे ज्यादा कंज्यूम किया जाए तो सीने में तेज जलन होने का खतरा बना रहता है। कई बार ये बर्दाश्त से बाहर भी हो जाता है, इसलिए सावधानी जरूरी है।

डार्क अंडरआर्म्स को घरेलू उपायों से करें दूर

स्लीवलेस ड्रेस में नहीं होगी परेशानी

गर्मी के मौसम में बिना बाजू वाले ड्रेस पहनना लोग काफी पसंद करते हैं। ये कंफर्टेबल होते हैं और गर्मी में दिखते भी अच्छे हैं, लेकिन कई लोगों की समस्या होती है कि ऐसे कपड़े पहनने से उनके अंडर आर्म का कालापन नजर आता है और सभी की नजरें उनके डार्क अंडरआर्म पर अटती है। अगर आप भी ऐसी समस्या से परेशान हैं तो यहां हम आपके साथ कुछ ऐसे घरेलू उपाय शेयर कर रहे हैं जिसकी मदद से आप अपने अंडर आर्म की स्किन को ब्राइट और क्लीन बना सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे?

नींबू का इस्तेमाल-

नींबू की मदद से आप अपने काले अंडरआर्म के दाग को कम कर सकते हैं। इसके लिए आप आधा नींबू काट लें और यहां की स्किन पर लगा लें। आधे घंटे के बाद नहा लें। अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो आप पैच टेस्ट के बाद ही इसका इस्तेमाल करें।

एप्पल साइडर विनेगर-

एप्पल साइडर विनेगर में भी माइल्ड ब्लीच के गुण हैं जो नेचुरल क्लीनर की तरह भी काम कर सकता है। आप इसकी मदद से स्किन के कालेपर को कम कर सकते हैं। इसके लिए आप एक कॉटन को एप्पल साइडर विनेगर में डुबाएं और से स्किन पर लगाएं। ऐसा रोज करने पर दाग चले जाएंगे।

नारियल तेल-

नारियल तेल स्किन के लिए कई तरह से फायदेमंद है। यह स्किन को नरिश तो करता ही है, डार्क स्किन की समस्या को भी दूर कर सकता है। आप रोज रात में अंडरआर्म की स्किन पर नारियल तेल लगाएं और रातभर छोड़ दें। स्किन पर निखार आएगा।

बेकिंग सोड़ा-

बेकिंग सोडा की मदद से आप स्किन को ब्राइट और क्लीन बना सकते हैं। इसके लिए सप्ताह में एक या दो दिन बेकिंग सोडा और पानी को मिलाकर एक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को त्वचा पर लगाएं। 15 मिनट के बाद स्किन से इसे अच्छी तरह से धो लें।

एलोवेरा-

आप ताजा एलोवेरा के पत्तों से जेल निकालें और इसे अंडर आर्म की स्किन पर लगाएं। आप नहाने के बाद या सोने से पहले भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। धीरे धीरे स्किन के रंगत में अंतर नजर आने लगेगा।

रोजाना कुछ देर करें सिर का मसाज

सिरदर्द और तनाव को भगाएं दूर

भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण जीवनशैली के चलते इन दिनों ब्रेक लेना और आराम करना काफी जरूरी हो गया है। बहुत से लोग अपने कार्यालयों में कंप्यूटर स्क्रीन पर बैठकर लंबे समय तक बैठे रहते हैं। गतिहीन जीवन शैली कई स्वास्थ्य समस्याओं का एक प्रमुख कारण है। डेस्क पर लंबे समय तक बैठने के कारण आपको सिर, गर्दन और कंधों में भी खिंचाव महसूस हो सकता है। शारीरिक गतिविधि की कमी और तनावपूर्ण काम के घंटों के परिणामस्वरूप सिरदर्द, माइग्रेन, गर्दन का दर्द और अन्य शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। नियमित सिर की मालिश करके आपकी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। यह तनाव और चिंता से निपटने की क्षमता को बढ़ाने में भी मदद करेगा। सिर की मालिश एक आरामदायक और चिकित्सीय तकनीक है जिसमें तनाव दूर करने के लिए खोपड़ी, चेहरे, गर्दन और कंधों पर दबाव लाना शामिल है। यदि आप आराम करने और अपने सिर को हल्का करने के लिए सही तरीके की तलाश कर रहे हैं, तो यह आराम करने का एक शानदार तरीका हो सकता है, तो चलिए जानते हैं सिर की मसाज करने के बेहतरीन फायदे....

तनाव से राहत

सिर की मालिश सिर, गर्दन और कंधों की मांसपेशियों को आराम देकर तनाव और तनाव को कम करने में मदद कर सकती है। यह आपको शांति और विश्राम का अनुभव करने में मदद कर सकता है।

सिरदर्द और माइग्रेन से राहत दिलाता है

सिर की मालिश तनाव को कम करके सिरदर्द और माइग्रेन से राहत दिलाने में मदद कर सकती है। एक सिर की मालिश भी एंडोर्फिन को रिलीज करने में मदद करती है। यह हार्मोन दर्द को दूर करने और तनाव को कम करने में मदद करता है।

बालों के विकास को बढ़ावा देता है

सिर की मालिश खोपड़ी में ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करके बालों के विकास को प्रोत्साहित कर सकती है। एक मालिश खोपड़ी से मृत त्वचा कोशिकाओं और सीबम के निर्माण को हटाने में मदद कर सकती है।

नींद की गुणवत्ता में सुधार

तनाव और तनाव के कारण नींद की गुणवत्ता काफी प्रभावित होती है। सिर की मालिश के बाद आप तनाव और चिंता से राहत पाकर आराम महसूस कर सकते हैं। इससे आपको अच्छी नींद लेने में मदद मिलेगी।

रोहित-बुमराह ने रचा इतिहास

एक क्रिस गेल तो दूसरा मलिंगा के क्लब में हुआ शामिल

रोहित शर्मा 12,000 से अधिक टी 20 रन बनाने वाले दुनिया के 8वें बल्लेबाज

हैदराबाद। मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बुधवार को मुंबई इंडियंस (MI) और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के बीच खेले गए मैच में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। रोहित शर्मा, विराट कोहली के बाद 12,000 टी20 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। जबकि जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल इतिहास में मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के तौर पर लसिथ मलिंगा की बराबरी कर ली। बता दें कि रोहित शर्मा 12,000 से अधिक टी 20 रन बनाने वाले दुनिया के 8वें बल्लेबाज बन गए। इनमें से अधिकांश रन आईपीएल से आए, जहां उन्होंने डेक्कन चार्जर्स (सनराइजर्स हैदराबाद) और मुंबई इंडियंस के लिए खेला। रोहित के अलावा तेज गेंदबाज बुमराह ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के इतिहास में मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले श्रीलंकाई तेज गेंदबाज की बराबरी कर ली है। आईपीएल में मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करते हुए बुमराह के नाम अब 138 मैचों में 170 विकेट दर्ज हैं। जबकि मलिंगा के आईपीएल करियर में मुंबई इंडियंस के लिए 122 मैचों में 170 विकेट दर्ज हैं। इसके अलावा, बुमराह ऑस्ट्रेलिया के एंड्रयू टाई और लसिथ मलिंगा के बाद 300 टी20 विकेट लेने वाले तीसरे सबसे तेज गेंदबाज और सबसे तेज भारतीय भी बन गए है। बुमराह ने यहां तक पहुंचने के लिए 237 पारियां ली, जबकि एंड्रयू टाई और लसिथ मलिंगा को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए क्रमशः 208 और 217 पारियां खेलनी पड़ी। इस मैच से पहले, बुमराह, ने अब तक सिर्फ़ MI के लिए ही IPL खेला है, जिसमें 137 मैचों में 18.6 की स्ट्राइक रेट है।

SRH-CSK की आज होगी भिड़ंत

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आज होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के 43वें मैच में रोचक जंग देखने को मिलेगी। इन दोनों टीमों का वर्तमान सत्र में अभी तक प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। इन दोनों टीमों के आठ मैच में चार अंक हैं और अगर उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीद को बनाए रखना है तो उन्हें अपने सभी मैच जीतने होंगे। चेन्नई की टीम को घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए जाना जाता है लेकिन इस बार उसे यहां मुंह की खानी पड़ रही है। उसकी टीम अभी तक यहां के विकेट का सही अनुमान लगाने में नाकाम रही है। चेन्नई ने स्पिनर नूर अहमद की शानदार गेंदबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस को हराकर अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसकी लय गड़बड़ा गई और उसे अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा। यही नहीं उसकी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ नौ विकेट पर 103 रन ही बना पाई जो उसका अपने घरेलू मैदान पर न्यूनतम स्कोर भी है। चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग यहां की पिच को लेकर खुलेआम अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुके हैं। यहां का विकेट स्पिनरों के लिए मददगार माना जाता है लेकिन इस बार यहां तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है। चेन्नई का अपने मैदान से इतर और अन्य स्थानों पर भी अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है तथा उसने दूसरे मैदानों पर खेले गए चार मैच में से केवल एक मैच जीता है। इस बार उसके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं तथा नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से उसकी समस्याएं बढ़ी हैं।

महेंद्र सिंह धोनी की पूर्णकालिक कप्तान के रूप में वापसी हुई है और घुटने की परेशानी के बावजूद कप्तान के रूप में उनके फैसले काफी मायने रखते हैं। डेथ ओवरों की उनकी बल्लेबाजी तथा मैच के महत्वपूर्ण मोड़ पर लिए जाने वाले फैसले टीम को वापसी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। चेन्नई के लिए 17 वर्षीय आयुष म्हात्रे का टीम से जुड़ना अच्छा संकेत है। इस युवा बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया था। चेन्नई ने अपने बल्लेबाजी विभाग को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को भी अपनी टीम से जोड़ा है। सनराइजर्स की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। उसकी टीम ने भी शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसे अपनी अति आक्रामकता भारी पड़ने लगी। पिछले सत्र में उसकी सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की विस्फोटक सलामी जोड़ी इस बार नहीं चल पा रही है जिससे टीम के मध्य क्रम की कलई भी खुल गई है। उसे पिछले मैच में मुंबई इंडियंस से सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने भी स्वीकार किया है कि उनके बल्लेबाज साझेदारी निभाने में नाकाम रहे हैं।

आज का मैच

TATA IPL

शाम 7.30 बजे

चेन्नई Vs हैदराबाद

SRH

पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

CSK

एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ, आयुष म्हात्रे, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस। श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना।

गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच और पूर्व भाजपा सांसद गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। यह धमकी पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के ठीक एक दिन बाद आई है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। गंभीर के निजी सचिव ने राजेंद्र नगर एसएचओ और डीसीपी सेंट्रल को भेजे गए मेल में लिखा, 'जैसा कि हमने बात की, कृपया नीचे भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर (पूर्व सांसद) के मेल आईडी पर प्राप्त 'धमकी भरे मेल' मिले। कृपया तदनुसार एफ.आई.आर. दर्ज करें और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करें।' पहलगाम आतंकी हमले पर गंभीर ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी और कहा था, 'भारत जवाबी हमला करेगा।' गंभीर ने एक्स पर लिखा, 'मृतकों के परिवारों के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत हमला करेगा।' पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट, जो प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा का एक अंग है, ने हमले की जिम्मेदारी ली है, जो हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में हुए सबसे भयानक हमलों में से एक है। यह पहला मामला नहीं है जब गंभीर को जान से मारने की धमकी मिली हो। 2021 में भी पूर्व क्रिकेटर को इसी तरह की जान से मारने की धमकी मिली थी। इसके बाद उनके आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई।

मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराया

रोहित शर्मा ने ठोका अर्धशतक, ट्रेंट बोल्ट ने चटकाए चार विकेट

हैदराबाद। आईपीएल 2025 के 41वें मैच में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को उन्हीं के घर में 7 विकेट से हराया। इसके साथ ही हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई ने अपनी पांचवी जीत हासिल कर ली है और 9 मैचों में 4 हार और 5 जीत के बाद प्वाइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर कब्जा कर लिया है. वहीं ये पैट कमिंस की कप्तानी वाली हैदराबाद की 8 मैचों में छठवीं हार है और वो प्वाइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर बनी हुई है।

हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए इस मैच में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 143 रन बनाए हैं। इस लक्ष्य का पीछा मुंबई इंडियंस ने 15.4 ओवर में 3 विकेट गंवाकर 146 रन बनाकर कर लिया। इस जीत में मुंबई के लिए बल्ले के साथ रोहित शर्मा और गेंद के साथ ट्रेंट बोल्ट ने अहम भूमिका निभाई। मैच में हैदराबाद से मिले 144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए मुंबई की ओर से रोहित और रयान आए। जयदेव उनादकट ने टीम को पहली सफलता रिकेल्टन 11 के रूप में दिलाई। इसके बाद विल जैक 22 रन बनाकर चले गए लेकिन रोहित ने एक छोर संभाले रखा और शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 46 बॉल में 8 चौके और 3 छक्कों के साथ 70 रनों की तूफानी पारी खेली. रोहित ने 35 बॉल में 4 चौके और 3 छक्के के साथ अपने 50 रन पूरे किए थे. हिटमैन के अलावा मुंबई के लिए सूर्यकुमार यादव ने 19 गेंदों में नाबाद 40 रनों की पारी खेली. इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के लगाए. सूर्या के साथ मिलकर तिलक वर्मा 2* ने मुंबई को जीत दिला दी. हैदराबाद की ओर से जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा और जीशान अंसारी ने 1-1 विकेट हासिल किया. इससे पहले हैदराबाद का टॉप ऑर्डर पूरी तरह मुंबई के गेंदबाजों के आगे ढह गया। ट्रेविस हेड 0, ईशान किशन 1 और अभिषेक शर्मा 8 रन बनाकर चलते बने. ऐसे में टीम को हेनरिक क्लासेन ने संभाला और अभिनव मनोहर के साथ मिलकर टीम का स्कोर सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया। हेनरिक क्लासेन ने 44 बॉल में 9 चौके और 2 छक्कों के साथ 71 रनों की पारी खेली।

पाकिस्तान के नदीम ने ठुकराया नीरज का न्योता

हैदराबाद। पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने बेंगलुरू में 24 मई को एनसी क्लासिक भालाफेंक टूर्नामेंट में भाग लेने का नीरज चोपड़ा का न्योता उन्होंने ठुकरा दिया है। क्योंकि वह इस दौरान आगामी एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारियों में व्यस्त होंगे। नदीम ने कहा, 'एनसी क्लासिक प्रतियोगिता 24 मई को है, जबकि मैं 22 मई को एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए कोरिया रवाना हो जाऊंगा।' उन्होंने कहा कि वह 27 से 31 मई तक कोरिया में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं। नीरज ने सोमवार को मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा था, 'मैंने अरशद को न्योता भेजा है और उसने कहा कि अपने कोच से बात करके जवाब देगा। अभी तक उसने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है।' नदीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 92.97 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता था जबकि नीरज ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। पहली नीरज चोपड़ा भालाफेंक प्रतियोगिता में ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मनी के थॉमस रोलेर जैसे सितारे भाग ले रहे हैं। नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को बंगलूरू के कांतिरावा स्टेडियम में होगा। विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है।

स्टीव वॉ का बड़ा बयान

वनडे क्रिकेट कभी खत्म नहीं होगा

मैड्रिड। एक दिवसीय क्रिकेट की प्रासंगिकता पर छिड़ी बहस के बीच आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने कहा है कि इस प्रारूप का महत्व कभी खत्म नहीं होगा क्योंकि विश्व कप क्रिकेट का ओलंपिक है। लॉरेस विश्व खेल पुरस्कार से इतर यहां चुनिंदा मीडिया से बातचीत में वॉ ने कहा कि छोटे प्रारूपों के दबाव के बावजूद वनडे क्रिकेट बना रहेगा और यह 2023 विश्व कप की 'व्यूअरशिप' से साबित है। उन्होंने कहा कि हर किसी को लगता है कि वनडे क्रिकेट नहीं बचेगा लेकिन विश्व कप है ना जिसकी रेटिंग काफी ऊंची है और उसे लोग पसंद करते हैं। विश्व कप के बाद फिर इसमें रूचि कम हो जाती है और फिर बढ़ती है। यही हालात रहते हैं। वॉ ने कहा कि हम इस समय तीनों प्रारूपों में जैसे तैसे संतुलन देख रहे हैं। फिर टी10 का भी दबाव है जिससे चार प्रारूप हो सकते हैं। पता नहीं कैसे चलेगा लेकिन अभी तो चल रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व कप वनडे क्रिकेट के लिए अहम है। यह ओलंपिक की ही तरह है। हर चार साल में विश्व कप खेलना। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक में सौ से अधिक साल बाद क्रिकेट की वापसी होगी। सभी टेस्ट खिलाड़ियों के लिए समान मैच फीस की वकालत करते हुए वॉ ने कहा कि टेस्ट मैच खेलने वाले हर खिलाड़ी को समान पैसा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरी कोई नहीं सुनता लेकिन मैंने 1999 में एक लेख में यह बात कही थी।

शांतो ने मुशफिकुर रहीम की वापसी का समर्थन किया

ढाका। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम के फॉर्म और टीम की कमियों पर विचार किया, जब जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट में शानदार जीत दर्ज की। शांतो ने सिलहट में पहले टेस्ट में जिम्बाब्वे से तीन विकेट से मिली हार के बाद बांग्लादेशी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम का समर्थन किया है। बल्लेबाज हाल के दिनों में खराब फॉर्म से गुजर रहा है, उसने अपनी पिछली 12 टेस्ट पारियों में 37 रन बनाए हैं। शंतो ने रहीम के बारे में कहा, "वह एक अनुभवी क्रिकेटर है। वह न केवल अपनी बल्लेबाजी से योगदान दे रहा है, बल्कि जब हम फील्डिंग करते हैं तो वह प्लानिंग ग्रुप का भी हिस्सा होता है।" रहीम पहले टेस्ट में प्रत्येक पारी में सिर्फ चार रन बना पाए थे। "वह बल्लेबाजों की मदद करता है। वह प्रशिक्षण के दौरान बहुत बात करता है। बेशक, उसकी बल्लेबाजी महत्वपूर्ण है। मैं उसके पिछले मील के पत्थर या उपलब्धियों के बारे में नहीं सोच रहा हूँ, मुझे नहीं लगता कि वह भी ऐसा कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि एक मैच शेष रहते हुए वह वापसी करेगा। मैं उम्मीद नहीं छोड़ रहा हूँ। वह पहले भी खराब फॉर्म में रहा है और वापसी की है।" मुशफिकुर के संघर्ष के बावजूद, शंटो ने अंतिम दिन की दूसरी गेंद पर आउट होने के बाद खुद की भी आलोचना की, एक ऐसा क्षण जिसने जिम्बाब्वे के पक्ष में निर्णायक रूप से गति को बदल दिया।

हमने परिस्थितियों का सही आकलन नहीं किया, हैदराबाद के मुख्य कोच ने बताया हार का कारण

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने स्वीकार किया कि शीर्ष क्रम का नाटकीय पतन और पिच का गलत आकलन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल-2025) के मैच में मुंबई इंडियंस से उनकी करारी हार में निर्णायक साबित हुआ। सनराइजर्स के बिग हिटर इस मैच में भी नहीं चल पाए और उसका स्कोर चार विकेट पर 24 रन हो गया।

हेनरिक क्लासेन (71) और अभिनव मनोहर (43) के बीच 99 रन की साझेदारी के बावजूद उसकी टीम आठ विकेट पर 143 रन ही बना सकी। विटोरी ने मैच के बाद कहा, 'टॉस महत्वपूर्ण था। हम पहले गेंदबाजी करना चाहते थे। विकेट उससे अलग था जो हमने पहले देखा था, और जब हमने 250 से 280 रन बनने की संभावना पर चर्चा की थी लेकिन इसके बाद स्थितियां नाटकीय रूप से बदल गई और हम उनसे सामंजस्य नहीं बिठा पाए। जब हमने पहले दो ओवर खेल लिए तब हमें लगा कि यह विकेट वैसा नहीं है जिसमें 250 से अधिक रन बने जैसा कि पिछले कुछ मैच में होता रहा है। इसलिए हमारी पूरी रणनीति बदल गई।'

आईपीएल-2025 का यह सीजन दिलचस्प मोड में पहुंच गया है। विटोरी ने कहा कि उनकी रणनीति पावर प्ले का पूरा उपयोग करने की थी लेकिन जल्द ही उनकी यह रणनीति नाकाम हो गई। उन्होंने कहा, 'हम पावर प्ले का पूरा उपयोग करना चाहते थे लेकिन दुर्भाग्य से हम विकेट खोते रहे। एक बार जब हमें पता चल गया कि यह विकेट हो ऐसा नहीं है जैसा हमने सोचा था तो हम 180 रन तक पहुंचने के बारे में सोचने लगे लेकिन पावर प्ले में चार विकेट गंवाने से हम वहां तक नहीं पहुंच पाए।'

कोहली के 'फीडबैक' वढेरा हुए 'निहाल'

कोलकाता। पंजाब के युवा खिलाड़ी निहाल वढेरा को तब पता चला कि विराट कोहली उन्हें उनके नाम से जानते हैं तो उनके लिए यह अद्भुत अहसास था और जब उन्हें अपने खेल पर इस महान क्रिकेटर से ही 'फीडबैक' मिला तो उनका दिन ही बन गया। बारिश से प्रभावित मैच में पंजाब किंग्स की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) पर मिली 5 विकेट की जीत के दौरान नाबाद 33 रन की विजयी पारी खेलने वाले बढेरा ने कहा कि मैच से पहले जब कोहली ने उन्हें पहचाना तो वह भौंचक्के रह गए। वढेरा ने कहा, 'जब मैच से पहले विराट भाई श्रेयस अय्यर से बात कर रहे थे और उन्होंने पंजाबी में पूछा 'की हाल चाल, निहाल' (कैसे हो निहाल?)। मैं सचमुच चौंक गया था। मुझे उम्मीद नहीं थी कि उन्हें मेरा नाम याद होगा। इससे मुझे बहुत खुशी हुई।' वढेरा ने कहा कि उस पल ने उनके लिए बातचीत की शुरूआत की जिसका वह लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'पिछले साल तक मैं तिलक वर्मा हो या सूर्या भाई (सूर्यकुमार यादव), सभी से कहता था कि मैं एक बार विराट भाई से बात करना चाहता हूं।' मुंबई इंडियंस के पूर्व बल्लेबाज ने कहा, 'जब मुझे पता चला कि विराट भाई मेरा नाम जानते हैं तो मैं उनके पास जाकर बातचीत कर सकता था।' मैच के बाद उन्होंने मौका मिलते ही अपने खेल के बारे में कोहली से 'फीडबैक' लिया और फिर उन्हें फोटो लेते हुए देखा गया। वढेरा ने कहा, 'जैसे ही मैच खत्म हुआ, मैं उनके पास गया और पूछा, 'विराट भाई, आपने मुझे पिछले दो साल से देखा है और इस साल भी, आपको क्या लगता है?' कोहली ने वढेरा के शॉट चयन और संयम की प्रशंसा की। वढेरा ने कहा, 'उनके शब्दों ने मेरे भरोसे को मजबूत किया और मुझे यह समझने में मदद की कि खेल को बेहतर तरीके से कैसे अपनाया जाए।'

राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 54 सदस्यीय संभावित टीम की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आगामी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 54 सदस्यीय कोर संभावित टीम की घोषणा की है, जो 25 अप्रैल 2025 को बेंगलुरु के SAI सेंटर में शुरू होगी। उत्तर प्रदेश के झांसी में आयोजित 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में उनके प्रदर्शन के आधार पर हॉकी इंडिया ने आगामी राष्ट्रीय कैंप के लिए 54 खिलाड़ियों के कोर ग्रुप का चयन किया है। यह कैंप 25 से 30 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जाएगा, जिसके दौरान ग्रुप का मूल्यांकन किया जाएगा और उसके बाद इसे घटाकर 40 खिलाड़ी कर दिया जाएगा। चयनित 40 खिलाड़ी 1 से 25 मई 2025 तक निर्धारित शिविर के अगले चरण में प्रशिक्षण जारी रखेंगे। 54 खिलाड़ियों में से 38 को मौजूदा कोर ग्रुप से बरकरार रखा गया है। बाकी खिलाड़ियों को हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है, जिसमें हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी पंजाब, यूपी हॉकी, हॉकी बंगाल और मणिपुर हॉकी के खिलाड़ी शामिल हैं। मौजूदा कोर ग्रुप से बरकरार रखे गए खिलाड़ियों में कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा, पवन, मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार, अमित रोहिदास, वरुण कुमार, जुगराज सिंह, नीलम संजीप जेस, अमनदीप लाकड़ा, हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, संजय, यशदीप सिवाच, मोहम्मद राहील मौसीन, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, हार्दिक सिंह, सुमित, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, पूवन्ना चंदुरा बॉबी, राजिंदर शामिल हैं। सिंह, विष्णु कांत सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, आदित्य अर्जुन लालगे, बॉबी सिंह धामी, सेल्वम कार्थी, सुनील जोजो, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सुदीप चिरमाको और अंगद बीर सिंह। शिविर के लिए बुलाए गए नए खिलाड़ियों में संजय बी, अंकित मलिक, प्रताप लाकड़ा, प्रमोद, धनावड़े मयूर, अली अहमद, आकिब रहीम, अर्जुन शर्मा, यूसुफ अफ्फान, लैशराम दीपू सिंह, वेंकटेश केंचे, गुरसाहिबजीत सिंह, प्रदीप सिंह, रवि, उत्तम सिंह और मनिंदर सिंह शामिल हैं। यह 54 सदस्यीय दल 25 से 30 अप्रैल तक एक सप्ताह तक शिविर में रहेगा, जिसके बाद इसे 1 मई से 25 मई तक होने वाले शिविर के अगले चरण के लिए 40 खिलाड़ियों के समूह में सीमित कर दिया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले पर शाहरुख खान ने दी तीखी प्रतिक्रिया

कहा- 'पहलगाम में विश्वघात और...'

धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू कश्मीर के सबसे शांत और खूबसूरत नगर पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को न सिर्फ झकझोर कर रख दिया है, बल्कि इस हमले ने लोगों के दिलों में गुस्सा भी भर दिया है। हर कोई इस पर दुख के साथ इंसाफ की मांग कर रहा है, वहीं अब इस घटना को लेकर बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने भी सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

इस हमले को लेकर शाहरुख खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (ट्विटर) पर दुख और गुस्से से भरा एक संदेश साझा किया. उन्होंने लिखा कि 'ऐसे कायराना हमले को शब्दों में बयां करना मुश्किल है।'
शाहरुख ने इस हमले को 'विश्वघात और अमानवीय हिंसा' बताया है,उन्होंने लिखा कि 'ये वो समय है जब हम सभी को एक साथ खड़े होने की जरूरत है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए ऊपरवाले से प्रार्थना करने की अपील की. अपने पोस्ट में शाहरुख ने कहा कि जो लोग इस हमले से प्रभावित हुए हैं, उनके दुख की गहराई को कोई शब्द बयां नहीं कर सकता. उन्होंने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पूरे देश को इस घटना के खिलाफ एकजुट होना चाहिए.

शाहरुख के इस ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने उनकी सराहना की है. कई यूजर्स ने उन्हें 'देश का सच्चा बेटा' कहा और उनके साथ सहमति जताई. पोस्ट पर लाखों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं. शाहरुख से पहले भी कई बॉलीवुड सितारे इस हमले पर दुख जता चुके हैं. अक्षय कुमार, संजय दत्त, कंगना रनौत और अनुष्का शर्मा जैसे बड़े नामों ने भी अपनी संवेदनाएं जाहिर की हैं. वहीं, इस घटना के बीच एक और विवाद सामने आया है. पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान और वाणी क पू र की फिल्म 'अबीर-गुलाल' का सोशल मीडिया पर बहिष्कार शुरू हो गया है. लोग लिख रहे हैं, 'जो देशभक्त हैं, वो ऐसी फिल्म नहीं देखेंगे.'

कार्तिक आर्यन बनेंगे इच्छाधारी नाग

हाल ही में करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मा तले एक फिल्म 'नागजिला' की घोषणा की गई। इसमें कार्तिक आर्यन एक इच्छाधारी नाग का रोल करने वाले हैं। इस फिल्म से जुड़ा कार्तिक का एक लुक भी सामने आया। यह पहली बार नहीं है कि कोई बॉलीवुड एक्टर नाग का रोल कर रहा हो। पहले भी कई फिल्मों में कुछ नामी कलाकारों ने इच्छाधारी नाग-नागिन के रोल किए हैं।

फिल्मों में जितेंद्र-श्रीदेवी भी निभा चुके हैं ऐसे किरदार

अरमान कोहली : साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'जानी दुश्मन' में अरमान कोहली ने इच्छाधारी नाग का रोल किया था। यह फिल्म टीवी पर इतनी बार दिखाई गई कि इसे कल्ट मूवी का दर्जा मिल गया। राजकुमार कोहली निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार, सनी देओल, सुनील शेट्टी भी नजर आए।

रेखा : फिल्म 'शेषनाग (1990)' में अभिनेता जितेंद्र और अभिनेत्री रेखा ने इच्छाधारी नाग-नागिन का रोल किया था। फिल्म में ऋषि कपूर और डैनी डेंजोंगप्पा भी नजर आए। फिल्म को के.आर रेड्डी ने निर्देशित किया था।

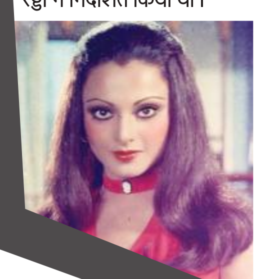

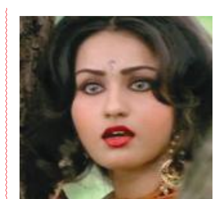

रीना रॉय : रीना रॉय भी फिल्म 'नागिन (1976)' में नागिन के रोल में नजर आईं, इस फिल्म में भी जितेंद्र ने इच्छाधारी नाग का रोल किया था। इस फिल्म को राजकुमार कोहली ने निर्देशित किया था। फिल्म में सुनील दत्त, फिरोज खान, कबीर बेदी और रेखा जैसे कलाकार भी नजर आए।

श्रीदेवी : इच्छाधारी नागिन पर बनीं सबसे चर्चित श्रीदेवी की फिल्म 'नगिना (1986)' रही है। इसमें विलेन के रोल में अमरीश पुरी नजर आए, फिल्म में हीरो का रोल ऋषि कपूर ने निभाया था। इस फिल्म को हरमेश मल्होत्रा ने निर्देशित किया था।

मनीषा कोइराला : फिल्म 'जानी दुश्मन' में ही मनीषा कोइराला ने भी एक इच्छाधारी नागिन का रोल किया था। फिल्म में किसी वजह से जब नागिन मर जाती है तो मनीषा एक सामान्य लड़की के रूप में जन्म लेती है।

मल्लिका शेरावत : मल्लिका शेरावत ने भी नागिन का रोल किया था। साल 2010 में जेनिफर लिंच द्वारा निर्देशित फिल्म 'हीस' में मल्लिका एक इच्छाधारी नागिन बनी थी। यह एक हॉरर ड्रामा फिल्म थी, इसमें मल्लिका काफी बोल्ड अंदाज में नजर आईं।

पूजा हेगड़े की आनेवाली जबरदस्त फिल्में

कई साउथ हीरो के साथ जमेगी जोड़ी

पूजा की शानदार एक्टिंग और लुक फैंस को हमेशा से ही आकर्षित करते आए हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में पूजा का दमदार अभिनय दर्शकों का खूब मनोरंजन करने वाला है। फैंस इन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पूजा की जोड़ी इन सुपरस्टार्स के साथ धूम मचाने वाली है।

रेट्रो

फिल्म 'रेट्रो' में पूजा सूर्या के साथ दिखेंगी। फिल्म का निर्देशन कार्तिक सुब्बाराज ने किया है और इसे 1 मई 2025 को रिलीज किया जाएगा। शूटिंग अंडमान, ऊटी, केरल और चेन्नई में हुई है। संगीत संतोष नारायणन ने दिया है। इस फिल्म का संभावित नाम पहले 'सूर्या 44' रखा गया था। 'रेट्रो' को दुनिया भर के सिनेमाघरों में 1 मई 2025 को रिलीज की जाएगी।

बिल्ला रंगा बाशा

पूजा कन्नड़ स्टार किच्चा सुदीप के साथ फिल्म 'बिल्ला रंगा बाशा' में काम कर रही हैं। इसका निर्देशन अनूप भंडारी ने किया है। 'बीआरबी' से पहले सुदीप ने एक्शन थ्रिलर 'मैक्स' में अभिनय किया था, जो 25 दिसंबर, 2024 को रिलीज हुई थी।

जना नायगन

फिल्म 'जना नायगन' में पूजा एक्टर दलपति विजय के साथ नजर आएंगी। यह एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जिसका निर्देशन विनोथ ने किया है। विनोथ द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित तमिल भाषा की राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। पूजा और दलपति विजय के अलावा फिल्म में बॉबी देओल, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण, प्रियमणि, ममिता बैजू जैसे कई अहम कलाकार नजर आएंगे। पहले इस फिल्म का अस्थायी नाम 'दलपति 69' रखा गया था।

कुली

पूजा साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म 'कुली' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है और इसे 14 अगस्त 2025 को रिलीज किया जा सकता है। शूटिंग चेन्नई, हैदराबाद, जयपुर और बैंकॉक में हुई है। संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। कुली, एक भारतीय तमिल भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में रजनीकांत और पूजा हेगड़े के अलावा नागार्जुन, उपेंद्र, सौबिन शाहिर, सत्यराज, श्रुति हासन, रेबा मोनिका जॉन, जूनियर एमजीआर जैसे कई कलाकार नजर आएंगे।

'अबीर गुलाल' से जुड़ी आलोचनाओं के बीच वाणी कपूर ने पहलगाम हमले पर जताया दुख

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर लोगों के निशाने पर हैं। अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म 'अबीर गुलाल' में पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान के साथ काम करने के चलते ट्रोल की जा रही हैं। इस बीच अब अभिनेत्री ने इस दर्दनाक हादसे की निंदा करते हुए इस पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि इस भयानक हमले ने उन्हें निशब्द और अवाक कर दिया है।

इंस्टाग्राम पर साझा की स्टोरी : अभिनेत्री वाणी कपूर ने इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए इंस्टाग्राम स्टोरीज का सहारा लिया और एक भावनात्मक नोट लिखा। वाणी ने अपनी स्टोरी पर लिखा, "जब से मैंने पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हमला देखा है, तब से मैं स्तब्ध हूं, मेरे पास शब्द नहीं हैं। बहुत दुखी हूं। अभी भी सदमे में हूं। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं।" वाणी कपूर का यह बयान इस हादसे के कई घंटों बाद उनकी आगामी फिल्म 'अबीर गुलाल' को लेकर बढ़ती आलोचना और बहिष्कार की मांग के बीच आया है।

ट्रोल हो रहीं वाणी कपूर : फिल्म 'अबीर गुलाल' में वाणी कपूर पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान के साथ नजर आ रही हैं। पहलगाम हमले के बाद से लोग इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं और पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान के साथ काम करने को लेकर वाणी कपूर को भी निशाने पर ले रहे हैं। सोशल मीडिया पर यूजर वाणी कपूर को ट्रोल कर रहे हैं और फिल्म 'अबीर गुलाल' के भी बायकॉट किए जाने की मांग कर रहे हैं। आरती एस बागड़ी द्वारा निर्देशित 'अबीर गुलाल' 9 मई को रिलीज होने वाली है। यह फवाद खान की बॉलीवुड में कमबैक फिल्म है। लेकिन अब रिलीज से पहले ही फिल्म 'अबीर गुलाल' मुश्किलों में फंसती दिख रही है।

स्लमडॉग मिलेनियर में नजर आने वाली थी ये बॉलीवुड एक्ट्रेस

अजीबोगरीब वजह से हो गई रिजेक्ट

'स्लमडॉग मिलेनियर' ब्रिटिश ड्रामा फिल्म थी लेकिन कहानी भारतीय किरदारों के ईर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में देव पटेल और फ्रीडा पिंटो ने लीड रोल किए। फ्रीडा वाले रोल के लिए नुसरत ने भी ऑडिशन दिया था लेकिन वह एक अजीब वजह से रिजेक्ट कर दी गईं।

इस वजह से रिजेक्ट हुईं नुसरत

बॉलीवुड बबल से की गई हालिया बातचीत में नुसरत भरुचा ने 'स्लमडॉग मिलेनियर' में रिजेक्ट किए जाने वाला किस्सा साझा किया। वह कहती हैं, 'मैंने इस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था। फिर कॉल आया कि आपको इस फिल्म में इसलिए नहीं लिया जा रहा क्योंकि आप बहुत सुंदर हैं और एक सुंदर लड़की बस्ती में रहने वाली लड़की का किरदार कैसे निभा सकती है?।'

फिल्म देखने के बाद फैसला सही लगा

नुसरत भरुचा आगे कहती हैं, 'पहले तो रिजेक्शन की वजह मुझे अजीब लगी। जब फिल्म रिलीज हुई तो मैंने भी देखी। तब मुझे अहसास हुआ कि मेकर्स का फैसला सही था। फिल्म में उस लड़की की जर्नी बिल्कुल ही अलग थी। देखिए, हमारी इंडस्ट्री ऐसी ही है, कई बार सुंदर होने की वजह से कुछ रोल हमारे हाथ से निकल जाते हैं।'

फिल्म 'छोरी' को लेकर चर्चा

फिल्म 'छोरी 2' में नुसरत भरुचा ने एक मां का रोल किया है, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करती है। फिल्म में हॉरर का तड़का भी है, साथ ही यह फिल्म एक सोशल मैसेज भी देती है। फिल्म में नुसरत भरुचा के अलावा सोहा अली खान, सौरभ गोयल, पल्लवी अजय, कुलदीप सरीन, हार्दिक शर्मा जैसे कलाकार भी नजर आए। फिल्म को विशाल फुरिया ने निर्देशित किया है।

'मर्दानी 3' को लेकर आया बड़ा अपडेट

रानी मुखर्जी के अलावा ये अभिनेत्री निभाएगी पुलिस का किरदार

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'मर्दानी' में अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने पुलिस का दमदार किरदार निभाया था। ये फिल्म काफी कामयाब रही थी। फिल्म की कामयाबी के बाद रानी मुखर्जी 'मर्दानी 2' में नजर आईं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई। यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर काफी कामयाब रही। अब फैंस इसके तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं।

शुरू हो चुकी मर्दानी 3 की शूटिंग

साल 2024 में खबर आई कि फिल्म निर्माता 'मर्दानी 3' पर काम कर रहे हैं। पिंकविला की एक खबर के मुताबिक फिल्म 'मर्दानी 3' की शूटिंग इसी साल के शुरुआत में शुरू हो चुकी है। फिल्म अगले साल 2026 में होली के मौके पर रिलीज होगी।

जानकी बोदीवाला होंगी फिल्म का हिस्सा

वेबसाइट के मुताबिक अभिनेत्री जानकी बोदीवाला भी फिल्म 'मर्दानी 3' में अहम किरदार अदा करेंगी। जानकी बोड़ीवाला ने फिल्म 'शैतान' में अच्छा रोल निभाया था। इससे रानी मुखर्जी और आदित्य चोपड़ा प्रभावित हुए हैं, इसलिए उन्होंने जानकी बोदीवाला को फिल्म में अहम किरदार दिया है। वह फिल्म में एक पुलिस का किरदार निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग मुंबई में हो रही है।

जरूरी मुद्दे पर होगी फिल्म

खबर है कि 'मर्दानी 3' दोनों फिल्मों से जबरदस्त होगी। पहले की फिल्में सामाजिक मुद्दों पर आधारित थीं। उसी तरह यह फिल्म भी जरूरी सामाजिक मुद्दों पर होगी।

जानकी बोदीवाला का बॉलीवुड में दमदार किरदार

जानकी बोदीवाला ने बॉलीवुड में 'शैतान' फिल्म से डेब्यू किया था। इससे पहले वह गुजराती फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। अब वह बॉलीवुड में 'मर्दानी 3' में अहम रोल अदा करने वाली हैं।

'वो हमारी बेटी के रूप में जन्म लेंगी'

ठग सुकेश ने फिर लिखा जैकलीन को लेटर

200 करोड़ रुपए की जबरन वसूली के मामले में जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक बार फिर अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज के लिए जेल से ही पत्र लिखा है। सुकेश ने जैकलीन की मां के निधन के बाद हाल ही में यह भावपूर्ण पत्र लिखा है। सुकेश ने बाली में लिली और ट्यूलिप से भरा एक बगीचा भी किम को समर्पित किया है, जो उनके पसंदीदा फूलों के लिए एक श्रद्धांजलि है। पत्र में सुकेश ने जैकलीन की मां के लिए लिखा है कि वह हमारी बेटी के रूप में पुनर्जन्म लेंगी।

मां को समर्पित किया गार्डेन

जैकलीन को समर्पित पत्र में ठग सुकेश ने लिखा, "मैंने बाली में उस द्वीप का एक बड़ा हिस्सा खरीदा है, जहां खेती चल रही थी। अब यह एक पूरी तरह से निजी उद्यान है, जिसका नाम जैकलीन फर्नांडीज के मालिकाना हक वाला किम गार्डन है। मैं आज मां की याद में तुमको ईस्टर उपहार के रूप में यह उद्यान गिफ्ट में दे रहा हूं। मैं तुम्हे सांत्वना देने और यह एहसास दिलाने की हर संभव कोशिश कर रहा हूं कि मैं इस बुरे समय में तुम्हारे साथ हूं। तुम्हारे आस-पास के लोग वहां होने का दिखावा करेंगे, लेकिन केवल अपने उद्देश्यों के लिए। मुझे यकीन है कि तुम यह जानती हो।"

जैकलीन की मां के लिए की चर्च में प्रार्थना

सुकेश ने पत्र में कथित तौर पर अपना पश्चाताप व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि जैकलीन की दिवंगत मां ने अपने जीवनकाल में उनके प्रति कोई नाराजगी नहीं जताई होगी। इस भावुक संदेश में सुकेश ने विश्वास व्यक्त किया कि किम उनकी बेटी के रूप में पुनर्जन्म लेंगी। सुकेश ने जैकलीन से एक विशेष ईस्टर उपहार देखने का भी आग्रह किया, जिसे उन्होंने यह सुझाव देते हुए उनकी मां को समर्पित किया था कि उन्हें वहां अपनी मां की उपस्थिति महसूस होगी। सुकेश ने यह भी बताया कि ईस्टर पर उन्होंने उनकी मां की याद में वेटिकन में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया था, जो उनकी मां का पसंदीदा चर्च है।